जबलपुर सोमवार 20 अप्रैल 2026 > चैत्र 25 शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल तृतीया विक्रम संवत 2083

वर्ष 31 अंक 294 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर... ▸▸ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 42.5°C
न्यूनतम तापमान 23.8°C
सूर्योदय - 5.45 | सूर्यास्त - 6.33

रमपुरी में आरपीएल सीजन-2 का फाइनल ▸▸ 2

दीपिका पादुकोण प्रेग्नेंसी में भी नहीं लेंगी ब्रेक, ▸▸ 7

शिव महापुराण बना आस्था का महाकुंभ ▸▸ 9

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 21 लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए जोरदार धमाके ने पूरे इलाके को दहला दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। धमाका इतना भयंकर था कि फैक्ट्री की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। प्रशासन और बचाव दल मौके पर युद्ध स्तर पर राहत कार्य में जुटे हुए हैं।

शुरुआती रिपोर्टों में 9 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई थी, लेकिन जैसे-जैसे मलबा हटाया गया, शवों की संख्या बढ़कर 21 तक पहुंच गई। इस हादसे में कम से कम 8 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां झुलसे हुए कुछ मरीजों की हालत नाजुक बनी हुई है। जोरदार विस्फोट के कारण फैक्ट्री का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। मलबे के नीचे कई अन्य मजदूरों के दबे होने की आशंका है, जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। फिलहाल विस्फोट की वजह साफ नहीं है। माना जा रहा है कि पटाखा बनाने के दौरान घर्षण (फ्रिक्शन) के कारण यह हादसा हुआ, जिससे विस्फोट हो गया। फैक्ट्री के चार कमरे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। बचाव कार्य जारी रहने के बीच मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, धमाके की आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने इस दर्दनाक हादसे पर कहा कि तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुआ हादसा बहुत दुखद है।

मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। इसके साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर भारी दुख व्यक्त किया और कहा, तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए दुखद हादसे में लोगों की मौत बहुत दुखद है। मैं दुखी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करती हूं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने एक्स पर लिखा- इस हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की हैं।

कैसे होते हैं ऐसे हादसे?

विरुधुनगर और इसके आस-पास का क्षेत्र (विशेषकर शिवकाशी) पूरे देश में पटाखा और माचिस निर्माण का सबसे बड़ा हब माना जाता है। प्रारंभिक जानकारी और पूर्व में हुए ऐसे हादसों के पैटर्न के अनुसार, अक्सर ऐसी घटनाएं तब होती हैं जब केमिकल मिक्सिंग रूम में अत्यधिक तापमान या घर्षण पैदा हो जाता है। क्षमता से अधिक बारूद और ज्वलनशील सामग्री का एक ही जगह पर भंडारण किया गया हो। सुरक्षा मानकों और दिशा-निर्देशों की अनदेखी की गई हो। प्रशासन ने हादसे के कारणों की गहन जांच के आदेश दे दिए हैं। इस बात की भी जांच की जा रही है कि संबंधित फैक्ट्री के पास काम करने का वैध लाइसेंस था या नहीं। फिलहाल प्राथमिकता घायलों का बेहतर इलाज और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालना है। मृतकों का आंकड़ा अभी और भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्रदेश में नए तीर्थ के रूप में विकसित होगा जानापाव

भोपाल/इंदौर।

17.50 करोड़ से बनेगा श्री परशुराम-श्री कृष्ण लोक

हम भगवान कृष्ण की लीलाओं वाले स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रहे हैं। हम 17 करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक की लागत से 'श्री परशुराम-श्री कृष्ण लोक' बनाएंगे। इस स्थान को भव्य-दिव्य बनाया जाएगा। ताकि, यह तीर्थ पूरी दुनिया में अलग से पहचाना जाए। इस स्थान पर आकर लोग भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं से भी परिचित हों और भगवान परशुराम के जीवन से भी प्रेरणा लें। यहां आकर जनता को पुण्य प्राप्त होगा। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जी जन्म स्थली जानापाव कुटी में आयोजित भगवान श्री परशुराम के पावन प्रकटोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान श्री परशुराम जी की पूजा- अर्चना कर प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन्म और जन्म के बाद भगवान परशुराम का पूरा जीवन सबसे लिए सदैव आस्था-श्रद्धा-विश्वास-परंपरा-सनातन-संस्कृति के लिए गौरवांवित करने वाला है। सतयुग हो, त्रेतायुग हो, भगवान परशुराम ने हर काल में जन कल्याण किया है। चिरंजीवी भगवान परशुरांम ने हर काल में अन्याय के खिलाफ-अधर्मियों के खिलाफ शस्त्र उठाए। वे शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे। भगवान राम का विवाह भी भगवान परशुराम के धनुष के निमित्त हुआ। भगवान परशुराम का जीवन अद्भुत है। उस दौर में माता जानकी भी उस धनुष को इधर से उधर किया करती थीं। यह उस दौर में माताओं-बहनों की शक्ति को दिखाता है।

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुले

देहरादून।

उत्तराखंड में आज से चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री और 12 बजकर 35 मिनट पर यमुनोत्री के कपाट खोल दिए गए। गंगोत्री में पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए।

इस पूजा के खत्म होने के बाद आम लोग अब मां गंगा के दर्शन कर पा रहे हैं। उधर, मां यमुनोत्री में कपाट खुलते ही काफी देर से दर्शन के लिए खड़े लोगों की भीड़ अब मंदिर की तरफ बढ़ती दिख रही है। वहीं, बाबा केदार की डोली भी अपने शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर से फाटा की ओर रवाना हो गई है।

बाबा की पंचमुखी डोली 21 अप्रैल को केदारनाथ पहुंचेगी जिसके बाद अगले दिन 22 अप्रैल कपाट खुलेंगे। रविवार दोपहर 3 बजे तक 18 लाख से ज्यादा लोगों ने चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 4 युवकों की मौत

अनूपपुर। अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गड्ढे में पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर के इंजन और ट्रॉली के नीचे दबने के कारण चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। करन पठार थाना प्रभारी वीरेंद्र बडकरे के मुताबिक, डिंडौरी जिले के भीमकुंडी गांव से ठाड़ पाथर गांव से चारों युवक सुबह 5.30 बजे ट्रैक्टर लेकर गिट्टी लेने के लिए अनूपपुर के पौनी गांव आ रहे थे। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली ठाड़ पाथर गांव के पास अचानक मोड पर सड़क से नीचे उतर गई और नीचे गड्ढे में पलट गई।

परिसीमन मुद्दा लोकतंत्र के लिए खतराः खड़गे

होसुर (तमिलनाडु)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सीटों के परिसीमन के जरिए तरक्की कर रहे राज्यों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है और ऐसा कदम संविधान और संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान रविवार को यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ सत्ता की नहीं, बल्कि देश की विविधता और लोकतंत्र को बचाने की है। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की नेतृत्व क्षमता की जमकर सराहना की और तमिलनाडु को सामाजिक न्याय, समानता और संघीय ढांचे का मार्गदर्शक राज्य बताया। खड़गे ने हाल ही में

संसद में परिसीमन से जुड़े प्रयासों को रोकने को विपक्ष की एक बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे प्रगतिशील राज्यों की लोकसभा में हिस्सेदारी कम करने की साजिश रच रही थी, लेकिन कांग्रेस द्रमुक गठबंधन ने एकजुट होकर इसे विफल कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा इन राज्यों को उनकी तरक्की की सजा देना चाहती है, जिसे कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी। द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए खड़गे ने महिलाओं, युवाओं और गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जनहितकारी बताया। उन्होंने मतदाताओं से भावुक अपील की कि वे 23 अप्रैल को होने वाले मतदान में विभाजन की राजनीति को करारा जवाब दें और भारी संख्या में वोट देकर लोकतंत्र व संविधान की रक्षा करें। गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपनी पूरी ताकत झोंक रही है और इसी कड़ी में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सहित कई दिग्गज नेता लगातार चुनावी रैलियां कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम पर दिया राजनीतिक संबोधन

भाकपा सांसद ने चुनाव आयोग से की जांच की मांग

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद बिनॉय विश्वम ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आदर्श चुनाव आचार संहिता के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले की तुरंत जांच करने की मांग की है। श्री विश्वम ने 19 अप्रैल को लिखे अपने पत्र में तर्क दिया कि पांच राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री का हालिया संबोधन राजनीतिक था। उन्होंने कहा कि इस भाषण में एकतरफा बातें की गईं और जनता की राय को प्रभावित करने की सीधी कोशिश की गई। यह तब किया गया जब देश के पांच राज्यों में चुनावी प्रक्रिया चल जारी है। भाकपा नेता ने जोर देकर कहा कि आचार संहिता लागू होने के दौरान इस तरह का संबोधन, निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाता है। उन्होंने विशेष रूप से दूरदर्शन और संसद टीवी जैसे सरकारी चैनलों पर इस संबोधन के प्रसारण पर चिंता जताई और इसे चुनावी नियमों का उल्लंघन बताया।

सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी सामग्री पर चुनाव आयोग सख्त

नई दिल्ली (वार्ता)। चुनाव आयोग ने 2026 में विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी, भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित सामग्री का उपयोग करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए। आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा, सभी संबंधित पक्षों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों, जैसे कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 और आदर्श आचार संहिता के अनुसार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि एआई से बनाया गया कोई भी गुमराह करने वाला या गैर-कानूनी कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट किए जाने के तीन घंटे के भीतर हटा दिया जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने कृत्रिम मीडिया से जुड़े राजनीतिक प्रचार में अधिक पारदर्शिता लाने का भी निर्देश दिया। राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कंटेंट पर साफ तौर पर एआई-जनित, डिजिटली परिष्कृत या कृत्रिम सामग्री का लेबल लगाएं और साथ ही यह भी बताएं कि यह सामग्री किसने बनायी है। आयोग ने कहा कि यह कदम तेजी से बढ़ते डिजिटल चुनावी माहौल में पारदर्शिता बनाए रखने और मतदाताओं का भरोसा जीतने के लिए जरूरी है।

महिला आरक्षण के नाम पर मोदी बहा रहे हैं घड़ियाली आंसूः कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)।

कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा हमेशा महिलाओं को आरक्षण देने के खिलाफ रही है और यही वजह है कि इस बार उसने महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन लाने का षड्यंत्र किया, जिसके कारण संसद में पेश संविधान संशोधन विधेयक गिर गया और भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। पार्टी ने कहा कि भाजपा शुरू से ही महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती है। यह हमेशा महिला आरक्षण के विरुद्ध रही है और यही कारण था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 1990 में महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए थे, तो भाजपा ने इसका विरोध किया था, जिसके कारण वह विधेयक संसद में पारित नहीं हो सका था। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने

रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, इसलिए उन्होंने राष्ट्र के नाम शनिवार को 29 मिनट के संबोधन में 58 बार, यानी लगभग हर 30 सेकंड में कांग्रेस का नाम लिया। इससे साफ है कि श्री मोदी महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन के अपने कथित षड्यंत्र के विफल होने के कारण देश के नाम संबोधन के दौरान घड़ियाली आंसू बहा रहे थे।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी को संविधान संशोधन विधेयक गिरने पर दुखी होने की बजाय 543 लोकसभा सीटों के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए और कांग्रेस इस व्यवस्था का पूरी तरह समर्थन करेगी। उनका कहना था कि मौजूदा 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं को दे दीजिए और इसमें रोड़ा मत बनिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, वहां श्री मोदी कुछ नहीं बोलते। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री मोदी ने कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी के लिए 'कांग्रेस की विधवा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर महिलाओं का अपमान किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने दोबारा नोटिस देने की तैयारी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है।

पूरे देश में सड़क-सुरक्षा के 'सुप्रीम' निर्देश

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए पूरे देश में कई गाइडलाइंस जारी की हैं। इन निर्देशों एक्सप्रेसवे जैसी सड़कों पर भारी वाहनों की पार्किंग पर रोक भी शामिल है। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों के कारण एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की बेंच ने सड़क और परिवहन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को सड़कों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। बेंच ने बताया कि नेशनल हाईवे भारत की कुल सड़क लंबाई का सिर्फ 2 प्रतिशत हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली कुल मौतों में इनका हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है। ये निर्देश उस वक्त दिये गए जब कोर्ट राजस्थान के फलोदी, तेलंगाना के रंगारेड्डी

एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा ना बनें, इनपर भारी वाहन पार्किंग ना हो

में लगातार हुई सड़क दुर्घटनाओं में 34 लोगों की मौत के बाद दर्ज केस पर सुनवाई कर रहा था। इन दुर्घटनाओं का कारण सिस्टम की लापरवाही और बुनियादी ढांचे का फेल्योर था, जिसके कारण ये मौतें हुईं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश में कहा गया है कि कोई भी भारी या कमर्शियल गाड़ी किसी भी नेशनल हाईवे के कैरिजवे या पक्के शोल्डर पर पार्क नहीं होगी, रुकेगी नहीं, सिवाय किसी तय जगह, ले-बाय, या सड़क किनारे की सुविधा वाली जगह के। निर्देश को लागू करने का काम एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए किया जाएगा। इसमें राज्य पुलिस को रियल-टाइम अलर्ट भेजना, जीपीएस टाइमस्टैम्प वाले फोटो सबूत और इंटीग्रेटेड ई-चालान बनाना शामिल है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राज्य पुलिस और राज्य परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को इन निर्देशों का पालन करना होगा। संबंधित जिलों के कलेक्टर एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तय करेंगे। इनका पालन 60 दिन के अंदर किया जाना चाहिए। किसी भी नेशनल हाईवे के 'राइट ऑफ वे' के अंदर किसी भी नए ढाबे, खाने की जगह या कमर्शियल इमारत का निर्माण और संचालन तुरंत प्रभाव से रोक दिया जाए।

सुरक्षा जोन के अंदर व्यापार नहीं

जिला मजिस्ट्रेट सीएनएच एक्ट के प्रोसीजर और 7 अगस्त 2025 के एसओपी के मुताबिक, सभी नई और पहले से मौजूद गैर-कानूनी इमारतों को 60 दिनों के अंदर गिराने/हटाने का काम करवाएंगे। कोई भी विभाग, अथॉरिटी, स्थानीय निकाय हाईवे सुरक्षा जोन के अंदर किसी भी जगह के लिए बिना एनएचएआई या पीडब्ल्यूडी की मंजूरी के कोई लाइसेंस, एनओसी या व्यापार की मंजूरी नहीं देगा। न ही लाइसेंस रिन्यू करेगा।

सुरक्षा टास्क फोर्स भी बनेगी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश में यह भी कहा गया है कि ऐसी जगहों के लिए पहले से मौजूद सभी लाइसेंसों की 30 दिनों के अंदर समीक्षा की जाएगी। जिन जिलों से नेशनल हाईवे गुजरता है, वहां जिला मजिस्ट्रेट 15 दिन के अंदर एक सुरक्षा टास्क फोर्स बनाएंगे। पूरे भारत में हर जिले में इस आदेश के 7 दिन के अंदर फोर्स बनाई जाएगी। इसमें प्रशासन, पुलिस, एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी शामिल होंगे।

सामूहिक कन्या विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक : विधायक शरद कोल

वैदिक रीति-रिवाज के साथ 198 जोड़ों ने लिए सात फेरे में बंधे परिणय सूत्र में

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत रसपुर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 198 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया और परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन स्थल पर पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवदंपतियों को माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं पुष्पवर्षा कर उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि सामूहिक

विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन समाज में समानता, सादगी और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, अक्षय तृतीया का पावन अवसर अत्यंत शुभ होता है और इस दिन किए गए प्रत्येक शुभ कार्य का फल अक्षय होता है। यह आयोजन सभी नवविवाहित जोड़ों के लिए मंगलकारी सिद्ध होगा। उन्होंने विवाह संस्कार को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और सभी को अपनी खुशियां साझा करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जनपद पंचायत आकांक्षी सिंह ने कहा कि सामूहिक कन्या विवाह समारोह का उद्देश्य समाज में सादगीपूर्ण एवं आदर्श विवाह को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से एक ही मंच पर अनेक जोड़ों का विवाह विधिवत संपन्न कराया जाता है, जिससे सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी सशक्त संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जिले में दो दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेला का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय में दो दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी आर.के. मंगलानी द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, पाण्डव नगर परिसर में आयोजित इस मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विभिन्न निजी विक्रेताओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

पुस्तक मेले में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, पेन, स्कूली ड्रेस सहित अन्य आवश्यक सामग्री उचित एवं किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। मेले में बड़ी संख्या में विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों ने पहुंचकर आवश्यक सामग्री का क्रय किया, जिससे उनमें उत्साह देखने को मिला। जिला शिक्षा

अधिकारी मंगलानी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से अभिभावकों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती रहें। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 19 एवं 20 अप्रैल को आयोजित इस पुस्तक मेले का समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को सत्र प्रारंभ होने से पूर्व ही आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से संचालित हो सके। यह पुस्तक मेला शिक्षा को प्रोत्साहित करने एवं विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संभागीय मीडिया प्रभारी कमलेश मिश्रा द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी बुढ़ार को सौंपा गया ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। प्रोग्रेसिव पेंशन एसोसिएशन मध्य प्रदेश के संभाग के मीडिया प्रभारी एवं मध्य प्रदेश के मानवाधिकार के उपाध्यक्ष कमलेश मिश्रा द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी बुढार को उनके कार्यालय में उपस्थित होकर ब्लाक अंतर्गत पिछले पांच वर्षों से सेवानिवृत शिक्षकों, कर्मचारियों के लंबित प्रकरण जिनमें ग्रेजयुटी राशि, बीमा राशि, जी पी एफ राशि, एरियर्स राशि, वेतन निर्धारण संबंधी विकृतियां, अर्जित अवकाश को सेवा पुस्तिका में दर्ज किए जाने एवं जिनके सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश दर्ज है उनका भुगतान पत्रक तैयार कर शीघ्रातिशीघ्र संबंधी जनों को भुगतान कराये जाने एवं लंबित प्रकरणों को शीघ्र निपटाए जाने हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी. के. निगम को ज्ञापन सौंपा गया, जिस पर श्री निगम द्वारा समस्त प्रकरण को एक माह के अंदर निपटाए जाने का आश्वासन दिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विद्यालय में पानी की टंकियों की सफाई का चलाया जा रहा अभियान

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी को सशक्त बनाते हुए विकासखण्ड बुढ़ार अंतर्गत माध्यमिक विद्यालय झिरिया में स्वच्छता एवं जल संरक्षण पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया, श्रमदान करते हुए परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया। इसके साथ ही विद्यालय में स्थापित पानी की टंकी की भी विशेष रूप से सफाई की गई, ताकि

विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। इस पहल से न केवल स्वच्छता को बढ़ावा मिला, बल्कि जल के सुरक्षित उपयोग की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल के महत्व, उसके संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने दैनिक जीवन में जल का सदुपयोग करें तथा अनावश्यक अपव्यय से बचें। साथ ही ग्रामीणों से भी अपील की गई कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों की सुरक्षा एवं संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। डीपीसी अमरनाथ सिंह ने बताया कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति के मार्गदर्शन में जिले भर की स्कूलों में पानी की टंकी की सफाई का कार्य अभियान के रूप में किया जा रहा है।

गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आमजन के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है तथा हीट वेव (लू) से बचाव के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, हल्के एवं ढीले कपड़े पहनें तथा सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक पानी पिएं, ठंडे पेय पदार्थ जैसे नींबू पानी, छाछ, लस्सी आदि का सेवन करें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। बाहर से आने के बाद तुरंत ठंडा पानी पीने से बचें और शरीर को सामान्य तापमान पर आने दें। उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। तेज बुखार, चक्कर आना, उल्टी या कमजोरी महसूस होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

रमपुरी में आरपीएल सीजन-2 का फाइनल संपन्न

एनएससी रमपुरी बनी चैंपियन, रोहित सैयाम का धमाकेदार प्रदर्शन

डिंडौरी। अमरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम रमपुरी में आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आरपीएल सीजन-2 (सरपंच कप) का फाइनल मुकाबला रविवार को उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुआ। फाइनल मैच हस्ष्ट रमपुरी और हैकर बॉय सिंघनपुरी के बीच खेला गया, जिसमें हस्ष्ट रमपुरी ने शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रमपुरी की टीम ने 12 ओवर में 5 विकेट खोकर 172 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुरुआत में टीम को कुछ झटके जरूर लगे, लेकिन रोहित सैयाम और कप्तान राहुल मिश्रा ने पारी

को संभालते हुए शानदार साझेदारी की। रोहित सैयाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 14 छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए, जबकि राहुल मिश्रा ने संयमित खेल दिखाते हुए नाबाद 41 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिंघनपुरी की टीम रमपुरी के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम 97 रन पर सिमट गई। इस तरह हस्ष्ट रमपुरी ने मुकाबला जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

रोहित सैयाम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि सरपंच शांति धूमकेति एवं उपसरपंच सेम सिंह परस्ते ने विजेता टीम हस्ष्ट रमपुरी को रु. 25,000 की चेक राशि एवं आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की। वहीं उपविजेता सिंघनपुरी टीम को रु. 12,000 की चेक राशि और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंचासीन अतिथि युगल किशोर मिश्रा, धनेश्वर मिश्रा, रामसुजान मिश्रा, माखन लाल बर्मन, कृष्ण लाल बर्मन, उमा प्रसाद और हस्ष्ट कमेटी के सचिव अखलेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

आदि उत्सवः कलेक्टर पहुंचे रामनगर

मण्डला (स्वतंत्र मत)। आगामी आदि उत्सव के आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे रामनगर पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम रामनगर के ऐतिहासिक किले का भ्रमण कर इस पुरातात्विक धरोहर की वास्तुकला ऐतिहासिक महत्व और वर्तमान स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि रामनगर किला जिले की सांस्कृतिक पहचान है। आदि उत्सव के माध्यम से इस धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने किले में पर्यटकों के आने की जानकारी ली और इसके संरक्षण और पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश भी दिए। किले के भ्रमण के बाद कलेक्टर मां नर्मदा के तट पर प्रस्तावित आदि उत्सव आयोजन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर प्रवेश मुख्य मार्ग और पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से उत्सव में शामिल होने वाले नागरिकों की संभावित संख्या, स्टॉल आवंटन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच और कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि आदि उत्सव जनजातीय कला, संस्कृति, व्यंजन और परंपराओं को मंच देने का बड़ा अवसर है। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छात्राओं को दी गई विस्तृत जानकारी

शहडोल (स्वतंत्र मत)। शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में योजना की नोडल अधिकारी प्रो. चरणा गुप्ता, सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) द्वारा छात्राओं को पीएम

विद्यालक्ष्मी योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना को अनुमोदित किया गया है, ताकि आर्थिक तंगी किसी भी छात्र-छात्रा की पढ़ाई में बाधा न बने। उन्होंने छात्राओं से योजना का लाभ लेने हेतु भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीयन करने की अपील भी की।

कार्यक्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता सिंह मरकाम, होम साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. यमुना धुर्वे, डॉ. प्रियंका मार्को (सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र) सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

डिंडौरी में आईएमए का ऐतिहासिक आगाज : डॉ. अरुणेंद्र गौतम बने पहले अध्यक्ष, डॉक्टरों को मिला साझा मंच

आईएमए की नई कार्यकारिणी गठित,स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया बल

डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक अहम और सकारात्मक पहल के रूप में शनिवार शाम मिड वे ट्रीट में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की डिंडौरी शाखा का विधिवत गठन किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर जिले भर के एमबीबीएस चिकित्सकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे आयोजन में उत्साह और एकजुटता का माहौल देखने को मिला। करीब एक सदी से अधिक के गौरवशाली इतिहास वाली इंडियन मेडिकल एसोसिएशन देश की सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सकीय संस्थाओं में शुमार है। संगठन का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों को एक साझा मंच प्रदान करना, उनके पेशेवर हितों की रक्षा करना और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समन्वय स्थापित करना है। ऐसे में डिंडौरी में इसकी शाखा का गठन जिले के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें डॉ. अरुणेंद्र मूर्ति गौतम को जिला अध्यक्ष, डॉ. सुरेश मरावी को जिला सचिव, तथा डॉ. धनराज को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित चिकित्सकों ने बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जबलपुर से आई आईएमए की वरिष्ठ टीम ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें डॉ. सुनील भेल (वाइस प्रेसिडेंट), डॉ. पुष्पराज भटेले (प्रेसिडेंट इलेक्ट), डॉ. दीपक साहू (सेक्रेटरी), डॉ. संजीव वरकड़े (स्टेट ज्वाइंट सेक्रेटरी), मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद जैन एवं डॉ. राकेश पाठक शामिल रहे।

वहीं जिले से सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडे सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नन्हे सिंह ठाकुर, डॉ. देवेंद्र मरकाम, डॉ. रमेश मरावी, डॉ. अजय राज, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, डॉ. अमित जैन, डॉ. कुशराम, डॉ. सतेंद्र परस्ते, डॉ. कमलेश राज, डॉ. जयश्री, डॉ. नीतू एवं डॉ. दानवीर-कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी चिकित्सकों ने ढ्रूरू के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यह मंच न केवल डॉक्टरों के अधिकारों और हितों की रक्षा करेगा, बल्कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और समन्वय को भी नई दिशा देगा। डिंडौरी में ढ्रूरू की शुरुआत को चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में मरीजों और डॉक्टरों दोनों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

करोड़ों की नल-जल योजना बनी सफेद हाथी ग्रामीणों को लोटा भर पानी भी नसीब नहीं

डिंडौरी। हर घर नल, हर घर जल के बड़े-बड़े दावों के साथ शुरू की गई केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जमीनी हकीकत में दम तोड़ती नजर आ रही है। डिंडौरी जिले के समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नान डिंडौरी में करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, जबकि कई परिवार आज भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

करोड़ों खर्च, फिर भी सूखी टोंटियां

जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2022 में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से 1 करोड़ 15 लाख रुपए की लागत से नल-जल योजना स्वीकृत की गई थी। कार्य 30 अप्रैल 2022 से प्रारंभ होकर 30 मार्च 2023 को पूर्ण दिखाया गया। योजना के तहत नान डिंडौरी और बैगा बाहुल्य ग्राम कमको के ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराना था। जमीनी स्थिति इसके उलट है-गांव में टंकी, संपवेल और पाइपलाइन तो दिखाई देते हैं, लेकिन नलों में पानी नहीं पहुंच रहा। ग्रामीणों का कहना है कि

योजना सिर्फ कागजों और दिखावे तक सीमित रह गई है।

दो माह से ठप जल आपूर्ति, महिलाएं परेशान

ग्रामीणों के अनुसार, पाइपलाइन बार-बार फटने के कारण पिछले दो महीनों से जल आपूर्ति पूरी तरह बंद है। पेयजल संकट के चलते महिलाओं को कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है, वहीं हैंडपंपों पर लंबी कतारें लग रही हैं।

पुराने पाइप को नया बताकर खेल?

ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि ठाकुर टोला और बनवासी टोला में नई पाइपलाइन डालने के बजाय वर्षों पुराने पाइपलाइन को ही योजना से जोड़ दिया गया। अब स्थिति यह है कि पाइपलाइन जाम होने के कारण एक बूंद पानी भी सप्लाई नहीं हो रही। इतना ही नहीं, कई जगह घर-घर नल कनेक्शन के नाम पर सिर्फ रेडीमेड प्लेटफॉर्म रख दिए गए हैं, जिन्हें मुख्य पाइपलाइन से जोड़ा ही नहीं गया। इससे साफ है कि आंकड़ों में लक्ष्य पूरा दिखाने के लिए काम किया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई वास्तविक सुविधा नहीं दी गई।

दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

बनवासी टोला के हालात और भी बदतर हैं। यहां के अधिकांश हैंडपंप सूख चुके हैं, जबकि स्कूल के पास लगे हैंडपंप से मटमैला और बदबूदार पानी निकल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी में डीजल जैसी दुर्गंध आती है, फिर भी मजबूरी में वही पानी पीना पड़ रहा है।

ठेकेदार पर मनमानी के आरोप

इस पूरी योजना का कार्य रेड सर्कल इंडस्ट्रीज, नागपुर द्वारा किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार ने विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से पुराने कार्यों को नया दिखाकर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की है और लाभार्थियों के फर्जी आंकड़े तैयार किए गए हैं। स्थानीय निवासी नाथूराम बनवासी का कहना है कि उनके मोहल्ले में सिर्फ प्लेटफॉर्म रखे गए हैं, लेकिन पाइपलाइन से कोई कनेक्शन नहीं है। वहीं वार्ड पंच भगत राम ठाकुर ने बताया कि कई जगहों पर पुरानी पाइपलाइन में ही योजना जोड़ दी गई, जिससे पूरी व्यवस्था ठप हो गई।

भगवान परशुराम जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा

शहर भर में हुए विविध कार्यक्रम, विशाल भण्डारों का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में ब्राह्मण एकता मंच और भगवान परशुराम वंशज के तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस भव्य आयोजन में समूचे शहर से विप्र समाज के लोग एकत्रित हुए। शोभायात्रा के माध्यम से समाज की एकजुटता और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन के संयोजक पं राम दुबे और पं. योगेंद्र दुबे के विशेष निमंत्रण पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से विप्र बंधु अपनी मंडलियों और टोलियों के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बने। शोभायात्रा के दौरान पूरा मार्ग भगवान परशुराम के जयकारों और भक्तिपूर्ण भजनों से गुंजायमान रहा। विशेष रूप से मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी ने वातावरण को पूरी तरह धर्ममय बना दिया। महिलाओं द्वारा गाए गए भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। भगवान परशुराम वंशज के जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला ने कार्यक्रम में पधारे समस्त विप्र बंधुओं का तिलक लगाकर और अभिनंदन कर सम्मान किया।

सर्व ब्राह्मण सभा के नेतृत्व में निकली विशाल शोभायात्रा

गोसलपुर सर्व ब्राह्मण सभा के नेतृत्व में भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर प्रात: कालीन 9 बजे यजुर्वेद के मंत्रों से भगवान परशुराम का पूजन अर्चन कर समस्त विप्र बंधु एक साथ श्री राधा कृष्ण कुटी में एकत्रित होने के पश्चात हाथ में फरसा भगवा ध्वज लेकर हर्ष उल्लास के साथ ब्राह्मणों का निकला। कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश तिवारी ने बताया प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर, ग्रामीण, शहर एवं अन्य राज्यों से पधारे वैदिक ब्राह्मण मंत्र उच्चारण के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ किया, चल समारोह में गोसलपुर के प्रमुख देव स्थल में पूजन अर्चन करते हुए नगर भ्रमणकर श्री कृष्णा राधा कुटी में शोभायात्रा का समापन किया गया। समापन के पश्चात आए हुए मुख्य अतिथियों का सम्मान पत्र साल श्रीफल के साथ सम्मान किया, ब्राह्मण सभा द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन भी किया गया जिसमें कई हजार विप्र बंधुओं ने भगवान परशुराम का महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश तिवारी, एनके शुक्ला राम निरंजन दुबे, लक्ष्मण पालीवाल, मोहित तिवारी, रमेश चंद्र शुक्ला, रमन मिश्रा, भुवनेश तिवारी, इंद्र कुमार उपाध्याय, अर्पित चौबे, प्रीति पालीवाल, जितेंद्र पांडे, एसके तिवारी, मोंटी दुबे आदि उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर हुआ भजन संध्या का आयोजन

सारस्वत पंजाबी ब्राम्हण बिरादरी के द्वारा भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार सनातन धर्म पब्लिक स्कूल हाथीताल में मप्र शासन के पूर्व वित्त मंत्री पं. तरूण भनोत के मुख्य अतिथ्य में हवन पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उसके उपरांत समाज के होनहार बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम आयोजित किए गए। पंजाबी समाज के जन संपर्क अधिकारी उमेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में 11 वृ(जनों का सामाजिक रूप से सम्मानित किया गया। जिसमें डॉ रमेश कुमार शर्मा, आर.एन.शर्मा, किशन लाल शर्मा, कैलाश कालिया, डॉ अनंत विजय लखनपाल, बी.के. शर्मा, नरेश कौशल, सी.आर.शर्मा, कृष्णा बाली, श्रीमती शशिबाला शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, आदि का मंच पर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें श्री दीपक मेहता द्वारा श्रीराम एवं अन्य भक्तिमय प्रस्तुति की गई जिसमें भक्तजन भावविभोर हो उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से आयोजन स्थल गूँज उठा। कार्यक्रम उपरांत संस्था द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य नरेन्द्र शर्मा, अश्विनी कालिया, रमेश शर्मा, उमेश शर्मा, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा,पवन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जयंती पर गोसलपुर में हुए विविध आयोजन

सिहोरा। सर्व ब्राह्मण सभा गोसलपुर व ग्रामीण अंचल मे निवासरत् ब्रिप समाज रविवार को भगवान बिष्णु के छठवें अवतार भगवान परसूराम जी की जयंती के शुभ अवसर पर एकत्रित होकर पूजन पाठ कर रामसागर तालाब के तट पर स्थित राधाकृष्ण कुटी मंदिर से शोभायात्रा शुरू हुई जो नगर के मुख्य मार्गो सहित शंकर कॉलोनी पहुंची शोभायात्रा शामिल विप्रजनो का समाज के अनेक संगठन द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। हर साल की भांति इस साल भी परशुराम जयंती बड़ी भव्यता व उल्लास के साथ मनाई गई। सर्व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पंमहेश तिवारी का अनेक लोगों ने तिलक वंदन कर माला शाल श्रीफल भेंटकर आत्मीय स्वागत किया अंत मे शोभायात्रा का समापन राधाकृष्ण कुटी में हुआइसके तत्पश्चात विशाल कन्या भोजन व भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

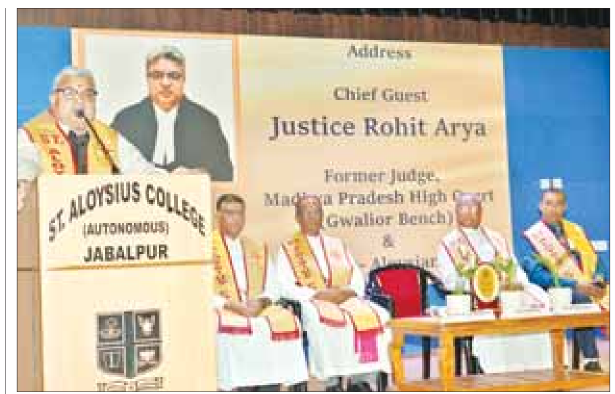

संघर्षो को पार कर देश में बनाएं अपनी एक अलग पहचान

संत अलॉयसियस महाविद्यालय में पदक वितरण समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संत अलॉयसियस महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर में सत्र 2024-2025 हेतु पदक वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 18 अप्रैल को महाविद्यालय के प्रेरणा प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत एवं अतिथियों के पुष्पगुच्छ स्वागत द्वारा किया गया, तत्पश्चात् महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फाजे बेन एंटोन रोज के द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। इस दौरान उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में रोहित आर्या (पूर्व न्यायमूर्ति मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय) उपस्थित रहे। हमेशा याद रखे सफलता सदैव कठिन परिश्रम और सकारात्मक सोच से ही प्राप्त होती है, और आपकी सफलता और सकारात्मक सोच सदैव देश की बिल्डिंग को मजबूत बनाने में सहायक होती है, उपर्युक्त उद्‌गार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा व्यक्त किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वलन अरासु (चैयरमेन, कैथोलिक धर्मप्रांत, जबलपुर) द्वारा की गयी, आपने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा संदेश में कहा कि समाज में आपकी यात्रा के दौरान अनेक बार आप फेल हो सकते है, किन्तु उस असफलता से आप घबराए नही अपितु नई तकनीक एवं कौशलों का विकास स्वयं में करके जीवन के संघर्षों को पार करके देश में एक अपनी अलग पहचान बनाए। विशिष्ट अतिथि के रुप में डॉ. फा. डेविस जॉर्ज (विकार जनरल, कैथोलिक धर्मप्रांत, जबलपुर) की उपस्थिति रही।

उत्कृष्ट विद्यार्थी हुए सम्मानित

समारोह में कुल 31 स्वर्ण पदक व 34 प्रशस्ति प्रमाणपत्र वितरित किए गये। पदक वितरित के अंतर्गत सर्वाधिक चार स्वर्ण पदक बीकाम की छात्रा एंजला खान ने प्राप्त किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उप-प्राचार्य डॉ. कल्लोल दास, डॉ. नीलांजना पाठक (कार्यक्रम प्रभारी), डॉ. सिबी सैम्युल, डॉ. रुपाली अहलूवालिया, डॉ. निशा पांडेय, डॉ. रीता चौहान, डॉ. प्रियंका सिन्हा की विशेष भूमिका रही। मंच संचालन सुश्री अन्नया पाठक एवं प्रद्यूमन सेन द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रिंकी तोमर द्वारा किया गया।

जनगणना से पहले दिया गया प्रशिक्षण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जनगणना 2027 प्रथम चरण के लिए जनगणना कार्य निदेशालय मध्य प्रदेश के दिशा निर्देशों अनुसार प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण नगरीय क्षेत्र सिहोरा नगर पालिका द्वारा चार्ज अधिकारी जनगणना जयश्री चौहान के मार्गदर्शन में फील्ड ट्रेनर संदीप कुमार तिवारी एवं अखिलेश माझी द्वारा प्रथम दिवस सामुदायिक भवन वार्ड क्रंमांक 11 सिहोरा में सरस्वती पूजन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त प्रगणक एवं सुपरवाइजर उपस्थित हुए चार्ज अधिकारी द्वारा समस्त नागरिकों एवं अधिकारी कर्मचारियों से अपील की गई थी। ऑनलाइन के माध्यम से स्व गणना एवं जनगणना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किए जाने का आग्रह किया गया। प्रशिक्षण की कार्य व्यवस्था में सुशील वर्मा, रवि बर्मन, इम्तियाज़ खान, संतोष तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर्व पर परिणय सूत्र में बंधे 200 जोड़े

शहपुरा में सामूहिक कन्या विवाह समारोह आयोजित

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले के शहपुरा में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह समारोह में इंदौर से वर्चुअली जुड़े। उन्होंने 200 नवविवाहित जोड़ो को वर्चुअली बधाई और आशीर्वाद देते हुए कहा कि मैं भले ही वीसी के माध्यम से आपसे जुड़ा हूंए लेकिन जबलपुर की रौनक को यहां तक अनूभव कर रहा हूं। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने कहा कि सनातन परम्परा में गृहस्थ जीवन को सभी आश्रम में से सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। कहा भी गया है धन्यो गृहस्थाश्रमरू। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि अक्षय तृतीया के दिन किया गया दान और पुण्य कभी क्षय नहीं होताए वह अक्षय हो जाता हैए अनंत हो जाता है। उन्होंने सोलह संस्कारों में विवाह संस्कार को एक श्रेष्ठ संस्कार मानते हुये कहा कि अक्षय तृतीया पर हुए वैवाहित बंधन का यह रिश्ता सदैव अक्षय रहे और अटूट रहे। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने सभी 200 वैवाहिक जोड़ो की सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि सुख और दुख में आप एक दूसरे का हाथ थामे रखें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अन्नदान, विद्यादान और कन्या दान से बड़ा ना कोई दान है और ना कोई पुण्य है। उन्होंने कहा ईश्वर की कृपा से राज्य सरकार इस पुण्य कार्य को संपूर्णता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉण् यादव कहा कि सामूहिक विवाह समाज में परिर्वतन का माध्यम बन रहे है। बरगी विधानसभा के शहपुरा में विधायक नीरज सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेए जिनमें 198 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति रिवाज से तथा 2 कन्याओं का निकाह संपन्न् कराया गया।

इस भव्य सामूहिक विवाह महोत्सव का दृश्य न केवल हर्ष का विषय बना बल्कि समाज में सामानता और एकता का संदेश भी दिया। साथ ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त माध्यम भी है। विवाह कार्यक्रम के दौरान नव विवाहितों को 49 हजार रूपये का प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किया गया।

अक्षय तृतीया पर नवीन परीक्षा भवन का भूमि पूजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि में नई शैक्षणिक सुविधा का शुभारंभ

जबलपुर । नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में रविवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर एक नई शैक्षणिक सुविधा का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय प्रांगण में परीक्षाओं और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए एक नवीन हॉल के निर्माण हेतु विधिवत भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा रहे। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आधारशिला रखी। इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि यह नया भवन विश्वविद्यालय की बुनियादी संरचना को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 250 की क्षमता वाले इस हॉल के निर्माण से परीक्षा संचालन और अन्य शैक्षणिक कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बढ़ेगी।

वित्तीय सहायता और क्षमता

इस परियोजना को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। भवन का निर्माण पूर्ण होने के बाद विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यप्रणाली में और अधिक दक्षता आने की उम्मीद है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसएस तोमर, संपदा अधिकारी डॉ. एसके कारमोरे, डॉ. जीपी लखानी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे आदि मौजूद रहीं।

आधी रात सड़कों पर उतरी पुलिस

रात भर चली छापेमारी में 250 वारंट तामील, बदमाशों में मचा हड़कंप

जबलपुर। शहर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में एक बड़ा अभियान चलाया गया। शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात जिले भर में च्कॉम्बिंग गस्तज् कर पुलिस ने सालों से फरार चल रहे अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। एसपी के निर्देश पर रात 9 बजे से तड़के 2 बजे तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई का जमीनी मार्गदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता, एएसपी अपराध जितेन्द्र सिंह, एएसपी जोन-2 सुश्री पल्लवी शुक्ला और एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा सहित सभी नगर पुलिस अधीक्षकों ने किया।

250 वारंटियों पर गिरी गाज

पुलिस टीमों ने पूरी मुस्तैदी के साथ दबिश देते हुए कुल 250 वारंट तामील किए। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सफलता उन 136 स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी रही, जो कई वर्षों से पुलिस की पकड़ से बाहर थे।

थाना प्रभारियों ने खुद संभाली कमान

अभियान को सफल बनाने के लिए शहर और देहात के थानों में विशेष टीमें गठित की गई थीं। अधिकांश टीमों का नेतृत्व स्वयं थाना प्रभारियों ने किया, जबकि अन्य टीमों की कमान उप-निरीक्षक और सहायक उप-निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के हाथों में रही।

विशाल रक्तदान शिविर के आयोजन में दिखा जनमानस का उत्साह

संत निरंकारी मण्डल में हुआ 26वां एतिहासिक रक्त दान शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज एवं निरंकारी राजपिताजी के निर्देशन में संत निरंकारी मण्डल की शाखा गोलबाज़ार सत्संग भवन मे चेरिटेबल फ़ाउंडेशन के सौज्जन्य से विशालतम रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविरि में सैकड़ों रक्तदाताओं ने युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंहजी महाराज के ब्रह्म वाक्य रक्त नाड़ियों में बहे, ना की नालियों में पर समर्पित होकर रक्तदान किया। संत निरंकारी भवन में प्रात: 10.30 बजे, डॉ पुष्पराज पटेल (हृदय रोग विशेषज्ञ) के द्वारा शिविर का उदघाटन किया गया। जिनका स्वागत नवनीत नागपाल द्वारा निरंकारी परंपरा अनुसार दुपट्टा पहना कर किया गया व सेवादल की भाई बहिनो ने मार्च गीत न हिन्दू, न सिख, न ईसाई, न हम मुसलमान है, मानवता है धर्म हमारा, हम तो केवल इंसान है एक सुर में गाकर प्रार्थना की। डॉ पुष्पराज ने रक्तदाता भाई बहिनो द्वारा पंजीयन कराते हुए व रक्तदान देते हुए अनेक युवा भाई बहिनो का उत्साहवर्धन करते हुए मिशन की गतिविधियों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने भी अपनी गरिमामई उपस्थिति दी।

207 यूनिट स्कोर हुआ रक्त

रक्त संग्रहण नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज, रानी दुर्गावती (एल्गिन) अस्पताल एवं सेठ गोविंददास (विक्टोरिया) अस्पताल की विशेषज्ञ डाक्टर्स द्वारा रक्तदाताओं के उचित निरीक्षण के उपरांत ही रक्त संग्रहण किया गया। इस शिविर में रक्तदाताओं के उत्साह से 207 यूनिट स्कोर हो गया। मेडिकल 59 यूनिट, रानी दुर्गावती (एल्गिन) 48 यूनिट, सेठ गोविंददास (विक्टोरिया) 54 यूनिट, जबलपुर ब्लड बैंक 46 यूनिट = कुल 207 यूनिट संग्रहीत हुआ जो की पिछले वर्ष से अधिक रहा।

सम्पूर्ण निरंकारी जगत बाबा गुरूवचन सिंह की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में मानव एकता दिवस के रूप में मनाता है, यह दिन केवल पुण्य स्मरण का ही अवसर नहीं अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का आत्मिक संगम है।मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, जो कि निस्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती है।

सड़क ठेकेदार जंगल के किनारे से खुदाई कर निकाल रहा मिट्टी

जामरापानी से आंजनबिहरी सड़क का मामला

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

तिरोड़ी तहसील के ग्राम पंचायत चाकाहेटी से लगे ग्राम जामरापानी-जामुनटोला, रामजीटोला से आंजनबिहरी तक साढ़े आठ किलोमीटर तक पक्की (डामरीकरण) सड़क 6.74 करोड़ की लागत से बन रही है। जिसका भूमिपूजन 21 मार्च को कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सड़क ठेकेदार मुरम, मिट्टी खदान की स्वीकृति न लेकर जंगल किनारे सड़क में जेसीबी मशीन से खोदाई कर रहा है, जिससे जंगल में अनेक जगह गड्ढे हो गए है। ऐसे में पेड़ पौधे भी नष्ट होने लगे है। दरअसल, यहां पर वर्षों से सड़क नहीं बनने की वजह से चाकाहेटी, जामरापानी, आंजनबिहरी, रामजीटोला के अलावा अन्य गांवों के लोगों को वर्षा के दिनों में आवाजाही करने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बालाघाट के देखदेख में ठेकेदार राजेश खजरे को दिया गया है।जनहित में सड़क की जानकारी के लिए कही भी सूचना पटल (बोर्ड) नहीं लगाया गया है। जिससे सड़क निर्माण की जानकारी सार्वजनिक नहीं हो पाती है। इतना ही नहीं कार्य एजेंसी का नाम, लागत, कार्य प्रारंभ दिनांक, कार्य समापन अवधि समेत अन्य जानकारी लोगों को पता नहीं है यानी ठेकेदार अपनी मनमर्जी से काम करने में लगा है। अभी के हाल में सड़क निर्माण में मिट्टी का प्रयोग किया गया है। सड़क में जंगल, राजस्व भूमि से जहां वहां से खोदकर मिट्टी निकाली गई है। ठेकेदार ने मुरम, मिट्टी की खदान संबंधित विभाग से स्वीकृत नहीं करवाया है। सड़?क निर्माण में दानेदार मुरम का उपयोग होना चाहिए, लेकिन ठेकेदार ने अधिकारियों से मिलीभगत कर सड़क निर्माण में मिट्टी का उपयोग कर रहा है और इस कार्य के लिए खदान आवंटित न कराकर, अपनी मनमर्जी से भारी मशीनों से कही पर भी खोदाई कर कार्य की गुणवत्ता को प्रभावित किया जा रहा है। सड़क निर्माण कार्य का अभी तक जिम्मेदार अधिकारी ने निरीक्षण तक नहीं किया गया। यदि ऐसा ही चलता रहा तो सड़क किस दर्जे की बनेगी, बड़ा सवाल उभरकर सामने आ रहा है।

खोदाई को रूकवाने का किया प्रयास

ग्राम पंचायत चाकाहेटी के उपसरपंच नरेंद्र कठौते ने बताया कि आजादी के बाद से आज तक इस ग्रामीण सड़क का निर्माण नहीं किया गया है। अब जब कार्य प्रारंभ किया गया, तो भारी मशीन से जहां वहां जंगल, राजस्व की भूमि खोदकर बड़े-बड़े गड्ढे कर रहे है। जिसे रोकने के लिए मैं स्वयं गया, लेकिन खोदाई नहीं रोकी गई। इस पर उचित कार्रवाई होना चाहिए। ग्रामीण देवकरण मरकवाड़े, अजय वाघधरे बताते है कि सड़क निर्माण का कार्य निम्न स्तरीय किया जा रहा है। वर्षों बाद सड़क बन रही है, जिसमें ठेकेदार, अधिकारी ग्रामीण सड़क का निर्माण ठीक से नहीं करवा रहे है।

इनका कहना

आपके द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है कि सड़क निर्माण में भारी मशीन के द्वारा जंगल तथा राजस्व भूमि में जहां तहां खोदाई कर सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके लिए मैं कार्य एजेंसी (ठेकेदार) को मना कर रहा हूं। सड़क निर्माण में स्थानीय लोग भी काम कर रहे है।

गौरव सिंह पारधी, विधायक, कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र

सड़क निर्माण से संबंधित सूचना पटल नहीं लगाया गया है। कार्य एजेंसी ठेकेदार से कहकर दो से तीन दिन में लगवा दूंगा। सड़क निर्माण नियमानुसार किया जा रहा है।

कमलेश राणा, सब इंजीनियर पीडब्ल्यूडी बालाघाट

सीएमसीएलडीपी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री की दी गई जानकारी

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (ष्टरूष्टरुक्क) के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लांजी में आयोजित साप्ताहिक कक्षा में बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों को भवन निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पहचानने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस अवसर पर ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के पुल इंजीनियर श्री नरेश सिंह ने विद्यार्थियों को सीमेंट, रेत, गिट्टी और लोहे (सरिया) की गुणवत्ता की पहचान करने के सरल एवं व्यवहारिक तरीके बताए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में निम्न गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग के कारण भवनों की आयु कम हो रही है, जबकि पूर्वजों द्वारा बनाए गए मकान आज भी मजबूत खड़े हैं।

श्री सिंह ने बताया कि जैसे दवाइयों की एक्सपायरी डेट होती है, उसी प्रकार सीमेंट की भी समय सीमा होती है। एक्सपायरी के बाद सीमेंट की गुणवत्ता समाप्त हो जाती है, इसलिए खरीदते समय बैग पर अंकित तिथि अवश्य देखनी चाहिए। रेत की जांच के लिए उन्होंने बताया कि यदि रेत में अधिक मिट्टी हो, तो पानी डालकर उसका लड्डू बनाने पर वह बंध जाता है, जिससे उसकी गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके अलावा गिट्टी के उचित आकार और सरिया की माप-तौल के तरीकों की भी जानकारी दी गई।

उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक उपभोक्ता बनने और गांव-गांव में इस तरह की जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रेरित किया, ताकि लोग गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग कर सुरक्षित और टिकाऊ निर्माण कर सकें। कक्षा में विकासखंड समन्वयक श्री संतोष नागपुरे, विजय हटिले, संदीप रामटेककर, अशोक घरते, ज्योति शकरपुडे, निलेश्वर ठाकरे सहित अन्य परामर्शदाता एवं बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युवक ने पत्नी सहित परिवार के कई लोगों को किया लहूलुहान

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कोतवाली थाना अंतर्गत मजमानी कला में एक युवक ने अपनी पत्नी सहित परिवार के कई लोगो को लहूलुहान कर दिया है। घटना की जानकारी पर सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया । बताया जाता है कि घायलों में अधिकांश परिवार की महिलाएं है।इस मामले में स्थानीय राकेश पिता प्रह्लाद बैगा उम्र करीब 38 वर्ष का नाम आरोपी के रूप में प्राथमिक रूप से आ रहा है।जो परिवार के लिए पिछले कई दिनों से आतंक का पर्याय बना हुआ है।

जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता संपन्न खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला इंडियन कराते संघ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेश पाठक रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय, संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य श्री युवराज रांहगडाले, भोपाल अकादमी के संचालक एवं संरक्षक श्री देवेन्द्र चंदेल तथा जिला कराते संघ के अध्यक्ष श्री तपेश असाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में खेल और युवा कल्याण विभाग के कराते सेंटर के लगभग 25 खिलाड़ियों सहित कटंगी, मलाजखंड, किरनापुर और बेहर विकासखंडों से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान सब-जूनियर एवं कैडेट वर्ग में मुलना स्टेडियम कराते सेंटर के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका जिला कराते प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन के साथ श्री दिनेश कोरै, श्री रूपेन्द्र बनकर, सुश्री रूपल गौतम, खुशी मुनेश्वर, परेश कुथै, तनु वामनकर और जयश्री सोनवाने ने निभाई। शिवाय वासनिक, सीरत भगत, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, आराध्य तिवारी, वंश लिल्हारे, अविका बघेल, त्विषा सोमनकर, आराध्या भागडकर, श्रुतकीर्ति छारी, सईद आहिल अली, केनिशा खजरे, कृति पटले, सांझ मोतीचूर, प्रियांश तिलासे, आदविक बोपचे, आदित्य राणा, करन चौधरी, मेघ बिसेन, विहान ऐलकर, समीर मोतीचूर, आरव साठे, आदर्श गुप्ता, तेजस्वी शर्मा और इसराख शेख सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी श्री राहुल बरेसा, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष श्री नरेश धुवारे, आकाशवाणी बालाघाट के श्री धीरज, खेल प्रवक्ता श्री अजय ठाकुर, वरिष्ठ पीटीआई श्री कमल तिलासे सहित खेल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रतियोगिता को आत्मरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बताया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पांच गायों की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के पाली थाना घुनघुटी नेशनल हाईवे सड़क हादसे में गायों की मौत का सिलसिला जारी है पिछले दो दिनों में घुनघुटी नेशनल हाईवे बस स्टैंड के पास पांच गायों की मौत हो चुकी है, जबकि दो घायल हुए है वहीं जिला प्रशासन द्वारा आदेश का पालन नहीं की जाने से सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या अब बढ़ती जा रही है। रविवार सुबह घुनघुटी चौकी क्षेत्र के बस स्टैंड के पास रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर पांच गायों की मौत मौके पर ही हो गई। ग्रामीणों ने शव को सड़क किनारे रख दिया था जहां उसे कुत्ते नोच रहे थे। बताया जाता है कि पूर्व में भी आठ गौवंश की मौत हो चुकी है। इससे पहले गुरुवार को घुनघुटी क्षेत्र एन एच 43 चंदनिया के पास भी एक अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठे 8 से 9 गायों को रौंद दिया था इसी हादसे में 6 गायों की मौत हो गई थी। तीन अन्य घायल गाय की सूचना मिलते ही शहडोल गौ सेवक मौके पर पहुंच घायल गायों को इलाज के लिए गौशाला ले गए है।

ब्रह्माकुमारी बहनो ने नवागत कलेक्टर से मुलाकात कर भेट किया ईश्वरीय स्मृति चिन्ह

उमरिया (स्वतंत्रमत)। गत दिवस जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 6 शिवाजी वार्ड जिला न्यायालय के पीछे,शान्ति मार्ग स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजयोग मेडिटेशन केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी व झाँसी से अल्प प्रवास पर उमरिया पधारी बी,के, रीतू बहन ने जिले के मुखिया कलेक्टर बहन श्रीमती राखी सहाय से मुलाकात कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए उनके उमरिया आगमन पर हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई देते हुए उन्हें राजस्थान प्रदेश स्थित ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू दर्शन के लिये आमंत्रित कर ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख मीठा कराया।

परशुराम प्रकटोत्सव पर्व पर चिल्हारी में निकली शोभायात्रा

भगवान परशुराम सत्य सनातन धर्म के ध्वजवाहक और समाज कल्याण के रहे पुरोधा - दिलीप पांडे

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भगवान परशुराम का व्यक्तित्व और कृतित्व आधुनिक समाज के लिए अंगीकार करने का एक सशक्त माध्यम है। भाजपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने रविवार 19 अप्रैल को चिल्हारी में आयोजित ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महान तपस्वी, पराक्रमी योद्धा और धर्म के रक्षक, भगवान परशुराम जी के पावन प्रकटोत्सव के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आदर्शों को अपनाने और समाज को नई दिशा देने का दिन है। श्री दिलीप पांडे ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव ज्ञान, संस्कार और धर्म का वाहक रहा है। परशुराम जी स्वयं ब्राह्मण होते हुए भी एक महान योद्धा थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि ब्राह्मण केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज का मार्गदर्शक, रक्षक और सुधारक है। आज के समय में हमें परशुराम जी के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है। सत्य के मार्ग पर चलना, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, और समाज में शिक्षा एवं संस्कार का प्रसार करना। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ें, उन्हें संस्कारवान बनाएं और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएं। श्री पांडे ने कहा कि परशुराम जी का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति और ज्ञान का सही उपयोग ही सच्चा धर्म है। इस पावन अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे और समाज को एक नई दिशा देंगे। इस भव्य कार्यक्रम में चिल्हारी हनुमान जी के मंदिर में भव्य पूजन कर नगर के विविध मार्गों में शोभायात्रा निकाली गई साथ ही विप्र समाज ने उद्बोधन देकर भगवान परशुराम के व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज को अवगत कराया।

कलेक्टर ने किया इंटेकवेल एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उमरार डेम स्थित इंटेकवेल, खलेसर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा घंघरी में प्रस्तावित 2 लाख लीटर क्षमता के ओवरहेड टैंक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिलेवासियों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने इंटेकवेल से प्राप्त कच्चे पानी के समुचित उपचार के बाद ही सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने पी.एच.ई. विभाग को पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने, क्लोरीनेशन की व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही जल वितरण करने को कहा।साथ ही पाइपलाइन लीकेज की जांच कर शीघ्र मरम्मत करने तथा जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जल आपूर्ति की मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि जल वितरण प्रणाली में पारदर्शिता रखी जाए और शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक के कार्य में गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेनगुप्ता,मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह,उपयंत्री देव कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया का 21 अप्रैल को उमरिया आगमन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व नेता प्रतिपक्ष मप्र विधानसभा अजय सिंह राहुल भैया जी का दिनांक 21 अप्रैल को उमरिया आगमन हो रहा है जहां की प्रमुख कांग्रेस जनों के साथ मुलाकात ,जन संवाद कर संवाद करेंगे। जिला संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह एडवोकेट ने बताया है कि मध्य प्रदेश के सर्वमान्य लोकप्रिय नेता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष मध्य प्रदेश विधानसभा श्री अजय सिंह राहुल भैया जी का 21 अप्रैल 2026 को उमरिया 10 बजे आगमन हो रहा है जहां पर कि वे उमरिया जिले के कांग्रेस जनों से भेट मुलाकात के जन संवाद करेंगे एवं उनका हाल-चाल जानेंगे। श्री अजय सिंह राहुल भैया जी का उमरिया आगमन कांग्रेस को मजबूत करने के उद्देश्य से उनका दौरा का महत्वपूर्ण महत्व है। कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल भी उनके साथ उपस्थित रहेंगे। पुष्पराज सिंह एडवोकेट ने समस्त कांग्रेस जनों एवं उनके चाहने वाले से अनुरोध से आग्रह किया है कि प्रदेश के सर्वमान्य नेता सम्माननीय अजय सिंह राहुल भैया जी का उमरिया जिले के आगमन पर उनका स्वागत करें एवं आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाएं।

बांधवगढ़ में घायल बाघ शावक को रेस्क्यू कर इलाज हेतु भेजा गया मुकुंदपुर

उमरिया (स्वतंत्रमत)

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों के आपसी संघर्ष में एक शावक के गंभीर रूप से घायल होने का समाचार प्रकाश मे आया है।घटना रविवार को ताला परिक्षेत्र के भद्राशिला स्थित कोलुआबाह क्षेत्र कि बताई जा रही है। बताया जाता है कि दो बाघों के बीच जोरदार लड़ाई की आवाज सुनाई दी थी।संघर्ष की आवाज सुनकर पार्क कर्मचारी सतर्क हो गए और उन्होंने तत्काल अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद, टाइगर रिजर्व प्रबंधन की टीम ने दो हाथियों की मदद से इलाके में तलाशी अभियान चलाया। काफी खोजबीन के बाद, जंगल में एक शावक गंभीर रूप से घायल अवस्था में बैठा मिला, जिसकी हालत चिंताजनक थी। शावक के पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में गहरी चोटें थीं। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए, टीम ने तुरंत उसे रेस्क्यू किया और उपचार के लिए मुकुंदपुर जू (व्हाइट टाइगर सफारी) भेज दिया। फिलहाल, विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अनुसार, यह मामला प्रारंभिक तौर पर बाघों के आपसी संघर्ष का परिणाम प्रतीत होता है। शावक की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घायल शावक लगभग 6 माह का नर बताया गया है।

अवैध शराब के खिलाफ दबिश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी मंडला के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। कार्यवाही के तहत नर्मदा किनारे स्थित वृत क्षेत्र मंडला में दबिश दी गई। इस दौरान मछली मार्केट, बस स्टैंड क्षेत्र तथा श्याम भोजनालय में अवैध रूप से मदिरा का विक्रय करने वाले स्थलों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान देसी एवं विदेशी मदिरा सहित बियर गोवा, बडवाइजर आदि ब्रांड बरामद कर कुल 15.34 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग ने अवैध शराब का विक्रय करने वाले आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं।

122 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुसूचित जाति विकास योजना के अंतर्गत कमजोर आर्थिक स्थिति वाले अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित ज्ञानोदय विद्यालय जबलपुर संभाग के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। जिले में परीक्षा के लिए कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर को केंद्र बनाया गया था। इस परीक्षा में कुल 169 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था जिनमें से 122 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

बैंक सुरक्षा पुलिस की जांच

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्राप्त निर्देशों के पालन में जिला पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले के समस्त अनुभागों में संचालित सरकारी एवं निजी बैंक गोल्ड लोन बैंक तथा संस्थाओं की सघन चेकिंग एवं निरीक्षण कार्यवाही की गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा द्वारा मुख्य शाखा का विशेष निरीक्षण किया गया।

गेहूं केंद्रों का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी सोनल सिडाम द्वारा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी के साथ अनुविभाग मंडला अंतर्गत संचालित गेहूं उपार्जन केंद्रों बकोरी एवं सेमरखापा का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उपार्जन कार्य की प्रगति व्यवस्थाओं तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने केंद्रों पर तौल गुणवत्ता परीक्षण एवं भंडारण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

पोषण रैली का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जंक फूड एवं पैकड फूड के प्रति जागरूकता तथा पोषण रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेषकर बच्चों एवं महिलाओं को अस्वस्थ कर खाद्य पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना एवं संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व को समझाना रहा।

अफवाहों से दूर रहने की अपील

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर आमजन में किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर द्वारा पेट्रोल-डीजल संचालकों के साथ आयोजित बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिले में ईंधन की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है बैठक के दौरान कलेक्टर को संचालकों द्वारा बताया गया कि कुछ स्थानों पर पेट्रोल डीज़ल लेकर आने वाले वाहनों के पहुंचने में हल्की देरी हुई है लेकिन इसका असर उपलब्धता पर नहीं पड़ेगा।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 20 अप्रैल को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों का अनुविभागीय दंडाधिकारी एसडीएम नैनपुर आशुतोष महादेव सिंह ठाकुर ने स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री ठाकुर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का विस्तृत अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निजी स्कूलों का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा जिले में संचालित विभिन्न निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वरकड़े ने महर्षि विद्या मंदिर, ब्रेन चाइल्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल सेमरखापा और मोंटफोर्ट स्कूल में प्राचार्यों की उपस्थिति में विद्यार्थियों की पाठ्य पुस्तकों, गणवेश यूनिफॉर्म एवं अन्य शिक्षण सामग्री की गहनता से जांच की। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से पाठ्य पुस्तकों की सूची प्राप्त कर उनकी बाजार कीमतों का मिलान किया। निरीक्षण के दौरान ब्रेन चाइल्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल, सेमरखापा में कक्षा 1 से 8 तक निजी प्रकाशकों की अत्यधिक उच्च मूल्य की पुस्तकों से अध्यापन कराया जाना पाया गया जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुरूप अनिवार्य रूप से एनसीईआरटी की पुस्तकों से ही अध्यापन कार्य सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह पंजीयन में भारी लापरवाही के आरोप

गिने चुने लोगों तक योजना लाभ सीमित, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के पंजीयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज हो गई है कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने के बजाय केवल गिने चुने लोगों तक सीमित किया जा रहा है जिससे बड़ी संख्या में वास्तविक लाभार्थी वंचित हो रहे हैं बीते दिनों जनपद पंचायत बिछिया की ग्राम पंचायत ककैया के सरपंच का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था जिसमें हितग्राही के परिवार से पैसे मांगे जाने का उल्लेख था तो वहीं दूसरी तरफ जनपद पंचायत मवई की अनेक पंचायतो के हितग्राहियों के नाम न जोड़े जाने की शिकायत भी सामने आ चुकी है। इस क्षेत्र की जयमती झुमका ग्राम पंचायत मझगांव, ईश्वरी झुमका ग्राम पंचायत मझगांव, पूजा धनेश्वर ग्राम पंचायत मझगांव, सालनी मुन्ना ग्राम पंचायत नरहरगंज, राजेश्वरी माखन ग्राम पंचायत नरहरगंज, ऋतु नन्हे ग्राम पंचायत नरहरगंज, सोलवती बिरसिंह ग्राम पंचायत नरहरगंज, कविता धनीराम ग्राम पंचायत पखवार, मनिता महावीर ग्राम पंचायत सोढा, वंदना सुरेश ग्राम पंचायत सोढा, द्रोपति शिवकुमार ग्राम पंचायत नेवसा, मीरा विश्राम ग्राम पंचायत नेवसा, अनीता कमल सिंह ग्राम पंचायत नेवसा ने आरोप लगाए हैं कि उनका विवाह योजना में पंजीयन नही किया जा रहा है। लक्ष्य पूर्ण की बात कर उनका पंजीयन नही किया गया है। इस संबंध में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना जैसी महत्वपूर्ण योजना पर लक्ष्य पूर्ण होने की बात कहीं जाना कहीं से उचित नही है सूत्रों के अनुसार पूरे जिले मे सैकड़ो विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और अपने-अपने स्तर से चेहेतों के पंजीयन भी कर लिए गए हैं। मूल जरूरतमंद हितग्राही पंजीयन को लेकर परेशान हैं। सूत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रही शिकायतों के अनुसार पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव साफ तौर पर देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जहां एक ओर बड़ी संख्या में गरीब परिवार योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन करते हैं वहीं दूसरी ओर केवल कुछ चुनिंदा लोगों के आवेदन ही स्वीकार किए जा रहे हैं। इस स्थिति ने योजना के क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के पंजीयन में स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा मनमानी की जा रही है। कई पात्र परिवारों के दस्तावेज होने के बावजूद उनका पंजीयन नहीं किया जा रहा है, जबकि कुछ ऐसे लोगों के नाम सूची में शामिल किए जा रहे हैं जो कथित रूप से अपात्र हैं या फिर जिनकी पहुंच और सिफारिश मजबूत है। इस पूरे मामले ने ग्रामीण इलाकों में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि योजना का उद्देश्य गरीब बेटियों की शादी में आर्थिक सहारा देना है लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत दिखाई दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस लापरवाही को लेकर गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि जब योजना की घोषणा की जाती है तो बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन जब लाभ देने की बारी आती है तो पूरी व्यवस्था लचर दिखाई देती है। कई ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि आवेदन प्रक्रिया में जानबूझकर देरी की जाती है दस्तावेजों में छोटी-छोटी खामियां निकालकर उन्हें वापस कर दिया जाता है और कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के आवेदन खारिज कर दिए जाते हैं। इससे गरीब और अशिक्षित परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि पंजीयन प्रक्रिया में दलालों और सिफारिशों की भूमिका बढ़ती जा रही है। इस पूरे मामले में प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पंजीयन प्रक्रिया की नियमित निगरानी की जाए तो इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकती है लेकिन जमीनी स्तर पर निगरानी का अभाव साफ नजर आता है। कई जगहों पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती जिससे जिम्मेदार कर्मचारियों के हौसले और बढ़ जाते हैं। सबसे अधिक नुकसान उन गरीब परिवारों को हो रहा है जिनके लिए यह योजना वास्तव में जीवन में सहारा बन सकती थी। कई परिवारों का कहना है कि उन्होंने समय पर आवेदन किया, सभी दस्तावेज भी जमा किए लेकिन फिर भी उनका नाम सूची में शामिल नहीं किया गया। ऐसे परिवारों को मजबूरी में निजी स्तर पर कर्ज लेकर या अन्य साधनों से बेटियों की शादी करनी पड़ रही है जो आर्थिक रूप से बेहद कठिन स्थिति पैदा कर रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग को सहायता देना है लेकिन मंडला जिले में सामने आ रही स्थिति इस योजना की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। यदि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होगी तो ऐसी योजनाओं का वास्तविक लाभ उन लोगों तक कभी नहीं पहुंच पाएगा जिनके लिए यह बनाई गई हैं। इस पूरे मामले में एक और गंभीर बात यह सामने आ रही है कि शिकायतों और आरोपों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

नैनपुर सिविल अस्पताल की भोजन व्यवस्था संकट में

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के नैनपुर स्थित सिविल अस्पताल में मरीजों की भोजन व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रही है। अस्पताल में भोजन आपूर्ति का जिम्मा संभाल रही महिला स्व-सहायता समूह को पिछले लगभग 16 महीनों से भुगतान नहीं मिला है। इस दौरान करीब 8 लाख रुपये की राशि बकाया हो चुकी है जिससे समूह की आर्थिक स्थिति पूरी तरह डगमगा गई है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि समूह से जुड़ी महिलाओं को भोजन व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने जेवर तक गिरवी रखने पड़े हैं। इसके बावजूद वे लगातार मरीजों और पोषण पुनर्वास केंद्र के हितग्राहियों को नियमित भोजन उपलब्ध करा रही हैं जिससे उनकी प्रतिबद्धता तो झलकती है लेकिन प्रशासनिक उदासीनता भी उजागर होती है। लगातार बढ़ती महंगाई और खाद्यान्न की कीमतों में इजाफे के चलते समूह के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। बाजार में उधारी बंद हो चुकी है और आवश्यक सामग्री जुटाना मुश्किल होता जा रहा है। यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो किसी भी समय भोजन आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ठप हो सकती है जिसका सीधा असर अस्पताल में भर्ती मरीजों पर पड़ेगा। समूह का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से बार-बार आश्वासन दिया गया है कि सीमित बजट मिलने पर भुगतान किया जाएगा। लेकिन मौजूदा वित्तीय हालात को देखते हुए इस वर्ष भी पूरा भुगतान मिल पाना मुश्किल नजर आ रहा है। इससे यह आशंका भी बढ़ गई है कि भविष्य में चयनित नए समूहों को भी इसी तरह की देरी का सामना करना पड़ सकता है। इस पूरे मामले में निविदा प्रक्रिया को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप हैं कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा शर्तों में बदलाव कर नए और अनुभवहीन समूहों को शामिल किया जा रहा है। टर्नओवर जैसी अहम शर्त को हटाने और प्रतिभागियों का दायरा बढ़ाने से प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। सूत्रों के अनुसार चयन के लिए लॉटरी सिस्टम अपनाने की तैयारी की जा रही है जिसमें समूहों की आर्थिक स्थिति या कार्य अनुभव की पर्याप्त जांच नहीं होगी। इससे न केवल गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा है बल्कि भविष्य में भुगतान संबंधी समस्याएं और बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब वर्तमान समूह को ही समय पर भुगतान नहीं मिल पाया तो नए समूहों के साथ भी यही स्थिति दोहराई जा सकती है। यदि भुगतान में देरी होती रही तो एक ओर अस्पताल की भोजन व्यवस्था चरमरा सकती है वहीं दूसरी ओर समूहों को ब्लैकलिस्ट किए जाने का खतरा भी पैदा हो सकता है जिससे उनके रोजगार पर गहरा असर पड़ेगा। पूरे घटनाक्रम ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं ताकि मरीजों को मिलने वाली मूलभूत सुविधा बाधित न हो और स्व-सहायता समूहों के हित भी सुरक्षित रह सकें।

मोबाइल बैंकिंग सेवा का हुआ शुभारंभ

मण्डला। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा ग्राहकों के लिए बहुप्रतीक्षित मोबाइल बैंकिंग सुविधा का शुभारंभ प्रधान कार्यालय ंदौर में किया गया। मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र साहू महाप्रबंधक नाबार्ड एवं बोर्ड आफ डॅयरेक्टर मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक तथा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष रमेश चंद्र बेहरा साहब की अध्यक्षता में शुभारंभ हुआ। सभी क्षेत्रीय कार्यालय इस आयोजन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। नई मोबाइल बैंकिंग सुविधा से ग्राहकों को बैंकिंग, बैलेंस चेक, फंड ट्रांसफर, बिल भुगतान, पासबुक डाउनलोड, चेकबुक अनुरोध, भुगतान जैसी आधुनिक सेवाएं अब सीधे मोबाइल पर उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय मंडला के क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश प्रसाद सिंह परस्ते ने कहा कि मोबाइल बैंकिंग सुविधा से ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के ग्राहकों को अत्यधिक सुविधा मिलेगी। यह सेवा बैंकिंग को और अधिक सुलभ एवं आधुनिक बनाएगी। हम सभी ग्राहकों से आग्रह करते हैं कि वे इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाकर समय और संसाधनों की बचत करें। बैंक ने उन ग्राहकों का भी स्वागत किया है जो अब तक मोबाइल बैंकिंग सुविधा के अभाव में अन्य बैंकों की ओर चले गए थे। यह पहल बैंकिंग को सरल, सुरक्षित और डिजिटल बनाते हुए ग्राहकों को सशक्त करेगी।

113 वर्ष की फगिनी बाई से मिले सामाजिकजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। समाज की सबसे वयोवृद्ध माताश्री फगिनी बाई पति श्री भीखमलाल पटेल का हाल-चाल जानने कुर्मी समाज का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा। ग्राम झिगराघाट अंजनिया निवासी शतायु माता जी का लिया आशीर्वाद। पिता सुमेरी पटेल, माता श्रीमती मिल्लो पटेल से जन्मी कुर्मी समाज की वयोवृद्ध माता श्रीमती फगिनी पटेल का स्वास्थ्य और हालचाल जाना। वरिष्ठ निवासी राजाराम पटेल ककैया के नेतृत्व में झिगराघाट की लगभग 113 वर्ष की माता श्रीमती फगिनी पटेल के दर्शन लाभ एवं उनके स्वास्थ्य की जानकारी जानने के लिए झिगराघाट गए। यहां पर कुर्मी समाज विकास संगठन अध्यक्ष सीबी पटेल, राम भजन पटेल ,निर्मल पटेल, एडवोकेट निखिल पटेल सहित ग्राम के विभिन्न स्वजातीय भाई बहनों सहित पारिवारिक जन उपस्थित रहे। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने बताया कि इस उम्र में भी माता श्री हमारे अभिवादनों को भली-भांति समझती हैं और उनका जवाब भी देने का प्रयास करती है । उनके द्वारा राधे-राधे और राम-राम कहकर अतिथियों का स्वागत किया जाता है । उम्र के इस पड़ाव में भी उनके परिवारजनों के द्वारा बताएं अनुसार माताश्री स्वस्थ हैं और अपने भरे पूरे परिवार के बीच एक आधार स्तंभ के रूप में परिवार जनों की चहेती बनी हुई है । परिवार में उनके नाती-पोतों के द्वारा अपनी दादी का बहुत ध्यान रखा जाता है। कुर्मी समाज विकास संगठन के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा माताश्री का शॉल श्रीफल से सम्मान करते हुऐ समाज की उन्नति हेतु उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। वर्तमान समय में आपके परिवार में नाती सुनील पटेल डिप्टी रेंजर मोहगांव प्रोजेक्ट सुभाष पटेल, रंजना पटेल, अंजना पटेल सहित परपोते सुलभ और परपोतियां साक्षी ,शिक्षा , सोनाक्षी अपनी दादी का ख्याल रख रही हैं।

दादा हीरा सिंह का मनाया जन्मदिन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक दादा तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम का जन्मदिवस जिला मुख्यालय मंडला स्थित पार्टी कार्यालय में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत दादा तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और जन्मदिवस को उत्सव के रूप में मनाया। इस आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर कमलेश तेकाम एवं जिला अध्यक्ष डॉ. प्रमोद नरेती विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने अपने संबोधन में दादा मरकाम के संघर्ष नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि दादा तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम ने हमेशा आदिवासी समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष किया है और उनके मार्गदर्शन में पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय मंडला में फल वितरण का आयोजन भी किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जिला अध्यक्ष डॉ. प्रमोद नरेती ने बताया कि पार्टी केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग के साथ खड़ी रहती है।

देशी फ्रिज को गढ़ने वाले कुम्हारों की जिंदगी में अब भी तपिश कायम

एक सदी से अपना व्यापार कर रहे कुम्हारों को आज भी बाजार में बैठने की व्यवस्था नहीं

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

गर्मी का मौसम शुरू होते ही बाजार में मिट्टी के मटकों की मांग बढ़ गई है। प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखने वाले इन मटकों को लोग देसी फ्रिज के रूप में पसंद कर रहे हैं। लेकिन इन्हें बनाने वाले कुम्हार आज भी संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। क्षेत्र के बाजारों में मटकों की बिक्री तेज हो गई है। दुकानदारों का कहना है कि हर साल गर्मी में मटकों की मांग बढ़ती है । लेकिन इस बार स्थानीय स्तर पर पर्याप्त मटके उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इसके चलते उन्हें मंडला, सिवनी, जबलपुर और अन्य शहरों से मटके मंगवाने पड़ रहे हैं। स्थानीय कुम्हारों ने बताया कि प्रशासन या सरकार की ओर से मदद मिले तो वे अपने पारंपरिक व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। मिट्टी के मटके न केवल सस्ते होते हैं बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित माने जाते हैं। इनमें रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। बिजली की बढ़ती लागत के कारण भी लोग अब फिर से पारंपरिक साधनों की ओर रुख कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि कुम्हारों को प्रोत्साहन और सुविधाएं दी जाएं तो यह पारंपरिक कला फिर से जीवित हो सकती है और कई परिवारों को रोजगार मिल सकता है।

कुम्हारों को बैठने स्थान नहीं सड़कों पर लग रही दुकानें- दो वक्त की रोटी कमाने के चलते इन दिनों कुम्हारों को बाजार भी उपलब्ध नही हो पा रहा है। इन्हें आज भी सड़को के किनारे दुकान लगाना पड़ रहा है । बाजार के हालात यह है कि जिस भी दुकान के सामने कुम्हार दुकान लगाता है दुकान दार उन्हें भगा देता है। या फिर 100 से लेकर 200 रूपये दुकान के सामने बैठने रूपये मांगे जाते हैं। अधिक समय से पीढ़ी दर पीढ़ी दुकान लगाकर जीवन यापन करने बाले कुम्हारों को नगरपालिका परिषद नैनपुर बैठकी व्यवस्था नहीं दे पा रही है जो चिन्ता का विषय है । वर्तमान में नगर में कुम्हार परिवारों की संख्या सीमित है। वे अपना पुश्तेनी कार्य बमुश्किल कर आया रहे है।अगर उनकी आने वाली पीढ़ी इस कार्य को करती रहेगी या नही इसनपर संदेह है। मसलन कुम्हारों का यह पारंपरिक कार्य प्रभावित होता नजर आ रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी से अपेक्षा से कि कुम्हारों की दुकानों को एक निर्धारित स्थान दिया जावे ताकी वे अपना व्यापार सुरक्षा और के साथ कर सके।

संपादकीय

होर्मुज पर कंफ्यूजन

मिडिल ईस्ट की महाजंग किस दिशा में जा रही है, तस्वीर अब तक साफ नहीं है। शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे दो भारतीय जहाजों पर फायरिंग ने इस कंफ्यूजन को और बढ़ा दिया है। सवाल यह भी है कि आखिर में ईरान की सत्ता किसके हाथ में है और फैसले कौन ले रहा है? यह भी पूरी तरह साफ नहीं है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुला है या नहीं। यदि खुला है तो क्या ईरान के मित्र देशों के जहाजों को वहां से निकलने की अनुमति है या नहीं? भारतीय जहाजों पर फायरिंग के बाद विदेश मंत्रालय ने ईरान के राजदूत को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। नई दिल्ली ने इस घटना पर अपनी गंभीर चिंता और नाराजगी व्यक्त की। हालांकि, सवाल यह है कि ईरानी फौज ने नागरिक जहाजों पर फायरिंग किन परिस्थितियों में और क्यों की? माना जा रहा है कि इस पूरे मामले में ईरान की आंतरिक राजनीति की बड़ी भूमिका हो सकती है।

पहले तो ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज आईआरजीसी के साथ समन्वय के बाद ही गुजर सकते हैं। वहीं विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि लेबनान और इजरायल के बीच युद्धविराम समझौते के बाद यह मार्ग खुला है। अराघची के बयान के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की हलचल बढ़ने लगी। अब जहाजों पर फायरिंग से ऐसा लगता है कि जमीनी स्तर पर फैसले आईआरजीसी ले रहा है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से आईआरजीसी और ईरान सरकार के बीच मतभेद दिख रहे थे। शनिवार को जहाजों के आवागमन को लेकर जो भ्रम पैदा हुआ, उसने इस दरार को और गहरा कर दिया। ईरानी मीडिया का कहना है कि अराघची के बयान ने कंफ्यूजन पैदा किया। मौजूदा हालात को देखें तो ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद ईरान सरकार और आईआरजीसी अलग-अलग फैसले लेते दिख रहे हैं। राष्ट्रपति पेजेशकियन समेत कुछ नेता अमेरिका के साथ मतभेद आपसी बातचीत और कूटनीति से सुलझाना चाहते हैं, वहीं आईआरजीसी कड़ा रुख अपनाए हुए है। दरअसल, ईरान की व्यवस्था में कई शक्ति केंद्र हैं, जिससे स्पष्ट नेतृत्व नहीं दिखता। होर्मुज पर आईआरजीसी का कंट्रोल है और उसने विदेश मंत्री अराघची के बयान से सहमति नहीं जताई। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से वैश्विक तेल और गैस का करीब 20 फीसदी हिस्सा कारोबार होता है। भारत का भी लगभग 90 फीसदी गैस आयात इसी रास्ते से होता है। आईआरजीसी ने अपने कई फैसलों से बता दिया कि ईरान की असली सत्ता उसके पास है। अप्रैल की शुरुआत में एक मीटिंग के दौरान राष्ट्रपति ने आईआरजीसी पर एकतरफा फैसले लेने का आरोप लगाया। इसके बावजूद सीनियर आईआरजीसी कमांडर अहमद वहीदी और हुसैन तएब ने अपना रुख नहीं बदला। जमीनी स्तर पर भी आईआरजीसी का दबदबा साफ दिखता है। उसने जहाजों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए। कुछ पर हमले किए और समुद्री बारूदी सुरंगें भी बिछाई। इस बीच विदेश मंत्री अराघची नरम रुख अपनाने की कोशिश करते रहे, लेकिन सरकार और आईआरजीसी के बीच दूरी बढ़ती गई। युद्ध के दौरान शीर्ष नेताओं की मौत के बाद सत्ता का खालीपन बना, जिसका फायदा उठाकर आईआरजीसी ने ईरान में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। भारतीय जहाजों पर ताजा फायरिंग की घटना से साफ है कि फिलहाल होर्मुज पूरी तरह सुरक्षित या खुला नहीं है। यह सिर्फ तेल-गैस का रास्ता नहीं, बल्कि यह तय करने का मैदान बन गया है कि ईरान में असली सत्ता किसके पास है।

अक्षय तृतीया :लोक से लोकोत्तर की दिव्य यात्रा

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है। अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर ले जाती है। 'अक्षय' अर्थात् जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' कहा गया है-अर्थात् ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को 'सर्वसिद्धिदायक' मान्यता प्रदान की है। लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम-संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों-विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की। कथा के अनुसार, जब भगवान ऋषभदेव ने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण किया, तब एक वर्ष से अधिक समय तक उन्हें उचित आहार नहीं मिला। यह केवल भौतिक अभाव नहीं था, बल्कि उस युग की सामाजिक अपरिपक्वता का द्योतक था, जहाँ लोग 'अहिंसक आहार' और 'संयमित जीवन' की अवधारणा से अनभिज्ञ थे। अंततः हस्तिनापुर में राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित कर उनकी तपस्या का पारणा कराया। उस क्षण 'अहोदानम्, अहोदानम्' की ध्वनि गूंजी, यह केवल एक आह्लाद नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना का उद्घोष था, जिसने दान, संयम और साधना को एक नई दिशा दी। यही कारण है कि अक्षय तृतीया जैन साधकों के लिए 'वर्षीतप' जैसे महान तप-अनुष्ठानों का पूर्णाहुति दिवस है। एक वर्ष तक एकान्तर उपवास करने वाले साधक इस दिन पारणा करते हैं। यह तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की प्रक्रिया है। यह हमें सिखाता है कि भोग से नहीं, त्याग से जीवन अक्षय बनता है। अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह हमें बताता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल संसाधनों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। भारतीय संस्कृति में 'आत्मा' को सर्वोपरि सत्य माना गया है, और उसकी खोज को जीवन की सर्वोच्च साधना। यह पर्व उसी खोज का निमंत्रण है, एक ऐसा निमंत्रण, जो हमें बाह्य जगत से भीतर की यात्रा पर ले जाता है। ऋषभदेव का जीवन इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है। 'ऋषभ' शब्द का एक अर्थ बैल भी है-जो श्रम, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक है और दूसरा अर्थ है तीर्थंकर-जो आत्मोद्धार और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। इस प्रकार उनका जीवन भौतिक और आध्यात्मिक-दोनों आयामों का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने समाज को कृषि, शिल्प, व्यापार जैसी जीवनोपयोगी विधाएं दीं, और साथ ही आत्मा की मुक्ति का मार्ग भी दिखाया। यही समग्रता अक्षय तृतीया के दर्शन में भी झलकती है। आज के संदर्भ में यह पर्व और भी प्रासंगिक हो उठता है। जब मानव जीवन भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में उलझा हुआ है, तब अक्षय तृतीया हमें संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह हमें याद दिलाती है कि केवल भौतिक समृद्धि से जीवन पूर्ण नहीं होता। यदि भीतर शांति नहीं, तो बाहरी वैभव भी निरर्थक है। और यदि भीतर संतोष है, तो सीमित साधनों में भी जीवन अक्षय बन सकता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि साधना केवल मठों और आश्रमों तक सीमित नहीं है। यह जीवन की प्रत्येक क्रिया में संभव है, यदि उसमें सजगता, संयम और समर्पण का भाव हो। एक किसान जब श्रद्धा से बीज बोता है, एक कुम्हार जब मिट्टी को आकार देता है, एक गृहस्थ जब ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करता हैकृतब वह भी एक प्रकार की साधना ही कर रहा होता है। अक्षय तृतीया का सांस्कृतिक महत्व भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्व भारतीय जीवन की उस समन्वयकारी दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें भौतिकता और आध्यात्मिकता विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यहाँ अन्न का भी सम्मान है और आत्मा का भी। यहाँ श्रम का भी महत्व है और ध्यान का भी। यही संतुलन भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। व्यक्तिगत स्तर पर यह दिन आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में झांकें, क्या हमारा जीवन केवल उपभोग में व्यतीत हो रहा है, या उसमें कोई उच्च उद्देश्य भी है? क्या हम केवल संग्रह कर रहे हैं, या कुछ त्याग भी कर पा रहे हैं? क्या हम केवल बाहर की दुनिया को संवार रहे हैं, या भीतर की दुनिया को भी प्रकाशित कर रहे हैं?

बात पते की

कोयल और कौओं की पहचान जरूरी

देव शंकर अवस्थी

सतना में एक स्कूल के हेडमास्टर शराब पीकर स्कूल आने पर सस्पेंड हो गए। कुछ माह बाद बहाल हुए तो स्कूल में ज्वाइनिंग देने फिर शराब पीकर पहुंच गए। अब दोबारा की दारूखोरी में मास्टरजी का क्या हुआ, पता नहीं चला। एक किस्सा और बताएं.. जब हम प्राइमरी में पढ़ते थे। एक मास्टरजी क्लास लगाकर घंटों के लिए गायब हो जाते। साथ के लड़कों ने बताया मासाब फलां कुलिया में जुआ खेलने जाते हैं। जब काफी देर हो जाए तो दो-चार लड़के मासाब को बुलाने जाएं। मासाब जी आएं और दस-बीस पैसा दे दें। उस दौर में इतने पैसों में काफी कुछ आ जाता था। बच्चे खुश। एक बार बुलाने गए तो मास्टरजी ने तीनों को तड़ातड़ तमाचे मारे। बड़े होने पर समझ आया कि मासाब जब जीतते होंगे तो पैसे देते रहे, और हारने पर लपाड़े। एक और मास्टरजी बड़े चैन की सांस लेते हुए सोफे पर धंस गए। मैंने पूछा... मासाब कैसी चल रही नौकरी। वे बोले... एकदम बढ़िया.. घर के पास वाले स्कूल में तबादला करा लिया है, लिहाजा पढ़ाने का झंझट नहीं...लुंगी लगाकर घर से ही एक-दो चक्कर लगा आओ.. महीने के 60 हजार पक्के। मैंने कहा... मासाब ऊपर वाले से डरो। कुछ तो शर्म करो.. भगवान को क्या जवाब दोगे? मासाब के पास..हें..हें करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। कुछ मासाबों के उदाहरण तो जब-तब सामने आ ही जाते हैं, जब किसी अधिकारी के दौरे पर वे सामान्य सा गुणा-भाग नहीं कर पाते। मासाब लोगन की चर्चा इसलिए हो पड़ी कि इस समय प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया। प्रदेशभर के तीन लाख शिक्षकों में से केवल सत्तर हजार को ही परीक्षा देनी होगी। सरकार के इस आदेश से शिक्षक संघों में कोहराम मचना स्वाभाविक है। विशेषकर उन शिक्षकों को बुरा लगेगा ही, जिन्होंने तन-मन से बच्चों को पढ़ाया... और उन्हें भी जो पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हैं। हालांकि ऐसे मास्टर गिने चुने हैं लेकिन करते कुछ हैं पर बदनाम पूरी बिरादरी होती है। क्या देश बल्कि पूरी दुनिया की आज जो विकसित तस्वीर है, वह शिक्षकों की ही देन है। शिक्षक नहीं होते तो पूरी दुनिया असभ्य और जंगली होती। हालांकि सरकार ने भी पात्रता परीक्षा का आयोजन नाहक नहीं किया होगा। क्योंकि ऊपर दिए उदाहरणों की भी कमी नहीं। शिक्षा जैसे पवित्र पेशे में कुछ ऐसे नमूने भी घुस गए हैं, जो अपनी हरकतों से न केवल बच्चों का भविष्य चौपट कर रहे बल्कि पूरे शिक्षा जगत को कलंकित कर रहे। यही कारण हो सकता है कि सरकार को कोयल और कौओं के भेद को उजागर के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा करानी पड़ रही हो।

कुछ हम लोग भी सीख लें

पुणे महानगर विकास प्राधिकरण ने मात्र 95 दिनों में 14 मंजिला इमारत बनाकर रिकॉर्ड बना दिया। प्री कास्ट तकनीक से बनी इमारत की चर्चा देशभर में है। हो भी क्यों न, जब काम अच्छा होगा तो प्रशंसा के पात्र होंगे, अन्यथा खामियों का तो अंबार लगा है। निर्माण कार्यों में लेटलतीफी आम बात है। एक साल के काम में तीन साल लगने को कोई समस्या ही नहीं माना जाता। ऐसा करके लागत बढ़ती है तो चोरी की रकम भी बढ़ जाती है। अब तो जल्द और अच्छे निर्माण का भले ही रिकॉर्ड न बने लेकिन नए निर्माणों के ढहने के रिकॉर्ड अवश्य बन रहे।

... और अंत में - एक बहुत ही सम्मानित व्यक्ति की मौत हो गई। अंतिम यात्रा में चंद लोग पहुंचे। लोग चर्चा करने लगे... बताओ यार... इस व्यक्ति की शवयात्रा में तो सैकड़ों लोग आने थे लेकिन गिने-चुने ही पहुंचे। तभी किनारे खड़े एक सज्जन बोले... अंतिम यात्रा की भीड़ इस बात पर निर्भर करती है कि ये सम्मानित व्यक्ति कितने लोगों के सुख-दुख में शामिल हुए।

भारत का पर्यटनः अपार संभावना, लेकिन बिना जवाबदेही का तंत्र

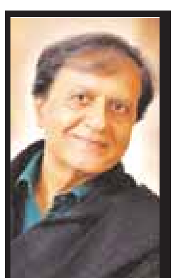

पवन शर्मा

भारत में कमी स्मारकों की नहीं है, कमी प्रबंधन की है। कमी संस्कृति की नहीं है, कमी समन्वय की है। और सबसे बड़ी बात-कमी क्षमता की नहीं, जवाबदेही की है।

हर वर्ष भारत लगभग 60 अरब डॉलर विदेशों में शिक्षा पर खर्च करता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन से मात्र 30 अरब डॉलर की आय होती है। दूसरी ओर, विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से आने वाली धनराशि 130 अरब डॉलर से अधिक है। संदेश स्पष्ट है-भारत आने वालों से कम, जाने वालों से ज्यादा कमाता है। यह केवल आर्थिक अंतर नहीं, बल्कि एक नीतिगत विफलता है।

समस्या जटिल नहीं है, लेकिन गंभीर है। भारत में पर्यटन बिना किसी एकीकृत नियंत्रण के चल रहा है। नीतियाँ केंद्र के पास हैं, क्रियान्वयन राज्यों के पास, और अंतिम अनुभव टैक्सी चालकों, गाइडों, होटलों और स्थानीय व्यापारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। लेकिन इस पूरे तंत्र में जवाबदेही किसी की नहीं है।

एक पर्यटक सरकार नहीं देखता, वह व्यवहार देखता है। एयरपोर्ट पर टैक्सी से लेकर सड़क की सफाई, गाइड की ईमानदारी से लेकर स्थानीय लोगों के व्यवहार तक-हर छोटी बात उसकी स्मृति बन जाती है। दुर्भाग्यवश, भारत में यह अनुभव एकरूप और भरोसेमंद नहीं है।

पर्यटन नारे या अभियानों से नहीं सुधरेगा। यह तभी सुधरेगा जब गलत व्यवहार महंगा पड़े और अच्छा व्यवहार लाभदायक बने।

भारत को तत्काल एक एकीकृत पर्यटन कमांड की आवश्यकता है-ऐसा ढांचा जो स्थानीय प्रशासन, पुलिस, होटल उद्योग, परिवहन और टूर एजेंसियों को एक छत के नीचे लाकर सख्त और लागू होने वाले नियमों में बांध सके। जब तक जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं होगी, परिणाम भी कमजोर ही रहेंगे।

समाधान स्पष्ट और व्यवहारिक हैं

सबसे पहले, चुनिंदा शहरों में टूरिज्म इकोनॉमिक जोन बनाए जाएं। इन क्षेत्रों में सफाई का प्रबंधन पेशेवर एजेंसियों के हाथ में हो, टूरिस्ट पुलिस सक्रिय और दिखाई देने वाली हो, दरें तय हों और उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई हो। पूरे देश को एक साथ सुधारने के बजाय उत्कृष्टता के केंद्र विकसित किए जाएं।

दूसरा, सख्त कानून लागू किए जाएं। पर्यटकों से ठगी पर भारी जुर्माना, छेड़छाड़ पर तुरंत गिरफ्तारी और फर्जी गाइडों पर स्थायी प्रतिबंध होना चाहिए। मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अदालतें बनाई जाएं।

तीसरा, हर हितधारक के लिए लाइसेंस अनिवार्य किया जाए। टैक्सी चालक, गाइड, दुकानदार और टूर एजेंसियां बिना लाइसेंस काम न कर सकें। व्यवहार, मूल्य निर्धारण और बुनियादी संचार का प्रशिक्षण अनिवार्य हो, और नियम उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द किया जाए।

चौथा, स्थानीय लोगों को पर्यटन से होने वाली आय में भागीदारी दी जाए। क्योंकि जिससे लाभ होगा, वही संरक्षण करेगा। जब नागरिकों को सीधा आर्थिक फायदा मिलेगा, तो व्यवस्था अपने आप मजबूत होगी।

अंत में, भारत को कम खर्च और अधिक अनुशासन के मॉडल पर काम करना होगा। भारी बजट की आवश्यकता नहीं है, बल्कि संसाधनों के सही उपयोग और कड़े नियंत्रण की जरूरत है। सीमित निवेश के साथ भी भारत अपने पर्यटन राजस्व को दोगुना कर सकता है, यदि व्यवस्था में अनुशासन लाया जाए।

सबसे बड़ी कमी राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। पर्यटन को अब तक प्राथमिकता नहीं मिली क्योंकि यह त्वरित राजनीतिक लाभ नहीं देता और इसमें सख्ती की आवश्यकता होती है। लेकिन जिस दिन इसे एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में देखा जाएगा, बदलाव निश्चित होगा।

भारत के पास इतिहास है, संस्कृति है, आध्यात्म है और प्रकृति का आशीर्वाद है। अब आवश्यकता है एक सख्त, एकीकृत और जवाबदेह प्रणाली की। क्योंकि पर्यटन में पहली छाप ही अंतिम छवि बन जाती है।

मनमाना उपभोग खतरनाक : ऊर्जा, जल और कैलोरी पर सीमा तय हो

भूपेन्द्र गुप्ता

(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

क्या यह स्वीकार्य है कि कुछ लोग स्विमिंग पूल भरने के लिए हजारों लीटर पानी बहाएँ, एसी 24 घंटे चलाएँ, और दूसरी ओर कोई परिवार पीने के पानी के लिए तरसे? क्या यह न्याय है कि एक वर्ग अपनी थाली में जरूरत से तीन गुना कैलोरी बर्बाद करे, जबकि दूसरा कुपोषण से जूझे? और सबसे बड़ा प्रश्न-क्या यह सही है कि जो सबसे अधिक प्रदूषण फैलाते हैं, वही सबसे कम कीमत चुकाते हैं?

सच्चाई यह है कि आज की अर्थव्यवस्था अधिक उपभोग करो और बच निकलो के सिद्धांत पर चल रही है। अब इसे बदलना ही होगा। सीमाएँ क्यों? क्योंकि संसाधन मौलिक अधिकार हैं, विलासिता नहीं

ऊर्जा, जल और भोजन-ये बाजार की वस्तुएँ नहीं, बल्कि जीवन के आधार हैं। इन्हें जिसके पास पैसा है, वह जितना चाहे इस्तेमाल करे के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता।

भूजल खत्म हो रहा है, शहरों में बिजली की खपत विस्फोटक हो चुकी है, भोजन की बर्बादी चरम पर है। ऐसे में सीमा कोई तानाशाही नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की रक्षा का न्यूनतम उपाय है।

सबसे बड़ा सच - असली समस्या जनसंख्या नहीं, असमान उपभोग है। अक्सर कहा जाता है कि जनसंख्या ज्यादा है, इसलिए संकट है। यह आधा सच है। असली समस्या यह है कि- 10% लोग 50-60% संसाधन खा जाते हैं। बाकी 90% न्यूनतम पर जीते हैं। इसलिए अगर सीमा लगेगी, तो सबसे पहले अत्यधिक उपभोग करने वालों पर लगनी चाहिए।

नई नीति का मॉडल- कम से कम अधिकार, अधिकतम जिम्मेदारी-

1. न्यूनतम गारंट- हर नागरिक को मिले, पीने योग्य पानी, आवश्यक बिजली, संतुलित पोषण, यह सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

2. अधिकतम सीमा- एक तय सीमा तक सामान्य दर, उसके बाद तेजी से बढ़ती कीमत

उदाहरण- 100 यूनिट बिजली तक सस्ती, 500 यूनिट के बाद लक्ज़री टैक्स, यह सीधे-सीधे ज्यादा उपभोग - ज्यादा भुगतान का सिद्धांत लागू करेगा।

सबसे जरूरी कदम- प्रदूषण कर, अब बात सबसे संवेदनशील और निर्णायक मुद्दे की है। आज जो सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं-बड़ी कंपनियाँ, लग्ज़री उपभोग करने वाले वर्ग-वे अक्सर बच निकलते हैं। यह व्यवस्था उलटनी होगी।

क्या होना चाहिए ?- जितना अधिक कार्बन उत्सर्जन, उतना अधिक टैक्स, पानी की बर्बादी पर अतिरिक्त शुल्क, अत्यधिक कचरा पैदा करने वालों पर दंड।

किन पर लागू हो ?- बड़े उद्योग, लग्ज़री वाहन उपयोगकर्ता, अत्यधिक ऊर्जा खपत करने वाले घर/संस्थान, इसे दंड नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय समझा जाना चाहिए।

कैलोरी पर क्या हो ? सीधा नियंत्रण नहीं, लेकिन सख्त संकेत, सरकार को यह तय नहीं करना चाहिए कि आप कितनी रोटी खाएँ। लेकिन यह जरूर तय करना चाहिए कि जंक फूड पर भारी टैक्स लगे। खाद्य कंपनियाँ स्पष्ट पोषण जानकारी दें, स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों में स्वस्थ भोजन अनिवार्य हो, यानी स्वतंत्रता बनी रहे, लेकिन गलत विकल्प मंहगे हों।

विरोध की आवाज़ें और उनका जवाब- यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर हमला है।

जवाब- जब आपका उपभोग दूसरे के जीवन पर असर डालता है, तो यह निजी मामला नहीं रह जाता।

इससे अर्थव्यवस्था धीमी होगी

जवाब- यह अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाएगा, जो लंबे समय में ज्यादा मजबूत होती है।

यह अमीरों को टारगेट करता है

जवाब- यह अमीरों को नहीं, अत्यधिक उपभोग को टारगेट करता है-और वही न्याय है।

भारत के लिए यह क्यों अनिवार्य है

भारत आज एक चौराहे पर खड़ा है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था।

सीमित प्राकृतिक संसाधन, गहराती सामाजिक असमानता अगर अभी भी हमने सीमा एवं प्रदूषण कर जैसे कदम नहीं उठाए, तो आने वाले समय में पानी युद्ध का कारण बनेगा।ऊर्जा संकट बढ़ेगा और सामाजिक तनाव विस्फोटक हो जाएगा, इसलिए अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। यह बहस अब सैद्धांतिक नहीं रही। यह जीवन और अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है।

जो ज्यादा लेता है, वह ज्यादा लौटाए- जो ज्यादा प्रदूषण फैलाता है, वह ज्यादा भुगतान करे और हर नागरिक को न्यूनतम जीवन की गारंटी मिले। यही है सच्चा लोकतंत्र और पर्यावरणीय न्याय है।क्योंकि अगर आज हमने सीमा तय नहीं की, तो कल प्रकृति हमारी सीमाएँ तय कर देगी-और तब कोई बहस नहीं होगी।

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने की अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिंताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिंताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामाणिकता के संकट से उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के लिए, यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के सामने आज उपस्थित हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।

होर्मुज में अमेरिका दोहराने जा रहा गैलीपोली जैसी रणनीतिक भूल, इतिहास दे रहा चेतावनी

नई दिल्ली

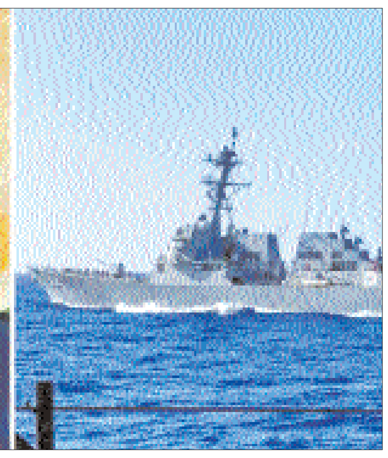

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत गुजरता है। युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच ईरान ने इस रणनीतिक मार्ग को अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बंद कर दिया था, जबकि तटस्थ और समर्थक देशों के जहाजों को सीमित आवाजाही की अनुमति दी गई। इसके जवाब में अमेरिका ने आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए होर्मुज के बाहर नौसैनिक नाकेबंदी कर रखी है। विशेषज्ञ इस स्थिति की तुलना प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1915 के गैलीपोली अभियान से कर रहे हैं, जहां समुद्री मार्ग पर नियंत्रण की कोशिश मित्र देशों के लिए भारी विफलता साबित हुई थी। उस समय ब्रिटेन और फ्रांस ने ओटोमन (तुर्की) के नियंत्रण वाले डार्डानेल्स जलडमरूमध्य को खोलने के लिए मुख्यत- नौसेना पर आधारित अभियान शुरू किया था, जिसे विंस्टन चर्चिल की रणनीति माना जाता है।मित्र राष्ट्रों ने तुर्की की सैन्य क्षमता को कम आंकते हुए पुराने युद्धपोतों के सहारे अभियान चलाया। लेकिन संकरे जलमार्ग में प्रवेश करते ही ये जहाज तटीय तोपखाने और समुद्री बारूदी सुरंगों के आसान लक्ष्य बन गए। तुर्किये सेना ने पहले से ही मजबूत रक्षा तैयार कर रखी थी, जिसके चलते एंग्लो-फ्रेंच बेड़े को भारी नुकसान उठाना पड़ा और अभियान विफल हो गया। बाद में थल सेना उतारने के बावजूद आठ महीनों तक चले संघर्ष में करीब 4.83 लाख सैनिक मारे गए, लेकिन अंतत- मित्र देशों को पीछे हटना पड़ा। गैलीपोली अभियान से कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं, जो आज के होर्मुज संकट में प्रासंगिक नजर आते हैं। पहला, किसी भी रणनीतिक निर्णय में केवल प्रभावशाली नेतृत्व पर निर्भर रहने के बजाय व्यापक और ठोस आकलन जरूरी होता है। दूसरा, विरोधी पक्ष को कमजोर आंकना भारी पड़ सकता है- 1915 में गनबोट डिप्लोमेसी विफल रही थी और आज भी इसके सफल होने की संभावना संदिग्ध है। तीसरा, मिशन क्रीप का खतरा- जब प्रारंभिक रणनीति असफल होती है तो बड़े देश अपने सैन्य प्रयासों को सीमित करने के बजाय बढ़ा देते हैं, जिससे संघर्ष और जटिल हो जाता है। चौथा, युद्ध में भारी मानवीय और आर्थिक नुकसान की अनदेखी अक्सर घातक साबित होती है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि होर्मुज में तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर केवल सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक जीवन पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में इतिहास के सबकों को नजरअंदाज करना महंगा साबित हो सकता है।

हमें उपदेश न दें, ईरान ने होर्मुज पर ईयू के रुख की कड़ी आलोचना की, अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई को बताया पाखंड

नई दिल्ली

ईरान ने रविवार को यूरोपीय संघ की हॉर्मुज जलडमरूमध्य में पारगमन नियमों पर ली गई स्थिति की तीखी आलोचना की है। ईरान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी बढ़ती तनाव की स्थिति में यूरोपीय संघ पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काया कलास पर निशाना साधते हुए कहा कि यूरोप अंतरराष्ट्रीय कानून का चयनात्मक इस्तेमाल करता है।

बगाई ने कहा, ओह, वो अंतरराष्ट्रीय कानून! जिसे यूरोपीय संघ दूसरों को उपदेश देने के लिए निकालता है, जबकि अमेरिका-इजरायल की आक्रामकता को चुपचाप हरी झंडी देता है, उपदेश देना बंद करें। उन्होंने यूरोप की स्थिति को चरम पाखंड बताया।

बगाई ने जोर देकर कहा कि ईरान एक तटीय देश होने के नाते इस रणनीतिक जलमार्ग में आवाजाही को नियंत्रित करने का अधिकार रखता है। उन्होंने बिना शर्त पारगमन की मांगों को खारिज कर दिया।

बगाई ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून की कोई भी धारा ईरान को हॉर्मुज जलडमरूमध्य को सैन्य आक्रामकता के लिए इस्तेमाल होने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने से नहीं रोकती।

उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों में निःशुल्क आवाजाही की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि हॉर्मुज में बिना शर्त ट्रांजिट? यह कल्पना उसी समय डूब गई जब अमेरिका-इजरायल की आक्रामकता ने अमेरिकी सैन्य संपत्तियों को जलडमरूमध्य के आसपास ला खड़ा किया।

काया कलास ने कहा था कि प्रमुख जलमार्गों से गुजरने वाली आवाजाही खुली और मुक्त रहनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी 'पैसे देकर गुजरने' की योजना वैश्विक समुद्री मार्गों के लिए खतरनाक मिसाल कायम करेगी।

कलास ने यह भी कहा कि शत्रुता कम होने पर यूरोप सामान्य स्थिति बहाल करने में भूमिका निभा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि क्षेत्र में शिपिंग की सुरक्षा के लिए यूरोपीय संघ के एस्पाइड्स नौसैनिक मिशन को और मजबूत किया जा सकता है।

यह तीखा जवाब उस समय आया जब ईरान ने संकेत दिया कि वह नई पारगमन प्रक्रियाओं के तहत उन जहाजों को प्राथमिकता दे सकता है जो शुल्क देने को तैयार हों, क्योंकि उसकी क्षमता सीमित है।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने घोषणा की कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद ही रहेगा और किसी भी जहाज को इसके करीब आने पर निशाना बनाया जा सकता है।

यह घटनाक्रम अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकेबंदी के बीच हुआ है। ईरान ने साफ कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी नाकेबंदी नहीं हटाता, हॉर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह नहीं खुलेगा। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर घालिबाफ ने चेतावनी दी कि अंतिम शांति समझौता अभी बहुत दूर है।

दुनिया के लगभग एक-पांचवें तेल और गैस की आपूर्ति ले जाने वाला हॉर्मुज जलडमरूमध्य इस संकट का केंद्र बना हुआ है। इसके बाधित होने से वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजारों पर लगातार असर पड़ रहा है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष का आचरण लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ: योगी

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में संसद के हालिया घटनाक्रम को लेकर विपक्ष, खासकर इंडी गठबंधन, पर तीखा प्रहार किया।

उन्होंने कहा कि संसद में जिस प्रकार का आचरण विपक्षी दलों द्वारा किया गया, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि देश की लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है। मुख्यमंत्री ने रविवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बातें कहीं । उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभाली थी, तब उन्होंने देश को चार प्रमुख वर्गों-नारी, गरीब, युवा और किसान-के रूप में देखने की बात कही थी। योगी ने कहा कि यही दृष्टिकोण आज भी केंद्र सरकार की नीतियों का आधार है, लेकिन विपक्ष लगातार इन प्रोग्रेसिव कदमों का विरोध करता रहा है। उन्होने बताया कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस विशेष रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर बुलाई गई थी। उन्होंने कहा कि इस कानून के प्रति देश की आधी आबादी में उत्साह है, लेकिन संसद में विपक्ष के व्यवहार को लेकर महिलाओं में भारी आक्रोश भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, डीएमके और अन्य सहयोगी दलों ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को बाधित करने का प्रयास किया। योगी ने कहा कि यदि सभी दल सहमति से इसे पारित करते, तो यह पूरे सदन की उपलब्धि होती।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में पारित इस अधिनियम को लेकर विभिन्न महिला संगठनों ने मांग की थी कि इसे 2034 के बजाय 2029 से लागू किया जाए। इस पर केंद्र सरकार ने संशोधन लाने का निर्णय लिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए लोकसभा और विधानसभा की सीटों में वृद्धि की जाएगी, जिससे किसी राज्य या वर्ग का अधिकार प्रभावित नहीं होगा। योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए शाह बानो केस का उल्लेख किया। योगी ने कहा कि जब मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की बात आती है, तो विपक्ष का इतिहास उनके खिलाफ रहा है। वहीं, केंद्र सरकार ने तीन तलाक जैसी कुप्रथा पर रोक लगाकर महिलाओं को न्याय दिलाने का काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष संविधान और बी आर अंबेडकर के नाम का उल्लेख करता है, लेकिन उनका आचरण उनके सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने समाजवादी पार्टी द्वारा मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की मांग को भी इसी संदर्भ में सवालों के घेरे में रखा। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ काम किया जा रहा है।

महिला विरोधी हैं ममता, माफ नहीं करेंगी बंगाल की माता- बहनें

पटना, (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मंगल पांडेय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर टीएमसी ने महिलाओं के अधिकारों से विश्वासघात किया है, जिसे बंगाल की महिलाएं माफ नहीं करेंगी। श्री पांडेय ने आरोप लगाया कि बंगाल की सरकार महिला विरोधी है। यहां महिलाओं के साथ हिंसक घटनाएं एवं अत्याचार के मामले देशभर में सबसे अधिक हैं। बंगाल की ' सरकार' के खिलाफ राज्यभर में जन-आक्रोश है। अब बंगाल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को टीएमसी और कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण को नई दिशा मिलती, लेकिन ममता बनर्जी की महिला विरोधी मानसिकता ने उसे रोक दिया। 'बंगाल की महिलाएं 33 प्रतिशत आरक्षण चाहती थीं और श्री मोदी ने इसे सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी को डर था कि यदि बंगाल की बेटियां बड़ी संख्या में विधायक और सांसद बन गईं, तो उनके 'महा जंगलराज' का अंत हो जाएगा। इसलिए टीएमसी और कांग्रेस ने मिलकर साजिश रची और महिलाओं को उनका हक मिलने से रोक दिया।

श्री पांडेय ने कहा कि श्री मोदी ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनगिनत कार्य किए हैं। यही कारण है कि देश के हर राज्य में बहनें और बेटियां भाजपा को सबसे अधिक आशीर्वाद देती हैं, लेकिन यहां बंगाल की बेटियों को सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया गया है। विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका बढ़ाने के लिए उन्हें राजनीति में लाना अनिवार्य है, लेकिन टीएमसी ने एक बार फिर बंगाल की बहनों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार असल में महिला हितैषी है, जबकि टीएमसी ने महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित किया है। श्री पांडेय ने कहा कि श्री मोदी का सपना है कि बंगाल में 'भ्रष्टाचार' को समाप्त कर 'महिला सम्मान और अधिकार' पर केंद्रित विकसित राज्य बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि बंगाल की करोड़ों महिला मतदाता बहनों का विश्वास मुख्यमंत्री ममता ने खो दिया है। बंगाल में ममता बनर्जी की सफलता का सबसे बड़ा आधार महिला मतदाता ही रही हैं। तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों की स्वार्थपूर्ण राजनीति का दुष्प्रभाव देश की नारी शक्ति को झेलना पड़ा है।

इटली में गुरुद्वारे के सामने गोली मारकर दो भारतीयों की हत्या, हमलावर फरार

नई दिल्ली। इटली के बर्गामो प्रांत के कोवो शहर में वैसाखी उत्सव के मौके पर दो भारतीय पुरुषों को गोली मारकर मार दिया गया। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे हुई, जब दोनों व्यक्ति कोवो के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी से बाहर निकल रहे थे। हमला गुरुद्वारे के सामने वाले चौक पर हुआ। मारे गए दोनों भारतीयों की उम्र 48 साल बताई गई है। उनमें से एक की पहचान रागिंदर सिंह के रूप में हुई, जो कोवो का निवासी था। दूसरे व्यक्ति का नाम गुरमीत सिंह है, जो अग्नाडेल्लो का रहने वाला था। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर अचानक उनके पास आया, दोनों पर गोलीबारी की और फिर कार में बैठकर भाग निकला। पुलिस ने मौके से करीब दस खाली कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने शुरुआती जांच में अचानक हुए झगड़े को खारिज कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि यह ठंडे दिमाग से प्लान की गई हत्या हो सकती है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि गोली चलाने वाला व्यक्ति भी भारतीय था और वह नियमित रूप से गुरुद्वारे में आता-जाता था। गवाह के अनुसार, गोलीबारी में एक तीसरा व्यक्ति भी बाल-बाल बचा, गोली उसके शरीर को सिर्फ छूकर निकल गई। घटना के अगले दिन यानी शनिवार को पास ही में स्थानीय संस्थाओं के साथ वैसाखी का आधिकारिक उत्सव मनाने का कार्यक्रम तय था।

जपान ने उत्तरी कोरिया के मिसाइल परीक्षणों पर कड़ा विरोध जताया

टोक्यो,(वार्ता)। जापान ने रविवार को उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा है कि इस तरह की गतिविधियां क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरनाक हैं। जापानी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, उत्तर कोरिया की गतिविधियां, जिनमें लगातार किए जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण शामिल हैं, हमारे देश, क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा हैं। बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं और जनता की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। हमारा देश इनकी कड़ी निंदा करता है और उत्तर कोरिया के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराता है। इससे पहले खबर आई थी कि सुबह छह बजे (21-00 जीएमटी शनिवार) के बाद उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। ये मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास गिरी।

सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है उमस भरी गर्मी : अध्ययन

तिरुवनंतपुरम, (वार्ता)

केरल के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए वैज्ञानिकों ने एक जरूरी चेतावनी जारी की है। एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के मुताबिक, मानसून के दौरान जब बारिश रुकती है, तो उस समय पड़ने वाली उमस भरी गर्मी (ह्यूमिड हीटवेव) सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है।

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में की गयी एक रिसर्च में बताया गया है कि तटीय क्षेत्रों में अब केवल बढ़ता तापमान ही बड़ी बात नहीं है, बल्कि गर्मी और नमी का जो मेल बन रहा है, वह शरीर के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

आम तौर पर चलने वाली लू के मुकाबले यह उमस वाली गर्मी इसलिए ज्यादा घातक है क्योंकि हवा में नमी अधिक होने की वजह से शरीर का पसीना नहीं सूख पाता। जब पसीना नहीं सूखता, तो शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता। ऐसे में तापमान बहुत ज्यादा न होने पर भी इंसान को कुछ ही घंटों में हीटस्ट्रोक हो सकता है या दिल पर दबाव बढ़ सकता है। अध्ययन के मुख्य लेखक डॉ. अक्षय देवरस ने बताया कि केरल के तटीय जिले अंदरूनी इलाकों के मुकाबले इस खतरे की चपेट में ज्यादा हैं। खासकर जब मानसून के दौरान बारिश का दौर थमता है, तब यह जोखिम और भी बढ़ जाता है।

इस खतरे को मापने के लिए वैज्ञानिकों ने वेट-बल्ब तापमान का इस्तेमाल किया है। यह एक ऐसा पैमाना है जो बताता है कि गर्मी और नमी का स्तर कब इतना बढ़ गया है कि पसीना निकलना भी बेकार हो जाए और इंसान की जान जोखिम में पड़ जाए।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ऐसी उमस वाली गर्मी का पता करीब एक महीना पहले ही लगाया जा सकता है। अगर प्रशासन को इसकी जानकारी समय पर मिल जाए, तो वह बचाव के इंतजाम कर सकता है।

इस समय का उपयोग अस्पतालों में तैयारी करने, आम लोगों के लिए कूलिंग सेंटर बनाने, स्कूलों के समय में बदलाव करने और बिजली की सप्लाई बेहतर करने के लिए किया जा सकता है।

यह पूरी रिपोर्ट 1940 से 2023 तक के यानी पिछले 84 सालों के मौसम और बारिश के आंकड़ों को परखने के बाद तैयार की गई है। वैज्ञानिकों ने मानसून के आने और रुकने के सैकड़ों चरणों का बारीकी से विश्लेषण किया है। इस खास शोध में यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके मेट ऑफिस और भारत के उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान ने भी हाथ बटाया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि भारत में लोग लू के बारे में तो जानते हैं, लेकिन इस उमस भरी गर्मी को गंभीरता से नहीं लेते। जबकि यह कहीं ज्यादा जानलेवा हो सकती है। इसलिए इसके प्रति लोगों को जागरूक करना और सही सरकारी नीतियां बनाना बहुत जरूरी है।

डॉ. देव के लिए जो प्यार और हौंसला मुझे मिला है, वह बेहद विनम्र करने वाला है : इक़बाल खान

इक़बाल खान का कहना है कि सोनी सब के शो यादें में उनके किरदार डॉ. देव के लिए उन्हें जो प्यार और हौंसला मिला है, वह बेहद विनम्र करने वाला है। सोनी सब का शो यादें क्लिनिकल डिटेल्स से ज़्यादा इंसानी जज़्बातों को अहमियत देता है। मशहूर इटैलियन सीरीज़ 'डीओसी (डॉक)ङ्क नेल्ले तुए मानी' से प्रेरित यह शो अस्पताल की तेज़-तर्रार ज़िंदगी को बेहद निजी कहानियों को यादों, मोहब्बत और खुद को फिर से खोजने की जद्दोजहद के साथ जोड़ता है।

कहानी के केंद्र में हैं डॉ. देव मेहता, जिन्हें इक़बाल खान ने गहराई और संवेदनशीलता के साथ निभाया है। एक तेज़-तर्रार, इंस्टिंक्ट पर काम करने वाले डॉक्टर से लेकर याददाश्त खो चुके इंसान तक का उनका सफर बेहद असरदार और दिल को छू लेने वाला है। इक़बाल खान का बारीक अभिनय पहचान की नाज़ुकता और ज़िंदगी को फिर से बनाने की हिम्मत को बखूबी दर्शाता है। उनके सामने गुलकी जोशी हैं, जो सृष्टि अग्रवाल का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि अस्पताल की एडमिनिस्ट्रेटिव हेड और देव की पुरानी साथी है। उनका भावनात्मक संघर्ष कहानी को और गहराई देता है। दोनों की केमिस्ट्री शो की रीढ़ है, जो यादें को सिर्फ एक ड्रामा नहीं, बल्कि दूसरे मौकों की दिल से जुड़ी खोज बना देती है। कहानी में और रंग भरती हैं सृष्टि सिंह, जो डॉ. वाणी गुप्ता का किरदार निभा रही हैं। उनकी शांत लेकिन गहरी मौजूदगी और भावनात्मक दुविधाएँ यह दिखाती हैं कि जब यादें मिट जाती हैं तो भी एहसास ज़िंदा रहते हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, इक़बाल खान ने कहा, डॉ. देव के लिए जो प्यार और हौंसला मुझे मिला है, वह बेहद विनम्र करने वाला है। दर्शक सिर्फ उनकी कहानी ही नहीं देख रहे, बल्कि उसे महसूस कर रहे हैं और यही एक अभिनेता होने का सबसे बड़ा इनाम है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं टिया बाजपेयी

अभिनेत्री टिया बाजपेयी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। टिया बाजपेयी फ्रांस के मोनाको शहर में अपनी हॉलीवुड परियोजना की शूटिंग कर रही हैं। फिलहाल वह लोकेशन पर हैं और ओमिद रोमल के निर्देशन में शूटिंग कर रही हैं, जो उनके बढ़ते करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अपनी बहुमुखी प्रतिभा और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली टिया इस नए अध्याय को पूरे उत्साह और दृढ़ता के साथ अपना रही हैं। यह फिल्म, जिसमें एक विविध अंतरराष्ट्रीय टीम शामिल है, उन्हें एक नए सिनेमाई अनुभव को एक्सप्लोर करने और वैश्विक दर्शकों से जुड़ने का अवसर दे रही है। मोनाको के खूबसूरत नज़ारों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन की अनुशासित कार्यशैली तक, टिया पूरी तरह इस अनुभव में डूबी हुई हैं। सेट पर, वह सिर्फ अपने प्रदर्शन के लिए ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनलिज़्म और अनुकूलन क्षमता के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट में कदम रखना अपने आप में चुनौतियों भरा होता है, लेकिन टिया इसे बेहद सहजता से संभालती नजर आ रही हैं और अपने विकास व उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए टिया ने कहा,मोनाको में शूटिंग करना किसी सपने जैसा लगता है। सेट पर हर दिन एक नया सीखने का अनुभव है और इतनी प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करना बेहद प्रेरणादायक है। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत मायने रखता है।यह सिर्फ हॉलीवुड में कदम रखने के बारे में नहीं है, बल्कि एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के बारे में है। कैमरे के बाहर भी टिया मोनाको की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं, जो अपनी शानदार लाइफस्टाइल और सिनेमाई आकर्षण के लिए जाना जाता है।

दीपिका पादुकोण प्रेग्नेंसी में भी नहीं लेंगी ब्रेक, दूसरी बार मां बनने की खबर के बाद भी जारी रखेंगी शूटिंग

अक्षय तृतीया के खास मौके पर, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने घोषणा की है कि वे एक बार फिर माता-पिता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दीपिका ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी बेटी दुआ के साथ एक बहुत ही प्यारा पोस्ट शेयर किया और फैंस को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी। यह खबर सुनते ही फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और इंटरनेट पर जैसे हलचल मच गई है। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के हवाले से एक इंडस्ट्री सोर्स ने बताया, अपनी प्रेग्नेंसी के बीच भी दीपिका पादुकोण फिल्म राका के लिए इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं और वह अपनी पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान इस फिल्म की शूटिंग जारी रखेंगी। दीपिका ने एक बहुत ही प्यारी तस्वीर शेयर की है जिसमें उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट पकड़ा हुआ है, जो यह खुशखबरी दे रहा है। तस्वीर में रणवीर और दीपिका दोनों के हाथ अपनी बेटी को बड़े प्यार से थामे हुए देखे जा सकते हैं, जो अब एक बड़ी बहन बनने वाली है। इस घोषणा को बहुत ही सिंपल रखते हुए दीपिका ने कैप्शन में सिर्फ बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी लगाए हैं। यह पोस्ट दीपिका और रणवीर दोनों ने मिलकर शेयर किया है। दीपिका जल्द ही सिद्धार्थ आनंद की फिल्म किंग में नजर आएंगी, जिसमें शाहरुख खान लीड रोल में हैं।

महिला स्वसहायता समूहों-ग्राम संगठनों को गेहूं उपार्जन एवं गुणवत्ता परीक्षण संबंधी प्रशिक्षण सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिले में चयनित 14 महिला स्वसहायता समूहों एवं ग्राम संगठनों को गेहूं उपार्जन प्रक्रिया एवं स्कंध की गुणवत्ता परीक्षण संबंधी प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में स्वसहायता समूहों/ग्राम संगठनों के अध्यक्ष, सचिव, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सर्वेयर मौजूद थे। प्रशिक्षण में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार खोबरिया ने ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से गेहूं खरीदी की सम्पूर्ण प्रक्रिया की तकनीकी जानकारी प्रदान की। उन्होंने भारत सरकार के पी.सी.एस.ए.पी. पोर्टल पर खरीदी केंद्रों से संबंधित 16 बिंदुओं की जानकारी विस्तार से समझाते हुए आवश्यक इंद्राज एवं फोटो अपलोड कर समय पर सबमिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खरीदी केंद्रों को निर्देशित किया कि गेहूं उपार्जन से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण करते हुए जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुक किए जा चुके हैं, उनसे निर्धारित तिथि पर खरीदी कार्य तत्काल प्रारंभ करें। साथ ही स्वसहायता समूहों/ ग्राम संगठनों के लिए डी.एस.सी. (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए, ताकि किसानों के भुगतान की ऑनलाइन प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए छायादार बैठक, ठंडा पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त असमय बारिश से बचाव के लिए तिरपाल आदि की व्यवस्था एवं प्रतिदिन खरीदी गई गेहूं की मात्रा के अनुसार समय पर परिवहन कर गोदामों में भंडारण सुनिश्चित करने के लिए कहा। भारतीय खाद्य निगम के गुणवत्ता नियंत्रक (प्रबंधक) श्री वैभव मुंद्रे ने गेहूं की गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि किसानों से गेहूं की खरीदी केवल निर्धारित एफ.ए.क्यू. मानकों के आधार पर ही की जाए।

नासिक घटना के विरोध में नरसिंहपुर में विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन, पुतला दहन

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

महाराष्ट्र के नासिक में सामने आए कथित प्रकरण के विरोध में शनिवार को नरसिंहपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। थाना प्रभारी गौरव चाटे को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सोपा जिसमें मांग कि नासिक में लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनके साथ अनुचित व्यवहार किया गया और उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। इस घटना को लेकर कार्यकर्ताओं में रोष देखा गया।विहिप और बजरंग दल ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की बात कही गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। विहिप जिलाध्यक्ष खुमान सिंह पटेल ने कहा कि नासिक की घटना अत्यंत गंभीर है और इसके दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन ऐसे मामलों के खिलाफ लगातार आवाज उठाता रहेगा। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की।विश्वहिंदू परिषद विभाग मंत्री महेंद्र सिंह चौहान, जिला मंत्री रामकुमार पटेल, जिला सह मंत्री धनंजय तिवारी, जिला सह संयोजक तथागत भारद्वाज,गौ रक्षा प्रमुख मुकेश पटेल, प्रचार प्रसार प्रमुख राधे साहू, जिला सह सुरक्षा प्रमुख जयदीप दुबे, जिला विद्यार्थी प्रमुख पवन सोलंकी,नगर अध्यक्ष शुभम गुप्ता, नगर संयोजक शुभम, जयराम पटेल, कार्तिक नेमा, लवकुश कौरव, मनोज नामदेव, राज सोलंकी, बाबूलाल पटेल एवं अधिक संख्या में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताउपस्थित रहे।

मिट्टी व रेत का अवैध परिवहन करने पर दो ट्रेक्टर- ट्रॉली जब्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए कार्यवाही की जा रही है। जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन में खनिज विभाग द्वारा सघन निरीक्षण कर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग ने एक ट्रेक्टर ट्राली खनिज मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को थाना कोतवाली नरसिंहपुर की अभिरक्षा में रखा गया। इसी प्रकार ग्राम इमझिरा के पास एक ट्रेक्टर ट्रॉली को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुये पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को पुलिस थाना तेंदूखेड़ा की अभिरक्षा में रखा गया।

बेजुबान पक्षियों के लिए रखे गये सकोरे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के तत्वाधान में महिलाओं के द्वारा कार्य क्रम संपन्न किए गए प्रथम कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के बीच स्थित सदर मड़िया एवं नगर पालिका चौक मंदिर प्रांगण में बेजूवान पक्षियों के लिए सकोरे रखे गए एवं शहर वासियों से भी अपील की ,कि अपने घरों छतों और आसपास के स्थान पर पक्षियों के लिए पानी और दाना अवश्यक रखें यह पहल न केवल सेवा का कार्य है बल्कि जीवों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का एक सशक्त संदेश भी है। दूसरे कार्यक्रम में मां नर्मदा मैया की परिक्रमा करके लौटे परिक्रमा वासी श्री संतोष कुमार ठाकुर एवं श्री बलराम कश्यप जी निवासी तिदन्नी रोड नरसिंहपुर का शाल एवं श्रीफल प्रदान कर स्वागत किया गया उनके द्वारा पांच हजार किलोमीटर मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान संस्मरण सुनाए गए भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष श्रीमती सविता अग्रवाल जिला महासचिव श्रीमती स्वाति जायसवाल जिला मंत्री सुनीता शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता जाट जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अंजलि नितिन नेमा की उपस्थिति रही।

विगत एक माह में अनेक गौशालाओं से लगी हुई भूमियों को किया गया अतिक्रमण मुक्त

ग्राम पंचायत श्रीनगर में स्थित गौशाला के पास 50 एकड़ शासकीय भूमि हुई अति मण मुक्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में और सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत श्रीनगर में स्थित शिवा स्वसहायता समूह के द्वारा संचालित गौशाला के पास 50 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर गौशाला को सौंपी गई। यह कार्यवाही अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती संघमित्रा गौतम, तहसीलदार, सीईओ जनपद गोटेगांव सुश्री दीक्षा जैन तथा अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के आपसी समन्वय से की गई। अतिक्रमण मुक्त के पश्चात उक्त भूमि में ग्राम पंचायत के द्वारा इस संपूर्ण परिक्षेत्र में ट्रेंच खोदकर इसे गौशाला के लिए सुरक्षित किया गया। भविष्य में उक्त भूमि में चारागाह विकास तथा उद्यानकी पौधों के रोपण सहित अनेक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि विगत एक माह में जिले की ग्राम पंचायत बरमान कला, इमलिया बघौरा, इमलिया कल्याणपुर सहित अनेक गौशालाओं से लगी हुई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री गौ सेवा योजना द्वारा जिले में निर्मित 81 गौशालाओं को विधिवत संचालित करने के लिए स्वसहायता समूह एवं सामाजिक संस्थाओं को तैयार किया जा रहा है। गौशालाओं के पास उपलब्ध शासकीय भूमि को गोवंश के परिभ्रमण, हरी घास उत्पादन तथा अन्य अनुसांगिक प्रयोजनों के लिए तैयार किया जा रहा है।

अक्षय तृतीया पर श्री चैत्यालय जी में हुआ आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

जैसा की ज्ञात है अक्षय तृतीया के दिन प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को एक वर्ष तक आहार की विधि नही मिली थी और उनके द्वारा इन दिनों उपवास किया गया एक वर्ष के बाद राजा श्रेयांस और उनके भाई के द्वारा भगवान की आहार विधि मिलने पर उन्हें सबसे पहले इक्षु रस (गन्ने का रस) का आहार देकर भगवान का उपवास खुलवाया था आज इस दिन को श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी मे दान दिवस के रूप में मनाया गया इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारी भैया अपूर्वनन्द के सानिध्य में श्रीचैत्यालय जी में मंदिर विधी चंदन आरती प्रभावना की गई इसके बाद भैयाजी ने अपने प्रवचन में अक्षय तृतीया का महत्व बताते हुये दान के चार प्रकार बताते हुये सभी उपस्थित जनो को आहार दान देते रहने के लिये प्रेरित किया इस अवसर पर तारण समाज व वीर श्री महिला मंडल द्वारा श्री चैत्यालयजी के सामने इक्षु रस (गन्ने का रस) का वितरण किया गया।सभी उपस्थित जनों ने मंदिर जी और तारण भवन के लिए दान राशि दी।अक्षय तृतीया पर सभी जैन मंदिरों में सुबह विशेष पूजन अर्चन और भगवान का अभिषेक कर लोगों ने अक्षय तृतीया मनाई।

भाजपा महिला मोर्चा की महिलाओं ने देखी संसद की कार्रवाई

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी स्मृति जैन ने बताया कि च्संसद की कार्यवाही देखने देशभर के विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाएं उत्साह के साथ संसद पहुंचीं। इसी क्रम में हम सभी महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी अश्विनी परांजपे जी के नेतृत्व में संसद पहुंचे। लेकिन जब सदन में कुछ महिला सांसदों द्वारा इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध देखा, तो मन अत्यंत व्यथित हो उठा। यह केवल एक बिल नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़ा विषय है। राजनीति में दल का स्थान महत्वपूर्ण हो सकता है, पर क्या उनके लिए नारी अस्मिता और अधिकार उससे भी नीचे हो गए? एक महिला होते हुए भी उनकी आत्मा कैसे इस पीड़ा को अनदेखा कर सकती है-यह प्रश्न आज हर नारी के मन में उठ रहा है।

पंच-ज अभियान अंतर्गत पक्षियों के लिए

सकोरे व दाना-पानी की व्यवस्था का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेष शुक्ला के मुख्यातिथ्य में जिला न्यायालय परिसर नरसिंहपुर में पंच-ज अभियान के अधीन पक्षियो के लिए सकोरे व दाना पानी की व्यवस्था की गई। अभियान अंतर्गत कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीष द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियो के जीवन को बचाने हेतु पर्यावरण के संरक्षण पर जोर दिया।

साथ ही अधिवक्ताओ, कर्मचारियो व आमजनो से भी गर्मी में यथा संभव पक्षियो एवं जानवरो हेतु पानी की व्यवस्था सुनिष्चित करने की भी अपील की। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय श्री विपिन कुमार लवानिया विषेष न्यायाधीष (एट्रोसिटी) श्री अमित रंजन समाधिया, जिला न्यायाधीष श्रीमती कीर्ति कष्यप, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री आलोक मिश्रा, श्री वैभव सक्सेना, श्री राममनोहर सिंह दांगी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री राकेष सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेष मीणा, जिला रजिस्ट्रार श्री धर्मेन्द्र नागवंषी, अन्य न्यायाधीषगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेष सक्सेना, वरिष्ठ अधिवक्तागण श्री मुकेष शर्मा, श्री सुलभ जैन व अन्य अधिवक्तागण, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विष्णु श्रीवास्तव व अन्य डिफेंस काउंसिल द्वारा भी पक्षियो के दाना-पानी हेतु चिन्हित स्थानो पर सकोरे लगाए गये।

भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ विश्वकर्मा महाकुंभ का आयोजन

महापुराण साथ होगी भव्य श्री रामकथा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । नगर में आगामी 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक भगवान श्री विश्वकर्मा जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, यज्ञ, श्री विश्वकर्मा महापुराण एवं भव्य श्री रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यक्रम स्थल शासकीय अस्पताल के सामने खजांची परिसर से आज भगवान विश्वकर्मा की भव्य व विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिन भव्य शोभा यात्रा के अवसर पर श्रद्धालु, पुरुष महिला, व बच्चे सम्मिलित हुए ?प्रतिदिन यज्ञ, पूजन एवं प्रवचन आयोजित होंगे, आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री विश्वकर्मा जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा विशेष विधि-विधान से संपन्न होगे। साथ ही श्री विश्वकर्मा भगवान की शोभा यात्रा में विद्वान आचार्यों एवं कथावाचक श्रद्धा श्री जयंती भाई शास्त्री, प्रेरणा स्रोत महंत श्री मंगल दास जी त्यागी, कथा वाचक श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर स्वामी भगवतानंद गिरि जी महाराज सानिध्य में किया गया शोभा यात्रा में भगवान श्रीविश्वकर्मा जी की झांकी, भगवान श्री राम जी की झांकी, श्री हनुमान जी की झांकी शोभा यात्रा का मूल उद्देश्यजिससे भक्तजन धर्म एवं संस्कृति के प्रति जागरूक हो सकें। साथ ही इस अवसर पर ? श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिती रही आयोजक समिति ने नगर वासियों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ उठाने की अपील की बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री विश्वकर्मा भगवान की शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 09 अ-20 (1) सन्- 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 6/5/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/ पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	करेलीगंज	10	953 वर्गफुट	चेतन लूनावत आ. राजेन्द्र कुमार लूनावत निवासी जयप्रकाश वार्ड करेली	चेतन लूनावत आ. राजेन्द्र कुमार लूनावत निवासी जयप्रकाश वार्ड करेली

इश्तहार आज दिनांक 8/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर

उम्र को भी हरा देता है मन का जज्बा: कुलपति प्रो. वर्मा

वेदना को शब्दों में पिरोकर जनता की आवाज उठाता है कविः संदीप जायसवाल, सुरेश सोनी ऋतुराज के काव्य संग्रह अनुभूति का विमोचन

समाज की वास्तविक छवि को प्रतिबिम्बित करता है साहित्य

सभी वर्गों के गणमान्य जनों की उपस्थिति से यादगार बना अनुभूति का विमोचन समारोह

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अगर आपमें काम करने का जज्बा है, तो आप किसी भी लक्ष्य को सहजता के साथ साध सकते हैं। जीवन में ध्येय महत्वपूर्ण होता है। आपका जज्बा आपको हारने नहीं देता। मन में कोई मिशन हो तो उम्र भी हार जाती है। यह बात रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजेश वर्मा ने होटल अरिंदम सभागार में आयोजित वरिष्ठ पत्रकार और कवि सुरेश सोनी ऋतुराज के काव्य संग्रह अनुभूति के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही।

अध्यक्षता विधायक संदीप जायसवाल ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला की मौजूदगी रही। अन्य अतिथियों में जनपरिषद भोपाल के संयोजक रामजी श्रीवास्तव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, वरिष्ठ कवि मनोहर मनोज, पूर्व मिसेज यूनिवर्स डॉ प्रगति सेठ और जनपरिषद के प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। साहित्य संध्या को बनारस के युवा गीतकार वैभव अवस्थी और लखनऊ के युवा कवि दावर रजा की काव्य प्रस्तुतियों ने यादगार बना दिया। समारोह में शहर के सभी वर्गों के प्रतिष्ठित लोगों, राजनेताओं, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ कटनी के काव्य जगत से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर आयोजन को बेजोड़ बना दिया। लोगों की यही प्रतिक्रिया थी कि अरसे बाद साहित्य का ऐसा गुलशन सजा, जिसकी खुशबू से पूरा परिसर महक उठा। समारोह में काव्य संग्रह अनुभूति की समीक्षा कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ चित्रा प्रभात ने प्रस्तुत की। शहर के युवा रचनाकार तुषार तपन ने अपने काव्यमयी संचालन से सभागार में मौजूद हर साहित्य और कविता प्रेमी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

समारोह में शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और अभिनंदन पत्र से अतिथियों का सम्मान भी किया गया। द्वितीय चरण में रचनाकारों ने एक से बढकर एक रचनाओं की लाजवाब प्रस्तुति से समारोह को ऊंचाइयां प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक यशभारत के स्थानीय संपादक आशीष सोनी ने आभार व्यक्त किया। समारोह में विधायक संदीप जायसवाल का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी स्मिता जायसवाल एवं अरिंदम के संचालक मनीष गेई की पत्नी ऋचा गेई भी मौजूद रही। इसके पहले अतिथियों ने रिबन खोलकर काव्य संग्रह अनुभूति का विमोचन किया। काव्य संग्रह अनुभूति के विमोचन समारोह का शुभारंभ वीणावादिनी मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके उपरांत अनुभूति पटेल ने अपने मधुर कंठ से सरस्वती वंदना एवं भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। मंचासीन अतिथियों कुलपति डॉ राजेश वर्मा, विधायक संदीप जायसवाल का स्वागत कार्यक्रम के सूत्रधार यशभारत के स्थानीय संपादक आशीष सोनी, यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला का स्वागत वूमेन विंग की राष्ट्रीय सचिव शिल्पी सोनी, वरिष्ठ पत्रकार एवं जनकवि सुरेश सोनी ऋतुराज का स्वागत भाजपा नेता सुरेश सोनी एवं पूर्व केडी, अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, जन परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव का स्वागत कटनी यूनिट के अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कवि मनोहर मनोज का स्वागत वूमेन विंग की पूर्व अध्यक्ष सीमा चौधरी, पूर्व मिस वर्ल्ड डॉ प्रगति सेठ का स्वागत डॉ सुरेंद्र राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा का स्वागत नीलम जगवानी, जन परिषद के प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव का स्वागत डॉ ज्योति राजपूत, बनारस से आए युवा कवि वैभव अवस्थी का स्वागत पूर्व अध्यक्ष मनोज बर्मन, लखनऊ के युवा कवि डाबर रजा का स्वागत पंकज खरे ने पुष्पहारों, शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह और अभिनंदन पत्र से सम्मान किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ राजेश वर्मा ने कहा कि 80 साल की उम्र में भी जज्बे के साथ काम करना व्यक्ति की विशेषता है। जीवटता के साथ अपने ध्येय की ओर कदम बढ़ाने से आप अपनी उम्र को हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि 108 पेज का अनुभूति काव्य संग्रह राम नाम की माला के 108 मोतियों के समान है।

जनता की आवाज उठाने काम करता है कविः संदीप जायसवाल

विधायक संदीप जायसवाल ने जनकवि सुरेश सोनी के काव्य संग्रह अनुभूति के विमोचन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने नगर निगम से रिटायरमेंट के बाद भी अपनी काव्य यात्रा को जारी रखा, यह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि एक कवि व्यंग्य और वेदना को अपने शब्दों में पिरोकर जनता की आवाज को उठाने और जगाने का काम करता है। विधायक जायसवाल ने कहा कि में कभी कवि सम्मेलनों में नहीं जाता। यहां नेताओं को काफी टारगेट किया जाता है लेकिन नेताओं को आलोचना सुनना चाहिए। इससे न केवल हमे अपनी गलतियों का अहसास होता है, बल्कि सुधार का भी मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि नेता इतने भी बुरे नहीं होते। राजनीति बहुत कठिन काम है। आलोचना करना बहुत आसान है और नेगेटिव हमेशा उभकर सामने आता है। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि हम कभी गलती करते थे तो आप लोग ही हमे सही रास्ता दिखाने काम करते थे।

पिता के सपनों को बेटे ने किया पूराः आशीष शुक्ला

यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला ने कहा कि 80 साल की आयु में सुरेश सोनी ऋतुराज के काव्य संग्रह का विमोचन हो रहा है, इसके लिए में उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं। शुक्ला ने कहा कि आज इस मौके पर सोनी की धर्मपत्नी रूकमणी देवी सोनी का स्मरण जरूरी है, क्योंकि इस सफलता में उनका भी संघर्ष रहा है। उन्होंने कहा कि आशीष बहुत ही सौभाग्यशाली है, जो अपने पिता के सपनों को खुली आंखों से पूरा कर रहा है। यह अविस्वमीण पल है। इस सफलता में आशीष की जीवनसाथी शिल्पी का भी सहयोग रहा है। यह पूरा परिवार आदर्श एक परिवार है।

5 दशकों की काव्य यात्रा का परिचय एवं समीक्षा

कार्यक्रम के अगले वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने सुरेश सोनी ऋतुराज की पांच दशकों की काव्य यात्रा के संबंध में परिचय देते हुए कहा कि वे ऐसी सख्सियत हैं, जिनका परिचय कुछ शब्दों में नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि सोनी ने उस समय अपनी कविताओं की रचना की, जिस समय देश में इमरजेंसी लगी हुई थी। इसके बावजूद सोनी ने अपने कदम पीछे नहीं हटाए और सत्ता के खिलाफ पूरी जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ रचनाएं लिखी। वे किसी परिचय के मोहताज नहीं थे। मंचों पर उनकी उपस्थिति माहौल बनाने का काम करती थी। ठाकुर ने उनके जन्म से लेकर आज तक के सफर को अपने शब्दों में उल्लेख किया। इसके उपरांत शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ चित्रा प्रभात ने वरिष्ठ पत्रकार एवं जनकवि सुरेश सोनी ऋतुराज द्वारा रचित प्रथम काव्य संग्रह अनुभूति की समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इस काव्य संग्रह में समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को सामने लाने का प्रयास किया गया है।

बकायादारों पर की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही

विद्युत विभाग द्वारा समाधान योजना हेतु चलाया गया विशेष अभियान

कटनी (स्वतंत्र मत)। 18 अप्रैल को कटनी संचा/संधा संभाग अंतर्गत मुख्य अभियंता एस के गिरिया अधीक्षण अभियंता डी एन चौकीकर के निर्देशन में कार्यपालन अभियंता शरद विश्वकर्मा, समस्त सहायक एकनिष्ठ अभियंता एवं समस्त लाइन स्टाफ द्वारा वितरण केंद्रों खितौली, खलवारा, देवगांव, रीठी, बरही, कैमूर, सिंगोड़ी अंतर्गत विभिन्न ग्रामों कलेहरा, गुंडेहा, सलैया, सिहोरा, सक्रीगढ़, बरुआ, गोइंद्रा, भैंसवाही, धवैया, करौंदी कला, करौंदी खुर्द, बहिरघटा, धौरा, बंदरी, बॅकलेटा नया खेड़ा पिपरिया इत्यादि गांवों में अत्यधिक विद्युत बिल बकाया होने पर लगातार लाउडस्पीकर, पंपलेट, एवं स्टाफ द्वारा समाधान योजना में बिल भुगतान करने के लिए प्रेरित करने के बाद भी बिल भुगतान नहीं करने पर समाधान योजना अंतर्गत भुगतान कराए जाने हेतु विभिन्न स्थानों पर विद्युत बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही की गई जिसमें 687 बकायेदार उपभोक्ताओं पर कुल बकाया राशि 38.65 लाख रुपए बकाया होने पर वितरण केंद्र प्रभारियों एवं लाइन स्टाफ द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाही कर विद्युत विच्छेदन की गई। कार्यवाही में 9 दव ट्रांसफार्मर बन्द किए, 6 ग्रामो की निम्न दाब लाइन उतारी गई और अस्थाई लाइन विच्छेदन कर तार की जप्ती की गई, साथ की फील्ड पर उतरी विद्युत विभाग की टीमों द्वारा अवैधानिक रूप से विद्युत प्रयोग करने वाले उपभोक्ताओं को चिन्हित कर विद्युत अधिनियम की धारा 135/138 के तहत 28 नंबर प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिसको जल्द ही माननीय न्यायालय में लगाकर उचित कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है, समस्त बकायदार विद्युत उपभोक्ताओं से अपील किया जा रहा है, की बिल बकाया होने पर की गई लाइन विच्छेदन को बिल भुगतान करके ही नियमानुसार विभाग से चालू कराए, वैध कनेक्शन लेकर ही विद्युत का उपयोग करें और विद्युत अधिनियम की धारा 135/138 के तहत अप्रिय कार्यवाही से बचें।

श्री भूमि प्रकट शारदा माता का 53 वां प्राकट्य समारोह 20 अप्रैल को

कटनी (स्वतंत्रमत)। श्री भूमि प्रकट शारदा माता का 53 वां प्राकट्य समारोह 20 अप्रैल को प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अक्षय तृतीया दिन सोमवार को मनाये जाने की तैयारियों जोरों से चल रही हैं। श्री भूमि प्रकट शारदा माता ने अपने भक्त सावित्री बाई रजक की सेवा से प्रसन्न होकर स्वप्न में कहा था कि मैं तेरे घर के पास स्थित बिही के पेड़ के नीचे अक्षय तृतीया के दिन प्रकट होऊंगी। सन् 1973 में अक्षय तृतीया के दिन उसी बिही के पेड़ के नीचे सावित्री बाई के बरगवां स्थित मकान के पास प्रकट हुई थीं। तभी से माँ शारदा का प्राकट्य उत्सव हर वर्ष धूमधाम से मनाया जाता है इस वर्ष 53 वां प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 20 अप्रैल को दोपहर 12 बजे मां का प्राकट्य उत्सव एवं उसके पश्चात भण्डारे का विशाल आयोजन होगा तथा उसी दिन रात्रि 8 बजे से विशाल देवी जागरण वीनभगत जबलपुर के द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।

पॉलिटेक्निक की छात्राओं ने ट्रैफिक पाठशाला में सीखा सुरक्षित ड्राइविंग का हुनर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात संवर्धन शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को लेकर कटनी पुलिस द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। यातायात थाना कटनी में नवनिर्मित ट्रैफिक पाठशाला एवं अत्याधुनिक सिम्युलेटर कक्ष का अनुभव लेने हेतु आज गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज की छात्राओं ने थाने का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से यातायात नियमों, सड़क संकेतों और सुरक्षा मानकों की विस्तृत व तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वर्चुअल ड्राइविंग सिम्युलेटर रहा। 18 वर्ष से अधिक आयु की पात्र छात्राओं को सिम्युलेटर पर बैठाकर वास्तविक सड़क जैसी परिस्थितियों का अनुभव कराया गया। इससे छात्राओं ने बिना किसी जोखिम के सुरक्षित दशा में वाहन चलाने और सड़क की भाषा को व्यावहारिक रूप से समझा एवं पात्र छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। इस नवाचार का उद्देश्य युवाओं में यातायात के प्रति केवल डर नहीं, बल्कि समझ और जिम्मेदारी विकसित करना है। थाना प्रभारी एवं यातायात टीम द्वारा छात्राओं की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार चालक बनने हेतु प्रेरित किया गया।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया का कटनी नगर आगमन आज

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल भैया आज कटनी आंएगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अजय सिंह जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगे। साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से उनके प्रवास पर जाकर मुलाकात भी करेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के जरिए बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया सोमवार की दोपहर मैहर जिले से सड़क मार्ग द्वारा कटनी आंएगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह राहुल भैया दोपहर करीब डेढ़ बजे यहां पहुंचेंगे और आस्था प्लाजा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगे। इसके पश्चात पूर्व नेताप्रतिपक्ष अजय सिंह जिले के वरिष्ठ नेताओं के घर जाकर उनसे सौजन्य मुलाकात करेंगे।

लूट के मामले में फरार आरोपी दो साल बाद धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में 18 अप्रैल के कुठला पुलिस को थाना कुठला के लूट के अपराध में वर्ष 2024 से फरार आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। सूचनाकर्ता सुभाष राय निवासी ग्राम टूड़ा थाना शाहनगर जिला पन्ना द्वारा 06 जूलाई 2021 को पुलिस चौकी बस स्टैण्ड पर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई कि अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू व कट्टा दिखाकर उससे 90,000 रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन लूट लिया। जिसकी रिपोर्ट पर थाना कुठला में अपराध क्रमांक 487/21 धारा 392,397,171,364-ए,419 भादवि, 25 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई विवेचना के दौरान प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी21टीए1555 की पहचान कर उसकी तलाश की गई। वाहन चालक विपेन्द्र उर्फ शानू सिंह से पूछताछ कर कथन लेख किये गये जिसके आधार पर ग्राम धौरा में दबिश देकर आरोपी राकेश यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से लूटी गई नगदी राशि एवं मोबाइल बरामद किया गया, आगे विवेचना में आरोपी राकेश यादव के मेमोरेण्डम के आधार पर ग्राम डिठवारा में दबिश देकर आरोपी राजू उर्फ रामकृष्ण सिंह एवं अनिल कोल को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से पृथक-पृथक पूछताछ कर उनके कब्जे से लूट की नगदी, एयरगन पिस्टल, धारदार चाकू, नकली गांजा जैसे पैकेट तथा पुलिस वर्दी एवं घटना में प्रयुक्त वाहन को जप्त किया गया। मामले की विवेचना पूर्ण कर चालान माननीय न्यायालय में पेश किया गया जिसके बाद से मामले का आरोपी राकेश यादव पिता गुड्डीलाल यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम धौरा थाना बड़वारा जिला कटनी, राजू उर्फ रामकृष्ण सिंह पिता रामनारायण सिंह राठौर उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम डिठवारा थाना विजयराघवगढ जिला कटनी, अनिल कोल पिता अशोक कोल उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम डिठवारा थाना विजयराघवगढ जिला कटनी के विरुद्ध चालान माननीय न्यायालय में पेश किया गया, विचारण उपरान्त मामले के आरोपियों को 7 वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित किया गया था किन्तु आरोपी अनिल कोल उर्फ लल्लू उर्फ पऊआ पिता अशोक कोल उम्र 27 वर्ष निवासी डिठवारा थाना कुठला कटनी का निर्णय के बाद से लगातार फरार चल रहा था जिसके पश्चात माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध गिरफ्तारी वारण्ट जारी किया गया जिसके बाद से उक्त आरोपी की पता तलाश की जा रही थी कि 18 अप्रैल को मुखबिर से सूचना प्राप्त होन पर एक व्यक्ति जामुन के पेड़ के नीचे महाकाली मन्दिर डिठवारा में लोहे की धारदार चाकू लिये संज्ञेय अपराध करने के आशय से बैठा मिला मिला जिससे उसका नाम पता पूछने पर अपना नाम अनिल कोल उर्फ लल्लू उर्फ पऊआ पिता अशोक कोल उम्र 27 वर्ष निवासी डिठवारा थाना कुठला कटनी का होना बताया जिसके कब्जे से धारदार लोहे की बकानुममा चाकू को जप्त किया।

सुरशित बैंकिंग के लिए कटनी पुलिस अलर्ट, जिलेभर में बैंक एटीएम की गहन चेकिंग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा बैंकिंग एवं साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में कटनी पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न बैंक एवं एटीएम परिसरों में सघन सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा बैंक परिसरों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इसमें मुख्य प्रवेश द्वार, एटीएम कक्ष, काउंटर क्षेत्र एवं पार्किंग स्थल का भौतिक सत्यापन शामिल रहा। साथ ही बैंक प्रबंधन को सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिनमें- सीसीटीवी कैमरों की नियमित मॉनिटरिंग, अलार्म सिस्टम की कार्यशीलता सुनिश्चित करना, सुरक्षा गार्डों की सतर्क तैनाती जैसे महत्वपूर्ण बिंदु प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अतिरिक्त बैंक में उपस्थित ग्राहकों को भी सुरक्षित लेन-देन के लिए जागरूक किया गया। उन्हें किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने तथा साइबर एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी गई।

कटनी पुलिस द्वारा यह अभियान आमजन की सुरक्षा, सुरक्षित बैंकिंग व्यवस्था तथा अपराध मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु लगातार संचालित किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से सहयोग, सतर्कता एवं जागरूकता बनाए रखने की अपील की गई है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

शिव महापुराण बना आस्था का महाकुंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ हन्तला की पावन धरती इन दिनों भक्ति श्रद्धा और दिव्यता से सराबोर है। जहां आयोजित दिव्य शिव महापुराण कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आस्था का जीवंत उत्सव बन गई है। कथा स्थल पर पड़ रहे महान संतों के चरणों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित कर दिया है। कथा व्यास महंत स्वामी सीताराम शरण जू महाराज (लोडा पहाड़) के मुखारविंद से प्रवाहित हो रही शिव महापुराण की अमृतधारा श्रद्धालुओं के हृदय को छू रही है। संगीतमय शैली में प्रस्तुत यह कथा हर श्रोता को भक्ति के रस में डुबो रही है। इस आयोजन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह आयोजन प्रमुख श्रोता तरुण उपाध्या द्वारा अपने पुत्र राघव के जन्मदिवस के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था के साथ कराया जा रहा है। कथा के दौरान जब बाल संत महाराज लोडा वाले महाराज के पावन चरण पड़े तो वातावरण पहले ही दिव्यता से भर उठा था। इसके पश्चात मैहर बड़े अखाड़ा से पधारे बल्लभ शरण के आगमन ने इस आयोजन को और भी गौरवपूर्ण बना दिया। श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत कर अपनी आस्था प्रकट की। अपने ओजस्वी उद्बोधन में बल्लभ शरण ने कहा मनुष्य को भगवान के श्रीचरणों की प्राप्ति तभी होती है जब उस पर गुरु की कृपा होती है। गुरु ही जीवन को सच्चाई के मार्ग पर चलाना सिखाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिव महापुराण स्वयं में दिव्य स्वरूप है जिसका श्रवण करने वाला न केवल अपने जीवन के कष्टों से मुक्त होता है बल्कि इसका पुण्य कई पीढ़ियों तक फल देता है। उन्होंने उपाध्या परिवार की इस पहल को सराहते हुए ईश्वर की निरंतर कृपा की कामना की। 10 दिवसीय इस भव्य आयोजन में विनोद उपाध्या, ललित उपाध्या, रामनिवास उपाध्या, जय भोले मिश्रा, श्रीनिवास, रामखेलावन, मयंक, आदित्य, श्रवण, सूर्यांश, कुंज बिहारी, सिद्धि, तन्वी, मानवी, राघव सहित अनेक श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। पूरे आयोजन की भव्यता अपने आप में अद्वितीय है। विशाल पंडाल सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था आकर्षक स्वागत द्वार जगह-जगह जलपान की सुविधा और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था इस आयोजन को ऐतिहासिक बना रही है। दूर-दूर से उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि यह आयोजन जन-जन की आस्था का केंद्र बन चुका है।

सांसद ने कटनी में सुना प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संदेश

देश की मातृ शक्ति कांग्रेस सहित विपक्ष को समय आने पर करारा जवाब देगी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को बुधवार रात्रि कटनी जिला भाजपा कार्यालय में सांसद वीडी शर्मा की उपस्थिति में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि देश की मातृ शक्ति को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी मिलना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। संबोधन के उपरांत सांसद वीडी शर्मा ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य का हवाला देते हुए कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को सुधार विरोधी पार्टी बताया है, जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आवश्यक नीतिगत फैसलों के मार्ग में बार-बार बाधा बनती रही है। सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में जनधन योजना, आधार, डिजिटल भुगतान प्रणाली, महिला सशक्तिकरण के प्रयास, सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण तथा ट्रिपल तलाक कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख किया। इन सभी मुद्दों पर कांग्रेस ने समर्थन देने के बजाय विरोध का रास्ता अपनाया। उन्होंने आगे कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन, नागरिकता संशोधन कानून और समान नागरिक संहिता जैसे अहम विषयों पर भी कांग्रेस का रुख सकारात्मक नहीं रहा है।

प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की राजनीति का तरीका फैसलों को लटकाने, अटकाने और भ्रम फैलाने पर आधारित रहा है। सांसद वीडी शर्मा ने नारी शक्ति वंदन के अंतर्गत महिला आरक्षण विधेयक पर भी विपक्ष को घेरते हुए कहा कि सुनियोजित तरीके से इस महत्वपूर्ण बिल को पारित होने से रोकने का प्रयास किया गया, जो महिलाओं के अधिकारों के प्रति उनकी नकारात्मक सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश की मातृ शक्ति इसका जवाब समय आने पर अवश्य देगी। कांग्रेस और सहयोगी विपक्ष ने मातृ शक्ति के अधिकारों के हनन का पाप किया है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पीताम्बर टोपनानी, जिला उपाध्यक्ष रवि खरे, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष मृदुल मिश्रा, सुरेश सोनी, अम्बरीष वर्मा, आशीष गुप्ता बाबा, मनीष दुबे, भावना सिंह, आशुतोष शुक्ला, सचिन तिवारी, ऋचा गेलानी, शमीम बानो, बीना बैनर्जी, शकुंतला गौतम, पार्वती तामिया, रजत जैन, सौरभ अग्रवाल, प्रदीप उपाध्याय, अनुराग त्रिसोलिया, अभिषेक शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, सुमित जायसवाल, सौरभ दुबे, हर्ष पांडे, पारस जैन, आशु पटवा, अभिषेक विश्वकर्मा, कुशल मिश्रा, अरशिव सेन, शिवम मिश्रा, देवांश श्रीवास्तव सचिन निषाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोलकाता नाइट राइडर्स की सीजन में पहली जीत

राजस्थान को 4 विकेट से हराया, रिंकू का नाबाद अर्धशतक, वरुण-कार्तिक को 3-3 विकेट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स को रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से मात दी। ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 155 रन बनाए, इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने लगातार विकेट गिरने के बावजूद अंत में रिंकू सिंह और अनुकूल की दमदार साझेदारी की बदौलत दमदार जीत हासिल की। रॉयल्स के 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स की टीम 14वें ओवर में 85 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन रिंकू (नाबाद 53 रन, 34 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) और अनकूल रॉय (नाबाद 29, 16 गेंद, दो छक्के, एक चौका) के बीच सातवें विकेट की 37 गेंद में 76 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। सात मैच में पहली जीत दर्ज करने के बाद नाइट राइडर्स की टीम तीन अंक के साथ 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। लगातार दूसरी हार के बाद रॉयल्स की टीम छह मैच में आठ अंक के तीसरे स्थान पर है।

155 रनों का लक्ष्य-राजस्थान रॉयल्स ने ईडन गार्डन्स में रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 155 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने 46 जबकि यशस्वी जायसवाल ने 39 रन बनाए। नाइट राइडर्स की तरफ से वरुण चक्रवर्ती और कार्तिक त्यागी ने तीन-तीन, जबकि सुनील नारायण ने दो विकेट चटकाए। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को शुरुआती दो ओवर में दो झटके लगे हैं। सलामी बल्लेबाज टिम साइफर्ट और अजिंक्य रहाणे बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए हैं।

अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने ताकेरू युज़ुकी के साथ जीता बुसान ओपन टेनिस युगल खिताब

बुसान। भारतीय टेनिस खिलाड़ी अनिरुद्ध चंद्रशेखर और उनके जापानी जोड़ीदार ताकेरू युज़ुकी ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बुसान ओपन 2026 एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट का युगल खिताब जीत लिया।आज यहां खेले गये मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त अनिरुद्ध चंद्रशेखर और ताकेरू युज़ुकी ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के जीन-जुलियन रोजर और अमेरिका के थियोडोर वाइनगर को 4-6, 6-3, 10-7 से हराया।भारत-जापानी जोड़ी ने तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन दूसरे सेट के आठवें गेम में एक अहम ब्रेक लेकर वापसी की और मैच को सुपर-टाईब्रेकर तक पहुंचाया, जिसे उन्होंने जीत लिया।अनिरुद्ध चंद्रशेखर और ताकेरू युज़ुकी ने बुसान में युगल ड्रॉ के शुरुआती दो राउंड बिना कोई सेट गंवाए आसानी से पार कर लिए; उन्होंने दक्षिण कोरिया के स्थानीय वाइल्डकार्ड जोड़ीदार सुक एन-ग्यून-जून किम और ब्रिटेन की जोड़ी बेन जोन्स-जोशुआ पेरिस को हराया। सेमीफाइनल में, दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने सुपर-टाईब्रेकर में भारतीय जोड़ी ऋत्विक बोलिपल्ली और अर्जुन काधे को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।यह अनिरुद्ध चंद्रशेखर का इस सीजन का पहला खिताब था।

सारा एक्स गोल्फ कोड ने जीता डीजीसी मेम्बर्स लीग का खिताब

नयी दिल्ली। सारा एक्स गोल्फ कोड ने जबरदस्त वापसी करते हुए, ऐतिहासिक दिल्ली गोल्फ क्लब में संपन्न हुई दिल्ली गोल्फ क्लब मेंबर्स लीग के 5वें संस्करण में बाले गोल्फ को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।दिल्ली गोल्फ क्लब में खेला गया यह फाइनल किसी परी कथा जैसा था।सारा एक्स गोल्फ कोड और बाले गोल्फ के बीच जिस मुकाबले का बेसब्री से इंतज़ार था, उसकी शुरुआत में बाले गोल्फ ने पहले दो गेम जीतकर शुरुआती बढ़त बना ली।फिर मैदान में उतरे बेमिसाल प्रताप सिंह अटवाल और उनके जोड़ीदार ईशान कपूर।लीग में गोल्फ की गेंद को सबसे ज़्यादा दूर तक हिट करने वाले अटवाल ने सारा एक्स गोल्फ कोड को मुकाबले में वापस ला खड़ा किया, और उनके लिए तीसरा गेम जीत लिया। हालाँकि, बाले गोल्फ के युवा खिलाड़ी आदित्य मिश्रा-जिनकी उम्र महज़ 14 साल है-ने अपने जोड़ीदार आशीष नाथ के साथ मिलकर बाले के लिए चौथा गेम जीता, और अपनी टीम की दो गेम की बढ़त को बरकरार रखा; जबकि अभी तीन गेम बाकी थे।

मैच के आधे पड़ाव तक, बाले गोल्फ 7 में से 5 गेम में आगे चल रही थी-यह एक ऐसी स्थिति थी जो बड़े से बड़े विरोधी पर भी दबाव डालने के लिए काफी थी।लेकिन, सारा एक्स गोल्फ कोड-जिसकी टीम में क्लब के कुछ बेहतरीन च्मैचप्लेज् गोल्फर शामिल थे-ने हार नहीं मानी; उन्होंने धैर्य और दृढ़ता का परिचय देते हुए, ज़बरदस्त जुझारूपन के साथ वापसी की।

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल बढ़ा सकती है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाला बढ़ाया जाना तय नजर आता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई साल 2027 एकदिवसीस विश्वकप को देखते हुए अगरकर का करार एक साल बढ़ा सकती है। अगरकर का कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त होने वाला है। बोर्ड का मानना है कि विश्वकप से पहले चयन समिति में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। बीसीसीआई अगरकर की उपलब्धियों से भी संतुष्ट है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी जीती है।

क्लासेन ऑरेन्ज कैप, कंबोज पर्पल कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचे

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के बाद आईपीएल के इस 19 वें सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं, वहीं सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज नंबर एक पर पहुंचने के साथ ही पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो क्लासेन ने इस मैच में 59 रनों की पारी खेलकर अब तक सत्र में सबसे अधिक रनों के मामले में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए।

चावल, दालों में तेजी, चीनी नरम

खाद्य तेलों में घट-बढ़ का दौर

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ दालों में भी तेजी रही।चीनी के भाव टूट गये जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 84 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,843 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं की कीमत 2,770 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा आठ रुपये सस्ता हुआ और 3,270 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया।सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 49 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।चना दाल 23 रुपये और मूंग दाल 22 रुपये मजबूत हुई।मसूर दाल नौ रुपये और तुअर दाल चार रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त में रही।बीते सप्ताह मूंगफली तेल 303 रुपये और पाम ऑयल 142 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ।वनस्पति की कीमत 104 रुपये और सोया तेल की 76 रुपये बढ़ गयी।सरसों तेल 38 रुपये और सूरजमुखी तेल 22 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।वहीं, चीनी भी 20 रुपये सस्ती हुई।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ, रिलायंस और इन्फोसिस को नुकसान

मुंबई। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार उछाल देखने को मिला, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों को मिला। इस दौरान आठ प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार में इस सकारात्मक रुझान के चलते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 5.77 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 5.88 प्रतिशत के मजबूत लाभ में रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की खबरों ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया, जिससे शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। इस तेजी में निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में जिन कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, उनमें एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। इसके विपरीत, दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन्फोसिस की बाजार हैसियत में मामूली गिरावट आई।

आंकड़ों के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया। इनके अलावा, बजाज फाइनेंस ने 60,980.35 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो ने 47,624.97 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल ने 45,873.43 करोड़ रुपये का इजाफा दर्ज किया। एसबीआई का मार्केट कैप 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़ा।

इस सकारात्मक रुझान के विपरीत इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई। बाजार पूंजीकरण के मामले में, रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी 18.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा।

एफपीआई ने अप्रैल में पूंजी बाजार से निकाले 58,403 करोड़ रुपये

मुंबई।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से कुल 58,403 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।शुद्ध निकासी, बाजार में लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है।यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में बिकवाल दिख रहे हैं।इससे पहले मार्च में उन्होंने रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी।केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अप्रैल में अब तक इक्विटी में 43,419 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है, लेकिन म्यूचुअल फंड में उन्होंने शुद्ध रूप से पैसा लगाया है।डेट में उन्होंने 15,320 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।हाइब्रिड उपकरणों से भी उन्होंने 13.5 करोड़ रुपये निकाले हैं।म्यूचुअल फंड में अप्रैल में एफपीआई का शुद्ध निवेश 350 करोड़ रुपये रहा है। एफपीआई ने मौजूद कैलेंडर वर्ष में भारतीय पूंजी बाजार में 1,76,617 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से ही उन्होंने 1,74,540 करोड़ रुपये निकाले हैं।

मार्च में घरेलू एलपीजी की खपत 13 प्रतिशत घटी

ईरान जंग की वजह से सप्लाई प्रभावित; पेट्रोल-डीजल की डिमांड 8 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग की वजह से मार्च में देश की रसोई गैस सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। आधिकारिक डेटा के मुताबिक, पिछले महीने यानी मार्च में घरेलू एलपीजी की खपत में 13 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। सप्लाई में आई इस कमी की मुख्य वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जलमार्ग का बंद होना और खाड़ी देशों से सप्लाई प्रभावित होना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में एलपीजी की खपत 2.379 मिलियन टन रही। यह पिछले साल इसी अवधि में हुई 2.729 मिलियन टन खपत के मुकाबले करीब 13प्रतिशत कम है।भले ही मार्च में खपत कम रही हो, लेकिन पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में एलपीजी की कुल खपत 6प्रतिशत बढ़कर 33.212 मिलियन टन रही है। इसका मुख्य कारण सरकार द्वारा लकड़ी और अन्य प्रदूषित ईंधनों की जगह स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है।

जंग के कारण आयात में आई रुकावट-भारत अपनी एलपीजी जरूरत का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग प्रभावी रूप से बंद हो गया है।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से होने वाली सप्लाई बाधित होने के बाद सरकार ने घरेलू रसोई की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटलों और उद्योगों जैसी कॉमर्शियल संस्थाओं की सप्लाई में कटौती की है।

कॉमर्शियल और घरेलू गैस बिक्री के आंकड़े-पीपीएसी डेटा के मुताबिक, मार्च में घरों को बेचे गए घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बिक्री में 8.1प्रतिशत की गिरावट आई और यह 2.219 मिलियन टन रही। वहीं नॉन-डोमेस्टिक या कॉमर्शियल यूजर्स की बिक्री में लगभग 48 प्रतिशत की कमी आई है। थोक एलपीजी की बिक्री में तो 75.5प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

सीआईआई ने दिया राष्ट्रीय औद्योगिक भूमि बैंक बनाने का सुझाव

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने देश में उद्योगों के विकास को गति देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक भूमि बैंक बनाने का सुझाव दिया है।परिसंघ की रविवार को जारी रिपोर्ट में कहा इस बात पर जोर दिया गया है कि निवेश को तेज करने, परियोजनाओं में लगने वाले समय को कम करने और देश को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए औद्योगिक भूमि तक कुशल और पारदर्शी पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है।सीआईआई का कहना है कि विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स के लिए औद्योगिक भूमि एक बुनियादी संसाधन है।विभिन्न राज्यों में वर्तमान व्यवस्था खंडित प्रक्रियाओं, जटिल विनियमों, अस्पष्ट भूमि शीर्षक, कब्ज़ा मिलने में देरी और आवंटित भूमि के कम उपयोग जैसी समस्याओं से ग्रस्त है।इनके कारण पूंजी लागत बढ़ती है, परियोजनाओं में देरी होती है, और विशेष रूप से छोटे तथा मझौले उद्योगों और बिल्कुल नयी परियोजनाओं के प्रति निवेशकों का विश्वास कमजोर होता है।रिपोर्ट की एक प्रमुख सिफारिश एकीकृत और जीआईएस-सक्षम राष्ट्रीय औद्योगिक भूमि बैंक की स्थापना है जिससे भूमि की उपलब्धता, जोनिंग स्थिति, उपयोगिताओं, पर्यावरणीय बाधाओं और स्वामित्व की स्पष्टता पर तत्काल जानकारी प्राप्त हो सके।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से उतार-चढ़ाव भरा रहा शेयर बाजार का सप्ताह

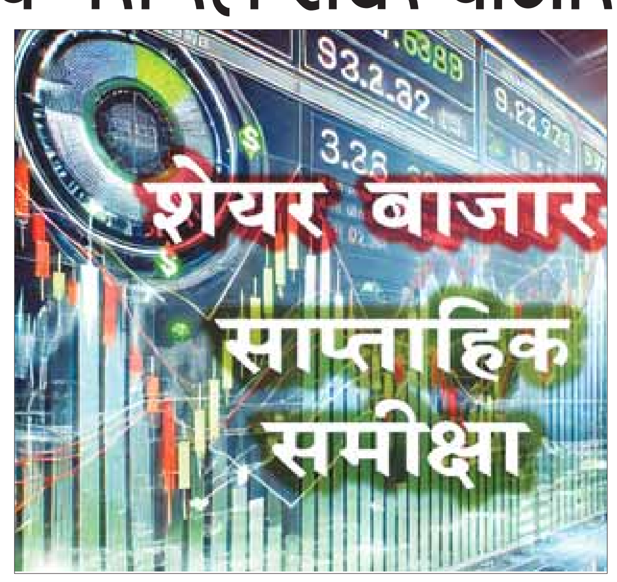

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंततः 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह पाई। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में दिन भर बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार खुलने के बाद मजबूती दिखी, लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया और अंततः 122.56 अंक की मामूली गिरावट के साथ 77,988.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,200 से नीचे आ गया। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों पर दबाव दिखा। सत्र के दौरान सेंसेक्स में 1,055 अंकों से अधिक का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जिसने बाजार की अनिश्चितता को उजागर किया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बाजार ने सुस्त शुरुआत की, लेकिन अंततः हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजारों में नरमी और कच्चे तेल के भाव में स्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की। सेंसेक्स 504.86 अंक बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर पहुंच गया। कुल मिलाकर यह सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति भारतीय बाजार की संवेदनशीलता और उसकी अंतर्निहित लचीलेपन दोनों को दर्शाता है।

सामूहिक विवाह बढ़ाते हैं समाज में समरसताः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह के अंतर्गत 112 नवदंपत्तियों का विवाह संपन्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले को दी 58 करोड रुपए के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल (स्वतंत्र मत।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह समाज में समरसता और अपनत्व की भावना बढ़ाते है। उन्होंने कहा कि वैवाहिक संस्कार एक दिन का आयोजन नहीं बल्कि अक्षय मूल्यों और अक्षय संस्कारों की स्थापना हैं। विवाह संस्कार दो परिवार को जोड़ने का प्रसंग होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में नगर निगम द्वारा क्षिप्रा तट स्थित कार्तिक मेला मैदान पर आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अक्षय तृतीया के पवित्र दिवस पर बाबा श्री महाकाल और माँ हर सिद्धि की कृपा से 112 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की पावन धरा पर धर्म का सबसे अनूठा संगम हो रहा है। एक ओर बेटियों का कन्यादान कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर सिंहस्थ 2028 के लिए विकास कार्यों की आधारशिला रखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह संस्कार जितना सरल, संस्कारित और सामाजिक सहयोग से होगा, उतना ही समाज संतुलित और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा भी बेटे का विवाह 4 माह पूर्व सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया गया था।

एक लाख 57 हजार 769 विवाह संपन्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों के हाथ पीले

करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना वरदान बन गई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत 13 दिसंबर 2023 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में कुल 1 लाख 57 हजार 769 हितग्राहियों का विवाह एवं निकाह संपन्न कराया गया है। इसके लिये लगभग 867 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उज्जैन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में कुल 641 जोड़ों का विवाह एवं निकाह संपन्न कराया गया है, जिसमें 3 करोड़ 52 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि सरकार द्वारा प्रदान की गई।

इन विकास कार्यों का हुआ भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 को श्रद्धालुओं का अनुभव आध्यात्मिक और सुविधापूर्वक बनाने के लिए लगभग 21 करोड़ रुपए से हरसिद्धि की पाल से रामघाट मार्ग का चौड़ीकरण, 13.30 करोड़ रुपए की लागत से श्री महाकाल लोक में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड निर्माण का कार्य,4.55 करोड़ रुपए से नीलगंगा सरोवर का पुनर्जीवन का कार्य,1.11 करोड़ रुपए से सोलह सागर के पुनर्जीवन का कार्य,1.59 करोड़ रुपए की लागत से कालिदास उद्यान को आधुनिक रूप से विकसित करने का कार्य,7.73 करोड रुपए से विक्रम कीर्ति मंदिर परिसर सभागार के संरक्षण और बांगड भवन को मुद्रा संग्रहालय के रुप में विकसित करने का कार्य, 8.55 करोड़ रुपए की लागत से विक्रम कीर्ति संग्रहालय को एक आधुनिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप प्रदान करने के कार्यों का भूमि पूजन अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर किया जा रहा है।

नवीन हेलीपैड का निर्माण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के लिए मुरलीपुरा के पीछे सदावल में नवीन हेलीपैड का निर्माण हो रहा है। साथ ही उज्जैन में नवीन एयरपोर्ट का निर्माण भी हो रहा है। यह सब कार्य सिंहस्थ 2028 में आने वाले 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान करेंगे। साथ ही प्रशासन को भीड़ प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के साथ श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव आध्यात्मिक और सुखद बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा अंतर्गत भोपाल से राजा राम की नगरी ओरछा और चंदेरी के लिए नवीन हेलीकॉप्टर सेवा आज से शुरू की गई है। पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा वर्तमान में आध्यात्मिक सेक्टर इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर के साथ वाइल्ड लाइफ सेक्टर जबलपुर, कान्हा, बांधवगढ़, चित्रकूट और मैहर के बीच सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है।

किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों में 4 से बढ़ाकर 6 किए गये तौल कांटे : मंत्री राजपूत

अब तक एक लाख 36 हजार 237 किसानों से 59 लाख 48 हजार 980 क्विंटल गेहूं की खरीदी

भोपाल (स्वतंत्र मत।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या चार से बढ़कर 6 कर दी गई है। इससे समय पर किसानों द्वारा लाये गए गेहूं की तुलाई हो सकेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक एक लाख 36 हजार 237 किसानों से 59 लाख 48 हजार 980 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 575 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 4 लाख 62 हजार 19 किसानों द्वारा 1 करोड़ 97 लाख 29 हजार 339 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। गेहूँ की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है। सेटेलाइट ई-मेल में मिलान नहीं पाए गए खसरों को छोड़कर उसी किसान के शेष खसरों पर गेहूँ की फसल विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई है। उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये प्रतिदिन प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूँ विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल की गई है।

उपार्जन केंद्र में किसानों के लिये गेहूँ बिक्री की सभी सुविधाएं

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि उपार्जन केंद्रों में गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट,

गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। गेहूँ के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के सुरक्षित भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उपार्जित गेहूँ में से 49 लाख 47 हजार 190 क्विंटल गेहूँ का परिवहन किया जा चुका है।

19 लाख 4 हजार किसानों ने कराया पंजीयन

प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष युद्ध की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है।

प्रदेश में अब तक 2939 स्थानों पर हुई जांच, 4547 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल (स्वतंत्र मत।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2939 स्थानों पर जांच की गई, 4547 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 12 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 764 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। मंत्री श्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70प्रतिशत सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग को उनके यहां रजिस्टर्ड 44 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्रोजेक्ट को चालू करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 44 जिलों में 136 बायोगैस प्लांट संचालित होना बताया गया है। इन बायोगैस प्लांटों को क्रियाशील करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा

दमोह (स्वतंत्र मत।

भगवान विष्णु के छठवें अवतार एवं विप्र कुल शिरोमणि भगवान परशुराम का प्राकट्योत्सव आज सोमवार को पूर्ण भक्तिभाव एवं भव्यता से मनाया जाएगा। प्रवक्ता बीएम दुबे ने बताया कि आज प्रातः 8 बजे पॉलिटेक्निक के पास परशुराम टेकरी पर भगवान परशुराम का पूजन, अर्चन, हवन एवं प्रसाद वितरण होगा। प्रातः 10 बजे से शिव पार्वती मंदिर में सुंदरकांड प्रारंभ होगा एवं शाम 5 बजे यहीं से एक भव्य शोभा यात्रा प्रस्थान करेगी जो कोऑपरेटिव बैंक चौराहा, बस स्टैंड, स्टेशन चौराहा, राय चौराहा, घंटाघर, अस्पताल चौराहा, कोऑपरेटिव बैंक चौराहा होते हुए शिव पार्वती मंदिर पर समापन होगा तथा यहां पर शाम 7:30 बजे विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

4 करोड़ 70 लाख के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत।

इतिहास केवल प्रमाणों से नहीं बल्कि लोककथाओं, शास्त्रों और परंपराओं से भी समझा जाता है जो समाज को दिशा देते हैं। कुण्डलपुर में स्थित रुक्मणी मठ और बड़े बाबा मंदिर स्थल सदियों पुरानी आस्था के प्रतीक हैं। इन स्थलों की दिव्यता, भव्यता और स्वच्छता बनाए रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। इस आशय के विचार पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कुंडलपुर स्थित रुक्मणी माता परिसर के विकास कार्यो के लोकार्पण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर तहसील पटेरा के मेरिट में आने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा जिस मूर्ति को लेकर विवाद था, उसकी पहचान को लेकर स्पष्टता नहीं थी यहां तक कि स्वयं उन्होंने भी उसे पहले कभी नहीं देखा था। विभिन्न

लोगों द्वारा प्रस्तुत चित्र भी गलत पाए गए जिससे भ्रम और बढ़ा। इसके बावजूद यह स्पष्ट किया गया कि जो मूर्ति चोरी हुई थी और बाद में ज़ब्त की गई उसे ही वापस लाना प्राथमिकता होनी चाहिए न कि उसकी पहचान को लेकर अनावश्यक विवाद करना। इसी दृष्टिकोण के चलते मूर्ति की वापसी का रास्ता प्रशस्त हुआ। उन्होंने इस पहल का श्रेय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जिनके कार्यकाल में एक महत्वपूर्ण नीति बदलाव किया गया। इस नई नीति के तहत यह सुनिश्चित किया गया कि चोरी हुई मूर्तियों को उसी स्थान पर वापस स्थापित किया जाए जहां से वे चोरी हुई थी। यह पहल न केवल सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि देश की ऐतिहासिक पहचान को मजबूत करने का भी प्रयास है। संस्कृतिए पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने दमोह जिले में रुक्मणी माता मंदिर परिसर के नवनिर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग 4.70 करोड़ की लागत से तैयार हुआ यह परिसर क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देगा। उन्होंने कहा पिछली यात्रा की तुलना में अब मंदिर परिसर का स्वरूप काफी आकर्षक हो गया है, विशेष रूप से तालाब के जीर्णोद्धार कार्य की सराहना की।

जिले में डीएवी ज्ञानोदय विद्या मंदिर का दबदबा

दमोह (स्वतंत्र मत।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणामों में स्थानीय डीएवी ज्ञानोदय विद्या मंदिरए नरसिंहगढ़ के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। सत्र 2025-26 के परीक्षाफल में संपूर्ण जिले में विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 14 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय ने समग्र रूप से मध्यप्रदेश जोन सी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही विद्यालय की छात्रा नंदिनी श्रीधर ने भी 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय में बल्कि संपूर्ण दमोह जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और नगर का गौरव बढ़ाया है।

नंदिनी श्रीधर 98.6 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में अब्बल

परीक्षा परिणामों के अनुसार नंदिनी श्रीधर 98.6 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहीं। वहीं नमन उपाध्याय और प्रांशु पटेल ने 96.8 प्रतिशत अंक साझा कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अपूर्वा श्रीवास्तव 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। विद्यालय के विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस वर्ष विद्यार्थियों ने कठिन विषयों में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। गणित विषय में नंदिनी श्रीधर और सागर सेन ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। वहीं एफआईटी विषय में गौरी तिवारी और प्रांशु पटेल ने भी 100 में से 100 अंक अर्जित कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रमाणित किया।

नीमा का स्थापना दिवस संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत।

शनिवार को नीमा का स्थापना दिवस मनाया गया। इसके मुख्य अतिथि डॉ. कल्याण सिंह ठाकुर महासचिव जबलपुर उपस्थित रहे। जिसमें सर्वप्रथम भगवान धनवंतरि की पूजा अर्चना एवं कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. कल्याण सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि नीमा की स्थापना 13 अप्रेल 1948 में की गई थी जो कि यह कार्यक्रम की 13 से 20 अप्रैल तक मनाया जाता हैं। नीमा की करीब तेरह सो शाखा पूरे भारत संचालित हो रही हैं इसका उद्देश्य मानव सेवा था एवं स्वास्थ्य की देखभाल करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सीएल नेमा ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजकुमार पटेल, नीमा के सेकेट्री डॉ सुरेन्द्र पटेल, कोषाध्यक्ष डॉ गंगाराम पटेल, उपाध्यक्ष डॉ. संतोष गोयल मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नीमा के लाइफटाइम मेंबरशिप

डॉक्टरों को सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। अंत में डॉ. आरके गांगरा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में अन्य डॉक्टरों की उपस्थित रहे। डॉ. प्रदीप शेन्डेय, डॉ. आरपी श्रीवास्तव, डॉ. चेतन जैन, डॉ. ईसी जैन, डॉ तूफेक खान, डॉ. एससी सिंघई, डॉ. कयूम अली खान, डॉ. श्रीपद शिंदे, डॉ. आरके जैन, डॉ. अर्क विद्यार्थी, डॉ. प्रद्युम्न नेमाड़े, डॉ. दिलीप गुप्ता, डॉ. ईके, डॉ. राहुल जैन, डॉ. शिवा मिश्रा, डॉ.नीरज विश्वास, डॉ. योगेश पटेल, डॉ. एमएल नेमा, डॉ दीपक जैन ,डॉ कृष्ण कुमार असाटी, सत्यम पटेल, डॉ. अजय वर्मा, डॉ. अनंतराम पटेल अन्य डॉ उपस्थित रहे। संचालन डॉ. सौरभ चौधरी ने किया। आभार डॉ गंगाराम पटेल ने माना।

घुटरिया के पास अनियंत्रित कार पलटी दो युवक घायल

हटा। गैसाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत घुटरिया गांव के पास एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें चालक सहित दो लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। डायल 112 के आरक्षक सोनू कुर्मी और पायलट देवकरण दहिया ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को वाहन से सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए हटा सिविल अस्पताल पहुंचाया। हादसे में घायल युवकों की पहचान सूरज अहिरवार और सोनू अहिरवार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर एमपी34जेडएफ8027 है। फिलहाल हादसे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जमीन विवाद पर पिता पुत्र को गोली मारी

दमोह। दमोह जमीनी विवाद में शादी समारोह के दौरान हरद्वानी गांव में पिता-पुत्र को गोली मार दी गई। इस घटना में 52 वर्षीय नरेश पटेल और उनके 30 वर्षीय बेटे सत्य प्रकाश पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में सीएसपी के साथ देहात थाना पुलिस तैनात की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों से बात कर यह पता लगाया जा रहा है कि कितने राउंड गोलियां चली थीं।

ज्योतिषाचार्य डॉ. रज्जन पटैल को भारतीय प्राचीन वास्तुशास्त्र में पीएचडी उपाधि प्राप्त

दमोह (स्वतंत्र मत।

यदि मन में चाहत एवं परिश्रम के लिए हो तैयार तो जीवन में मनुष्य बहुत कुछ कर सकता है एवं उच्च अध्ययन व शोध के लिए उम्र एवं परिस्थितियां भी बाधक नहीं बनती। यह सिद्ध कर दिखाया दमोह के ज्योतिषाचार्य डॉ. रज्जन पटैल ने जिन्होंने 53 वर्ष की उम्र में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन से भारतीय प्राचीन वास्तुशास्त्र में शिक्षा जगत की उच्चतम डिग्री पीएचडी उपाधि प्राप्त की। पीएचडी का शोध विषय वास्तुपुरुषमण्डल के देवों के आधार पर गृहों की प्रायोगिक समीक्षा।

जिसके लिए पटैल ने भारतीय सनातन ग्रंथों में से वेद, पुराण, उपनिषद, दर्शन, गृहसूत्र, बाल्मीकि रामायण, ज्योतिष एवं प्राचीन वास्तुशास्त्र के सैकड़ों ग्रन्थों का सतत 6 वर्षों तक अध्ययन किया एवं अपने शोध प्रबन्ध में गागर में सागरों को समा दिया। इस शोध कार्य में 130 मकानों पर प्राचीन वास्तु सिद्धांतों के अनुसार दमोह जिले के साथ-साथ छतीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश के मकानों का वास्तु सिद्धांतों के नियमों व सिद्धान्तों अनुसार सर्वेक्षण किया। उन मकानों

के वास्तु दोषों का निदान एवं समाधान दिये तथा उनसे प्राप्त परिणामों का संकलन किया।

वर्तमान वैज्ञानिक समय में प्राचीन वस्तुशात्र के सिद्धांतों का वैज्ञानिक नियमों पर आधारित विशेष प्रायोगिक शोध जहां प्राचीन वास्तु शास्त्र की उपयोगिता एवं महत्वता को वर्तमान समय में भी समाज के लिए सिद्ध करता है। दूसरी तरफ आधुनिक समय में विज्ञान की विचार धारा वालों को संतुष्ट भी करता है। डॉ. पटैल इस शोध कार्य की पूर्णता के लिए महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र, शोध प्रभारी डॉ. पूजा उपाध्याय एवं शोध मार्गदर्शक आदरणीय डॉ. शुभम शर्मा, डॉ. उपेन्द्र भार्गव एवं विश्वविद्यालय के समस्त गुरुजनों को श्रेय देते हैं। साथ-साथ वरिष्ठों के आशीर्वाद, परिवार के सदस्यों के त्याग व सहायता, मित्रों की मदद एवं दुआओं के फलस्वरूप आज भारतीय प्राचीनज्ञान वास्तुशात्र पीएचडी जैसा महान कार्य संभव हो सका।

> निर्माण कार्य एजेंसी की बड़ी लापरवाही आई सामने

जानलेवा हुआ मुख्य मार्ग पर बना गहरा गड्ढा

जबलपुर। जबलपुर-कटनी मुख्य मार्ग से राजुल एस्टेट (महगवां परियट) कॉलोनी की ओर मुड़ने वाली सड़क पर निर्माण कार्य में लगी एजेंसी की घोर लापरवाही सामने आई है। यहां नाली निर्माण के नाम पर सड़क के बीचों-बीच खुदाई करके छोड़ दी गई है, जिसमें वर्तमान में गहरा पानी भरा हुआ है। यह स्थान अब स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए किसी डेथ ट्रैप (मौत के जाल) से कम नहीं रह गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा नाली खोदने के बाद उसे सुरक्षित तरीके से कवर नहीं किया गया और न ही यहां कोई चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग लगाई गई है।

> लार्डगंज पुलिस की कार्यवाही, 5 दुपहिया वाहन जब्त

पुलिस की गिरफ्त में 2 शातिर वाहन चोर

जबलपुर। लार्डगंज थाने की पुलिस ने 2 ऐसे शातिर चोरों को पकड़ा है, जो सूनी खड़े वाहनों को चोरी कर उन्हें बेचा करते हैं। इस मामले में थाना प्रभारी लार्डगंज नवल आर्य ने बताया कि पकड़ गए आरोपियों के नाम सूरज पिता गणेश यादव उम्र 19 साल निवासी छुई खदान वेदी नगर थाना गढ़ा और आशुतोष पिता रतिराम यादव उम्र 19 साल निवासी ग्राम सुनवारा थाना धनौरा जिला सिवनी है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार उनसे चोरी किए हुए 5 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

भीषण गर्मी की चपेट में संस्कारधानी दर्ज हुआ सीजन का सबसे गर्म दिन

कल से मिल सकती है राहत, हवा और बारिश होने की संभावना

जिले में अप्रैल के तीसरे सप्ताह में गर्मी का असर तेज हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। जो कि अब तक सबसे गर्म दिन दर्ज हुआ।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

इधर रविवार को दिनभर तेज धूप और गर्म हवाएं चलने से आमजन हलाकान होते हुए दिखे। शनिवार रात हल्की हवा चलने से उमस में कुछ कमी आई। इसके बावजूद गर्मी का असर बना रहा और तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। इधर मौसम विभाग ने आज 20 अप्रैल को आंशिक बादल छाए रहने की आशंका जताई है। आज के दिन अधिकतम तापमान घटकर करीब 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

बारिश और आंधी के संकेत

मौसम विभाग के अनुसार 21 अप्रैल को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। 22 अप्रैल को आंधी और बादलों के साथ बारिश के आसार हैं, जिससे तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट संभव है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य भारत के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। इसके चलते आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप से बचने की सलाह दी है। साथ ही पर्याप्त पानी पीने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में पड़ती है तेज गर्मी

बता दें कि अबकी बार अप्रैल में भीषण गर्मी की बजाय आंधी-बारिश और ओले वाला मौसम रहा। 1 से 9 अप्रैल तक प्रदेश में कहीं न कहीं मौसम बदला। इस दौरान ग्वालियर में सबसे ज्यादा पानी गिरा। 15 से ज्यादा जिलों में ओलावृष्टि हुई तो करीब 45 जिलों में पानी गिरा। मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से तेज गर्मी पड़ती है।

गर्मी से बचने के लिए एडवायजरी जारी

गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहे। हल्के वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

जबलपुर। वर्षाऋतु के आगमन के पूर्व शहर की स्वच्छता और सुगम जल निकासी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज शहर के विभिन्न संभागों का सघन दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून के दौरान शहरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और जलभराव की स्थिति निर्मित न होने पाए। निगमायुक्त ने रविवार सुबह से ही स्वास्थ्य और स्वच्छता अमले के साथ रामपुर, गोरखपुर, सिविल लाइन और मुख्यालय संभाग के विभिन्न वार्डों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य मार्गों के साथ-साथ बस्तियों के भीतर की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि वर्षा पूर्व बड़े नालों की सिल्ट निकालने का कार्य युद्धस्तर पर पूर्ण किया जाए।

मुख में होने वाली गंभीर समस्याओं से अवगत कराकर आमजन के जांचें दांत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर में की सक्रिय सहभागिता

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल की टीम द्वारा रविवार को सर्वोदय नगर, जागृति प्राथमिक शाला में आयोजित हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर में सक्रिय सहभागिता की गई।

शिविर में 7 सदस्यीय दंत चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम द्वारा अनेक लाभार्थियों का निःशुल्क दंत परीक्षण एवं उपचार किया गया। जिसमें दंत क्षय, मसूड़ों की बीमारियों, दांतों में दर्द, मुख संक्रमण एवं अन्य मौखिक रोगों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किए गए। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की डॉ. अंकिता सिंह सहित अन्य दंत चिकित्सकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान आयोजक संस्था द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं तथा समापन अवसर पर हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम को सम्मानित किया गया।

डायमंड क्रॉसिंग में बदलाव, तेजी से निकल सकेंगी ट्रेनें

मेगा ब्लॉक कर कटनी रेल सेक्शन में चल रहा कार्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल अंतर्गत आने वाले कटनी रेल सेक्शन को अति आधुनिक करने के लिए रेल प्रशासन लगातार काम कर रहा है। अब कटनी स्टेशन के ए केबिन क्षेत्र में मेगा ब्लॉक करके रेलवे ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को और मॉर्डन करने के लिए अहम कदम उठाया। लंबे समय से उपयोग में आ रही डायमंड क्रॉसिंग और रेल ट्रैक के आधुनिकीकरण के लिए यह मेगा ब्लॉक किया गया। रेलवे के इस मेगा ब्लॉक के कारण कटनी स्टेशन से गुजरने वाली कई मेमू ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। विगत दिवस इंजीनियरिंग और ऑपरेशन विभाग की टीमें मौके पर मुस्तैद हो गईं। मेगा ब्लॉक के चलते कटनी मुख्य स्टेशन तक आने वाली कई ट्रेनों को बीच रास्ते ही समाप्त कर दिया गया। वहीं, उमरिया, झलवारा, निवार और मैहर जैसे स्टेशनों पर ट्रेनों के शॉर्ट टर्मिनेशन से यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। बिलासपुर और सतना की ओर से आने वाली ट्रेनों को इन्हीं स्टेशनों से वापस लौटाया गया। बीना-कटनी मेमू को कटनी मुड़वारा तक संचालित किया गया, जिससे शहर के नजदीक पहुंचने में सुविधा रही।

श्रमदान से जल गंगा संवर्धन अभियान को मिली नई ऊर्जा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मप्र जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर संस्था पौराणिक अदभुत विघा शोध संस्थान ने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का सराहनीय संदेश दिया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम गोसलपुर मे कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, मुख्य कायपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद जीडी रायपुरिया के निर्देशन में आयोजित इस पहल का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत ने कहा की जल ही जीवन है केवल नारा नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का आधार है जल संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है की वह जल का सदुपयोग करे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक संकल्प लिया की जल सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। सभी ने श्रमदान कर रामसागर तालाब को स्वच्छ बनाया जिससे जल गंगा संवर्धन अभियान को नई ऊर्जा मिली।

आग का गोला बना ट्रांसफार्मर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के मुख्य मार्ग पर रविवार दोपहर एक विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। फायरमैन जगदीश सिंह के अनुसार, रविवार 19 अप्रैल को दोपहर करीब 2.30 बजे 33 केवी और 11 केवी लाइन से जुड़े ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए लगभग 35 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस दौरान मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, हालांकि स्थिति को जल्द ही सामान्य कर दिया गया।

बूंद-बूंद पानी को मोहताज दर्जनों छात्रों ने सड़क पर कर दिया चकाजाम

शासकीय इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास का मामला

पुलिस ने दी समझाइश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शासकीय इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास में पानी की किल्लत ने छात्रों को उग्र बना दिया। महीनों से बनी समस्या का जब समाधान नहीं हुआ तो रविवार को छात्र भड़क गए। जिसके बाद हाथ में बाल्टी लेकर एक सैकड़ों छात्र, छात्रावास से निकलकर सड़क पर पहुंच गए और रांझी गोकलपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान छात्रों की भीड़ देकर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को समझाने का प्रयास किया। छात्र करीब एक घंटे बाद किसी तरह सड़क से हटे और कालेज कैंपस में ही धरना देने लग गए। छात्रों से बात करने के लिए कालेज प्रबंधन ही उपलब्ध नहीं हुआ इस बात से छात्र और परेशान रहे। इधर जिम्मेदार छात्रों का सामना करने से बचते रहें।

महीनों से नहीं आ रहा पानी

बताया जा रहा है कि छात्रावास क्रमांक सात और आठ के छात्रावासी छात्रों ने प्रदर्शन किया। दोनों छात्रावास में करीब 150 विद्यार्थी रहते हैं। करीब एक सैकड़ा छात्र नाराज होकर सड़क पर आ गए। छात्रों ने बताया कि पिछले आठ माह से छात्रावास में पानी की आपूर्ति प्रभावित है। नहाने में उपयोग होने वाला पानी नहीं पहुंच रहा है। कई बार कालेज के प्राचार्य से लेकर छात्रावास प्रबंधन को शिकायत की गई थी लेकिन समाधान नहीं हुआ। प्रशासन ने छात्रों को हर बार शीघ्र समस्या का समाधान करने का वादा किया था। अब जबकि छात्रों को पीने का पानी भी नहीं मिला तो उनका गुस्सा फूट गया। बताया गया कि पिछले दिन, दिन में पीने का पानी छात्रावास में नहीं पहुंच रहा हैं।

बाजार से खरीदकर पी रहे पानी

छात्रावासी छात्रों ने कहा कि छात्रावास सात और आठ नंबर में छात्रों को पानी की बहुत किल्लत बनी हुई है। नहाने और बाथरूम के लिए पानी बमुश्किल थोड़ा उपलब्ध होता है जिस वजह से शिकायत करते रहे हैं लेकिन अब पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में छात्र बाजार से 30-40 रुपये की कैम्पर खरीदकर पीने के लिए पानी का उपयोग करते हैं। कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर है जो खरीदकर पानी पीने में अक्षम है ऐसे में उनके लिए मुश्किल खड़ी हो जाती है।

प्राचार्य का नहीं रहा अता-पता

दोपहर लगभग 3 बजे छात्रों ने हंगामा शुरू किया। रांझी पुलिस मौके पर छात्रों को समझाने का प्रयास करती रही। इधर कालेज प्रबंधन की ओर से छात्रों से बात करने कोई नहीं पहुंचा। पुलिस ने चीफ वार्डन से लेकर प्राचार्य तक को संपर्क किया लेकिन चीफ वार्डन शहर से बाहर थे और प्राचार्य डॉ. राजीव चांडक का फोन बंद था। इस कारण कोई अन्य अधिकारी नहीं पहुंचा। नतीजा छात्र धरने में बैठे रहें। बाद में समझाइश के बाद छात्रों ने अपने प्रदर्शन को विराम दिया।

बरेला नगर परिषद की भर्ती में बड़ा फर्जीवाड़ा, आरटीआई से हुआ खुलासा

योग्यता दरकिनार कर बांट दिए मनमाने पद और वेतनमान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरेला नगर परिषद में दैनिक वेतन भोगी और श्रमिक कर्मचारियों की भर्ती और कार्यप्रणाली में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों से इन गड़बड़ियों का खुलासा हुआ है, जिससे परिषद की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बरेला निवासी अनुराग पटेल ने आरोप लगाया है कि परिषद में योग्यता को दरकिनार कर मनमाने ढंग से पद और वेतनमान आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही, कर्मचारियों से उनके मूल पद से अलग कार्य कराए जा रहे हैं, जो दस्तावेजों और जमीनी हकीकत के बीच भारी अंतर को दर्शाता है।

आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, कर्मचारियों के वेतन निर्धारण में कई विसंगतियां पाई गई हैं। सूची में क्रमांक 20 पर दर्ज अरविंद साहू को केवल 8वीं पास होने के बावजूद उच्च कुशल श्रेणी में रखा गया है। दस्तावेजों में उनके पास इलेक्ट्रिक डिप्लोमा बताया गया है, जो उनकी शैक्षणिक योग्यता से मेल नहीं खाता। वहीं इसके विपरीत, बीए और आईटीआई धारक पी. तारकेश्वर राव, 12वीं पास और फायर डिप्लोमा धारक अनूप पांडे जैसे योग्य कर्मचारियों को केवल कुशल श्रेणी में रखा गया है। यह योग्यता के आधार पर वेतनमान निर्धारण में भेदभाव को उजागर करता है। दस्तावेजों में भी गड़बड़ी देखने को मिली है। आरोप है कि चौथी पास हरि पटवा को कुशल श्रेणी का वेतन दिया जा रहा है। वहीं सूची में 8वीं पास मुकेश पटैल का नाम कुशल श्रेणी में दर्ज है। यह स्थिति दस्तावेजों की सत्यता और भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

उठी जांच की मांग

इसके साथ ही नगर परिषद में वाहन चालकों (ड्राइवरों) की भर्ती और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों में भी बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, शिव सागर (क्रमांक 48) और शिवम दुबे (क्रमांक 49) को ड्राइवर के पद पर भर्ती किया गया है। हालांकि, शिव सागर से कार्यालय का कार्य लिया जा रहा है, जबकि शिवम दुबे से लाइनमैन का कार्य कराया जा रहा है। यह पद के दुरुपयोग को दर्शाता है। बताया जा रहा है कि परिषद में पहले से पर्याप्त ड्राइवर होने के बावजूद नई भर्तियां की गईं। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा मिला। इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। लोगों ने कलेक्टर और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हो सके।

रफ्तारबाजों पर लगाम लगाएगी पुलिस, नियमों की अनदेखी करने वालों पर हुई कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़कों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए जबलपुर पुलिस अब एक्शन मोड में है। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशानुसार, शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा और ऑटो चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) अंजना तिवारी के मार्गदर्शन में अप्रैल माह में चलाए गए इस अभियान के तहत पुलिस ने नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले 273 ई-रिक्शा और ऑटो आपे चालकों पर चालानी कार्रवाई की। इस दौरान कुल 1,36,500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

BHOOTH BANGLA (HINDI)	8:55 AM, 9:40 AM, 12:00 PM, 1:20 PM, 3:10 PM, 4:35 PM, 6:20 PM, 9:30 PM & 10:30 PM RUBY 10:10 AM, 10:50 AM, 1:00 PM RUBY 4:00 PM & 9:50 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	10:15 AM RUBY 7:00 PM
PROJECT HAIL MARY (ENG)	7:40 PM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	12:45 PM, 5:00 PM & 9:15 PM RUBY 1:50 PM, 5:50 PM & 9:30 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**